- लालू बेटे को सीएम व सोनिया बनाना चाहती हैं पीएम, दोनों पद खाली नहीं : शाह - 12

- एफटीए पर चर्चा जारी रखेगा भारत और यूरोपीय संघ - 12

- मोदी बहुत अच्छे इंसान, भारत के साथ व्यापार समझौता करेगा अमेरिका : ट्रंप - 13

- महिला विश्व कप: सेमीफाइनल में हरमनप्रीत को खेलनी होगी 8 साल पहले जैसी जादुई पारी- 14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
19.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.26
सूर्यास्त 05.31

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष अष्टमी 10:06 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 212, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राफेल लड़ाकू विमान में भरी उड़ान

अंबाला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को हरियाणा के अंबाला में स्थित वायुसेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी और इसे अविस्मरणीय अनुभव बताते हुए कहा कि इससे उनके अंदर देश की रक्षा क्षमताओं के प्रति गर्व की एक नई भावना जगी है। राष्ट्रपति ने यात्रा से ठीक पहले स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह के साथ फोटो खिंचवाई। पाकिस्तान समर्थक सोशल मीडिया हैंडल पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमान उड़ाने वालीं देश की पहली महिला पायलट सिंह को पकड़े जाने का दावा किया गया था। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भी इसी एयर बेस से एक अलग विमान में उड़ान भरी। राष्ट्रपति मुर्मू दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति बन गई हैं। राफेल विमान में सवार होने से पहले राष्ट्रपति ने जी-सूट पहना था। हाथ में हेलमेट लिए और धूप का चश्मा लगाए मुर्मू ने एयर चीफ मार्शल और वायुसेना के अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाईं। पूर्वाह्न 11.27 बजे विमान ने उड़ान भरी और लगभग 30 मिनट में करीब 200 किलोमीटर तय करने के बाद वायुसेना स्टेशन पर लौटा।

वैश्विक तनाव, व्यापार बाधाओं के बीच भारत स्थिर प्रकाश स्तंभ

मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव

- प्रधानमंत्री ने कहा-देश का समुद्री क्षेत्र तीव्र गति से आगे बढ़ रहा

मुंबई, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को वैश्विक तनाव, व्यापार व्यवधानों और आपूर्ति शृंखलाओं में बदलाव के बीच भारत को दुनिया के लिए एक स्थिर प्रकाश स्तंभ बताया। मुंबई में भारतीय समुद्री सप्ताह-2025 में 'मैरीटाइम लीडर्स कॉनक्लेव' को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत रणनीतिक स्वायत्तता, शांति और समावेशी विकास का प्रतीक है।

मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव के दौरान एक प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्रधानमंत्री।

मोदी ने कहा कि भारत का जीवंत लोकतंत्र और विश्वसनीयता ऐसी चीजें हैं जो भारत को विशेष बनाती हैं। उन्होंने कहा कि जब वैश्विक समुद्र में उथल-पुथल मची होती है, तो दुनिया एक स्थिर प्रकाश स्तंभ की तलाश करती है। भारत पूरी मजबूती के साथ ऐसे प्रकाश स्तंभ की भूमिका निभा सकता है। मोदी ने कहा कि वैश्विक तनाव, व्यापार व्यवधान और बदलती आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच भारत रणनीतिक स्वायत्तता, शांति और समावेशी विकास का प्रतीक है। देश की समुद्री और व्यापार पहल एक व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा हैं। उन्होंने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे को भविष्य में व्यापार मार्गों को उदाहरण के रूप में उद्धृत किया। कहा कि भारत का समुद्री क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है।

नीली अर्थव्यवस्था व तटीय विकास पर फोकस

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में व्यापार और बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिला है। मोदी ने कहा 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है। इस सदी के अगले 25 साल और भी महत्वपूर्ण हैं, इसलिए हमारा ध्यान नीली अर्थव्यवस्था और सतत तटीय विकास पर है। हम हरित लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह संपर्क और तटीय औद्योगिक समूहों पर बहुत जोर दे रहे हैं। समुद्री क्षेत्र में अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2025 देश के समुद्री क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक रहा है, जिसमें कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां रही हैं। भारत का पहला गहरे पानी वाला अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब, विझिंजम बंदरगाह, इसी वर्ष चालू हुआ।

ब्रीफ न्यूज

तालाब में डूबने से एक हाथी शावक की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में तालाब में नहाने के दौरान एक हाथी शावक की डूबने से मौत हो गई। धरमजयगढ़ वन मंडल के वनमंडलाधिकारी जितेंद्र उपाध्याय ने मंगलवार को बताया कि यह हादसा कल उस समय हुआ, जब विचरण कर रहे 22 हाथियों का झुंड छाल रेंज के औरानारा तालाब में नहाने गया था।

बाघ आकलन प्रक्रिया में शामिल होंगे विद्यार्थी

भुवनेश्वर। ओडिशा के देबरीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के अधिकारियों ने आगामी अखिल भारतीय बाघ आकलन (एआईटीई)-2025-26 में स्कूल और कॉलेज के छात्रों को शामिल करने का निर्णय लिया है। प्रभागीय वन अधिकारी अंशु प्रज्ञान दास ने कहा कि युवाओं को शामिल करके, हम भविष्य के नेताओं और निर्णयकर्ताओं की एक पीढ़ी तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं जो अभयारण्य में संरक्षण प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित होंगे।

मूर्ति को अपवित्र करने में बांग्लादेशी गिरफ्तार

बेंगलुरु। मंदिर के गर्भगृह के बाहर रखी मूर्ति को अपवित्र करने के आरोप में 45 वर्षीय एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि मंदिर के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने आरोपी कबीर मंडल को पकड़ लिया और पिटाई कर दी।

न्यायिक दक्षता से पर्यावरणीय नीति तक यूपी बना सुशासन का मॉडल

राज्य सरकार ने कैबिनेट बाई सर्कुलेशन से पांच प्रस्तावों को दी स्वीकृति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भदोही में राज्य विवि को मंजूरी डीपीओ भर्ती मानदंड बढ़ाया

अमृत विचार : योगी सरकार ने कैबिनेट बाई सर्कुलेशन से सुशासन और विकास की दिशा में कई बड़े फैसलों को मंजूरी दी है। इन निर्णयों में न्यायिक विभाग में 274 नए पदों का सृजन, भदोही में राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना, पर्यावरण निदेशालय का गठन, कृषि में डिजिटलीकरण और डीपीओ भर्ती के मानदंडों का विस्तार प्रमुख हैं।

न्याय तक आम नागरिक की पहुंच आसान बनाने और वादों के निस्तारण में तेजी लाने के लिए न्यायिक विभाग में 274 नए पद सृजित किए गए हैं। यह निर्णय राज्य की न्यायिक दक्षता को मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर नागरिक को समय पर न्याय मिले यही सुशासन की पहचान है। शिक्षा के विकेंद्रीकरण की दिशा में सरकार ने भदोही में नए राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना को स्वीकृति दी है। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुरूप है और उच्च शिक्षा की पहुंच पिछड़े जिलों तक बढ़ाएगा। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा व अनुसंधान के अवसर मिलेंगे। बाल विकास एवं पोषण विभाग में जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) पद के लिए पात्रता मानदंडों का दायरा बढ़ाया गया है। अब समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान के स्नातक भी आवेदन कर सकेंगे। यह निर्णय शासन में अंतर्विषयक दृष्टिकोण और सामाजिक नीति निर्माण को प्रोत्साहन देगा।

पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन निदेशालय बनेगा

जलवायु संरक्षण और हरित विकास की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य ने 'पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन निदेशालय' की स्थापना को मंजूरी दी है। यह भारत में अपनी तरह का पहला राज्यस्तरीय संस्थान होगा, जो सतत विकास की नीतियां तैयार करेगा और भारत के नेट-ज़ीरो 2070 लक्ष्य में योगदान देगा

कृषि का डिजिटलीकरण, भुगतान की गारंटी

किसानों के हित में सरकार ने गेहूं और धान की खरीद प्रक्रिया में ई-मशीनों के प्रबंधन का कार्य यूपीडेस्को को सौंपा है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी, भुगतान में देरी कम होगी और कृषि प्रणाली में जवाबदेही आएगी।

संभल, बाराबंकी और फतेहपुर में खुलेंगे निजी विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन मिल रहा है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बुधवार को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय,चंदौली (संभल) तथा बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी को संचालन प्राधिकार-पत्र (लेटर ऑफ ऑथराइजेशन) प्रदान किया। वहीं,ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय, फतेहपुर के एंग्लो संस्कृत कालेज, फतेहपुर को आशय-पत्र सौंपा गया। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, चंदौसी का नाम उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (पंचम संशोधन) अध्यादेश, 2025 के अंतर्गत अधिनियम की अनुसूची-2 में क्रमांक 52 पर तथा बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी का नाम तृतीय संशोधन अध्यादेश, 2025 के तहत क्रमांक 50 पर सम्मिलित किया गया है।

डीएसएम ग्रुप की चीनी मिलों पर आयकर विभाग की छापेमारी

- असमोली और रजपुरा मिलों में 100 से ज्यादा अधिकारी देर रात तक करते रहे जांच

कार्यालय संवाददाता,संभल/असमोली

अमृत विचार : डीएसएम ग्रुप की जनपद में संचालित दोनों चीनी मिलों पर आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी की। सौ से ज्यादा अधिकारी सुबह से देर रात तक पड़ताल में जुटे रहे। डीएसएम ग्रुप की शुगर मिल धामपुर बायो ऑर्गेनिक लिमिटेड असमोली और डीएसएम शुगर मिल राजपुरा में बुधवार को सुबह 5 बजे 40 से ज्यादा गाड़ियों से आयकर विभाग के 100 से अधिक अधिकारी पहुंचे। अधिकारियों के अंदर दाखिल होते ही मुख्य गेट बंद कर दिए गए।

कर्मचारियों व अन्य लोगों के मिल से बाहर आने- जाने पर रोक लगा दी गई। सुबह 9 बजे कर्मचारी ड्यूटी के लिए पहुंचे तो उन्हें भी बाहर ही रोक दिया गया। कर्मचारी एक घंटे तक इंतजार करते रहे लेकिन उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। वे वापस लौट गए। दोनों ही मिलों में देर रात तक कार्रवाई चलती रही। चीनी मिलों के मुख्य गेट पर अर्द्ध सैनिक बल मुस्तैद रहे और अंदर आयकर विभाग के अधिकारी दस्तावेज, कंप्यूटर व अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच पड़ताल में जुटे रहे।

असमोली में धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स का बंद मुख्य गेट। ● अमृत विचार

धामपुर शुगर मिल में भी मारा छापा

बिजनौर। आयकर विभाग की टीम ने बुधवार की सुबह धामपुर शुगर मिल में भी छापेमारी की। इस दौरान शुगर मिल अधिकारियों के मोबाइल भी स्विच ऑफ करा दिए गए और ड्यूटी पर आने वाले कर्मचारियों को अंदर आने की अनुमति नहीं दी गई। सीआईएसएफ को मिल गेट पर तैनात कर दिया गया। शुगर मिल के गन्ना महाप्रबंधक ओमवीर सिंह पहुंचे तो मीडियाकर्मियों ने उनसे जानकारी चाही लेकिन उन्होंने अनभिज्ञता जता दी।

धामपुर की मीरगंज इकाई में भी छानबीन

बरेली। धामपुर बॉयो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड की मीरगंज इकाई में भी आयकर विभाग ने बुधवार को भोर में लगभग पांच बजे छापा मारा। सूत्रों के अनुसार दिल्ली, हरियाणा, गाजियाबाद और लखनऊ के नंबरों की गाड़ियों से आई आयकर की संयुक्त टीम ने फैक्टरी में अचानक छापा मारा। कार्रवाई के दौरान मिल स्टाफ के फोन स्विच ऑफ करा दिए गए। ड्यूटी पर पहुंचे कर्मचारियों को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स के दिल्ली हेड ऑफिस के अलावा पांचों यूनिटों पर छापेमारी जारी है और यह कार्रवाई दो दिन तक चल सकती है।

आंध्र में मोंथा ने मचाई तबाही

दो लोगों की मौत, फसलें क्षतिग्रस्त, सड़कें जलमग्न

अमरावती, एजेंसी

प्रभावित क्षेत्रों का हेलिकॉप्टर से निरीक्षण करते सीएम चंद्रबाबू नायडू।

भीषण चक्रवाती तूफान मोंथा ने आंध्र प्रदेश में भारी तबाही मचाई। रात में आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के बाद भारी बारिश से सड़कें जलमग्न हो गईं, कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए जबकि दो लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक अनुमानों का हवाला देते हुए सरकार ने मंगलवार को बताया था कि मोंथा के प्रभाव से 38,000 हेक्टेयर में खड़ी कृषि फसलें नष्ट हो गईं तथा 1.38 लाख हेक्टेयर में बागवानी फसलें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। पश्चिम गोदावरी जिले के पुलिस अधीक्षक अदनान नईम असमी ने बताया कि जिले भर में 141 पेड़ उखड़ गए और लोगों को सांपों द्वारा काटे जाने के आठ मामले सामने आए। बिजली के कुछ खंभे भी टूटकर गिर गए। मोगलतुरु इलाके में एक-दो फूस के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। सुरक्षा के लिए कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति काट दी थी। एडीएसपी ने चक्रवात के प्रभावी प्रबंधन का श्रेय लोगों में व्यापक जागरूकता और समुद्र तटीय गांवों में वायरलेस सेट के माध्यम से गहन संचार को दिया। कोनासीमा जिले के अंतरवेदी गांव में चक्रवात ने दस्तक दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 200 पेड़ों के उखड़ने और 70 बिजली के खंभों को नुकसान हुआ। पेड़ों के गिरने से दो लोग घायल भी हुए हैं।

एहतियाती उपायों से नुकसान कम हुआ : नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि भीषण चक्रवाती तूफान ''मोंथा'' के कारण राज्य में दो लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि एहतियाती उपायों से नुकसान को कम करने में मदद मिली। मुख्यमंत्री ने चक्रवात प्रभावित लोगों को अधिक राहत देने के लिए पूरे सरकारी तंत्र से अगले दो दिन तक अपने प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। नायडू ने कहा कि अगर हम अगले दो दिन तक इसी तरह काम करते हैं तो हम लोगों को बहुत राहत दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने का निर्देश दिया।

तेलंगाना, प. बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश

हैदराबाद। चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के असर से बुधवार को तेलंगाना के विभिन्न जिलों में मूसलाधार बारिश हुई। यह तूफान आंध्र प्रदेश के तट से बीती रात गुजरा। पश्चिम बंगाल के अधिकांश जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम कार्यालय ने कहा कि बुधवार को दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम के कुछ हिस्सों में और शुक्रवार तक बीरभूम, मुर्शिदाबाद, पूर्व बर्धमान एवं पुरुलिया जिलों में भारी बारिश की प्रबल संभावना है। तेलंगाना में वारंगल, महबूबाबाद, यदाद्री भुवनगिरी, जंगांव, सूर्यापेट, नलगोंडा, नागरकर्नूल और सिद्धिपेट समेत कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। हैदराबाद में भी तेज बारिश हुई।

ईडी ने जब्त की 1.5 करोड़ नकदी व सोना

कोलकाता। ईडी ने नौकरी के बदले नकदी मामले में छापेमारी में एक व्यवसायी के घर और कार्यालय से 1.5 करोड़ रुपये से अधिक नकदी, कीमती आभूषण, सोना, लग्जरी कारें और कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं। ईडी की छापेमारी कल तड़के उत्तर 24 परगना के लेक टाउन स्थित व्यवसायी विवेक झुनझुनवाला के फ्लैट और दक्षिण कोलकाता के तारातला स्थित कार्यालय में शुरू हुई थी।

प्रदेश सरकार ने 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया गन्ने का मूल्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अगेती 400 रुपये व सामान्य 390 रुपये प्रति क्विंटल, किसानों को 3,000 करोड़ का अतिरिक्त लाभ

अमृत विचार : योगी सरकार ने गन्ना किसानों के हित में बड़ा कदम उठाया है। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है।

अब अगेती प्रजाति का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य प्रजाति का 390 रुपये प्रति क्विंटल होगा। इस बढ़ोतरी से प्रदेश के गन्ना किसानों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान होगा। योगी सरकार के आठ वर्षों में यह चौथी बार है जब गन्ना मूल्य में वृद्धि की गई है।

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि किसानों के परिश्रम का सम्मान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गन्ना किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ हैं। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक 2,90,225 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है, जो पिछली सपा-बसपा सरकारों (2007-2017) के 1,47,346 करोड़ की तुलना में 1,42,879 करोड़ रुपये अधिक है। मंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की 122 चीनी मिलें संचालित हैं और पारदर्शी नीतियों के कारण इस क्षेत्र में 12,000 करोड़ रुपये का निवेश आया है।

एथेनॉल उत्पादन में देश में अव्वल है यूपी

एथेनॉल उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी बन गया है। राज्य में उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर तक पहुंच गया है। आसवनियों की संख्या 61 से बढ़कर 97 हुई है। गन्ना क्षेत्रफल बढ़कर 29.51 लाख हेक्टेयर तक पहुंच चुका है, जिससे उत्तर प्रदेश एथेनॉल और गन्ना उत्पादन दोनों में देश में प्रथम स्थान पर है।

आस्था | श्रीराम मंदिर निर्माण की लागत 1800 करोड़ रुपये पहुंचने की उम्मीद

श्रद्धालुओं ने रामलला को समर्पित किए 3 हजार करोड़

अयोध्या कार्यालय

- 25 नवंबर के बाद बड़े समारोह में सम्मानित किए जाएंगे दानदाता : नृपेंद्र

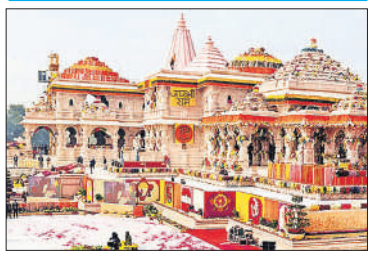

अमृत विचार : देश भर के श्रद्धालुओं ने राम लला को अब तक लगभग तीन हजार करोड़ रुपये दान के रूप में समर्पित किए हैं। राम मंदिर के दानदाताओं को 25 नंवबर के बाद भव्य समारोह आयोजित करके सम्मानित किया जाएगा। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बुधवार को बताया कि श्रीराम मंदिर निर्माण की लागत 1800 करोड़ रुपये पहुंचने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 के बाद भी अनेक भक्तों ने बड़ी धनराशि श्री राम मंदिर में दान में दी है। भवन निर्माण समिति ने यह फैसला लिया है कि इन दानदाताओं को भी 25 नवंबर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। मंदिर निर्माण में योगदान देने वाली कंपनियों, सप्लायर्स और कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया जाएगा। समारोह में करीब आठ हजार लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होने यह भी बताया कि दानदाताओं को समरसता और सहभागिता के दृष्टिकोण से शामिल करने का निर्णय लिया गया है। सम्मान का यह कार्यक्रम 25 नवंबर के कार्यक्रम के बाद आयोजित किया जाएगा। इसके लिए श्री राम मंदिर परिसर में वृहद सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में सभी योगदानकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष मिश्र ने बताया कि मंदिर निर्माण पर अब तक 15 सौ करोड़ रुपये की बिलिंग हो चुकी है। निर्माण की कुल लागत 1800 करोड़ रुपये तक पहुंच जाने का अनुमान है।

महर्षि वाल्मीकि व निषाद राज का भी पूजन करेंगे प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को राम मंदिर पर ध्वजारोहण करने के बाद राम जन्मभूमि परिसर स्थित महर्षि वाल्मीकि, निषाद राज, शबरी, अहिल्या सहित परकोटा के मंदिरों में भी दर्शन-पूजन करेंगे। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बुधवार को बताया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट परिसर के भ्रमण कार्यक्रम को लेकर योजना बना रहा है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया जाएगा कि वे ध्वजारोहण के साथ परकोटा में भी कुछ समय दें। बताया कि परिसर में अब धातु से शहीद स्मारक बनाया जा रहा है। जिसका निर्माण फरवरी, 2025 तक पूरा होने की संभावना है। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें एक बार में पांच हजार से आठ हजार लोगों के दर्शन करने की सुविधा होगी।

नारी सशक्तीकरण
संकल्प से सिद्धि

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन
5वां चरण

मिशन शक्ति केंद्र

ये केंद्र महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक समर्पित सहायता प्रणाली के रूप में कार्य कर रहे हैं।

शक्ति केंद्रों के माध्यम से पीड़ित महिलाओं की शिकायत लेने से लेकर विधिक कार्यवाही तक पूरी सहायता प्रदान की जाती है।

राज्य के सभी 1,647 थानों में महिलाओं की सुरक्षा, सहयोग और संरक्षण हेतु मिशन शक्ति केंद्रों की स्थापना की गई है।

इन केंद्रों पर महिला संबंधित मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य किया जाता है।

यह व्यवस्था महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ समाज में पुनः स्थापित करने में सहायक है।

प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों और विभिन्न विभागों के समन्वय से पीड़ित महिलाओं का मानसिक और सामाजिक पुनर्वास सुनिश्चित किया जाता है।

एक पेड़ माँ के नाम

वर्ष 2025: 37.21 करोड़+ वृक्षारोपण

सरकार द्वारा चलाए गए विशेष अभियान जैसे "एक पेड़ माँ के नाम", सार्वजनिक भागीदारी आधारित वृक्षारोपण अभियान, वन विभाग द्वारा सघन वन रोपण इत्यादि कार्यक्रमों ने मूल्यवर्धित परिणाम दिए।

निराश्रित महिला पेंशन योजना

36.75 लाख महिलाएं लाभान्वित

पति की मृत्यु के उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत पात्र निराश्रित महिला को प्रति लाभार्थी 1,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाती है।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना

26.34 लाख बेटियां लाभान्वित

बालिकाओं को शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना शुरु की गयी है। प्रारम्भ में इसके अंतर्गत बालिकाओं को 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता छह चरणों में प्रदान की जाती थी। अब प्रदेश सरकार ने यह सहायता राशि 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

4.67 लाख जोड़ों का विवाह

निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना संचालित है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ ही सामान्य वर्ग के निर्धन परिवार भी आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ विधवा और तलाकशुदा महिलाओं को भी मिल रहा है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

60 लाख माताएं लाभान्वित

योजना के तहत जननी और उसके बच्चे की देखभाल के लिए 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। पहले चरण में 1,000 रुपये, दूसरे चरण में 2,000 रुपये और तीसरे चरण में 2,000 रुपये गर्भवती महिलाओं को दिए जाते हैं। शेष 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता तब मिलती है, जब गर्भवती महिला बच्चे को किसी अस्पताल में जन्म देती हो या जननी सुरक्षा योजना की लाभार्थी हो।

ऑनलाइन फैमिली काउंसलिंग

घर बैठे समाधान : महिलाओं को थाने जाने की आवश्यकता नहीं।

विशेषज्ञ काउंसलिंग : घरेलू विवाद, हिंसा व आत्महत्या रोकथाम में मदद।

जनवरी 2024 से अगस्त 2025 तक कुल 10,102 शिकायतें दर्ज, 9,760 मामलों का समाधान।

महिला रात्रि एस्कॉर्ट सुरक्षा

रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक सहायता हेतु कॉल किए जाने पर यूपी-112 द्वारा महिला को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था।

रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष

जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं/बालिकाओं को आर्थिक सहायता हेतु इस कोष की स्थापना की गयी है। इसके अन्तर्गत अब तक 7,105 महिलाओं/बालिकाओं को क्षतिपूर्ति धनराशि प्रदान की गयी।

एण्टी रोमियो स्क्वाड

सार्वजनिक स्थलों जैसे-चौराहों, बाजारों, माल्स, पार्क, स्कूल, कालेज कोचिंग संस्थान व अन्य स्थलों को असामाजिक तत्वों से मुक्त कराये जाने तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ राह चलते छेड़खानी, अभद्रता, अश्लील प्रदर्शन एवं टिप्पणियों की घटनाओं को रोकना एण्टी रोमियो स्क्वाड द्वारा किया जाता है।

बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी

जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में ग्रामवासियों को प्रोत्साहित एवं लाभान्वित करने हेतु प्रदेश की सभी 57,000 ग्राम पंचायतों में विभिन्न बैंकों के माध्यम से बी.सी. सखी को पदस्थापित किया गया। बी.सी. सखी को प्रति माह 4,000 रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। अच्छा काम करने पर प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा रही है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है।

हेल्पलाइन

1076
मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

1090 वीमेन पॉवरलाइन	**101** अग्निशमन सेवा	**108** एंबुलेन्स हेल्पलाइन	**112** पुलिस आपातकाल सेवा
1930 साइबर हेल्पलाइन	**181** वीमेन हेल्पलाइन	**1098** चाइल्ड लाइन	**102** गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन

ADVERTORIAL

लखीमपुर के गन्ना किसान ने जीती प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

अमृत विचार : गन्ना विकास विभाग द्वारा आयोजित राज्य गन्ना प्रतियोगिता वर्ष 2024-25 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। उप गन्ना आयुक्त ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश भर से 1318 कृषकों ने भाग लिया था।

बुधवार को उप गन्ना आयुक्त हरपाल सिंह ने बताया कि विजेता किसानों ने वैज्ञानिक पद्धतियों, उन्नत बीजों और ड्रिप सिंचाई तकनीक का उपयोग कर अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया है। शीघ्र पौधा संवर्ग में लखीमपुर खीरी के ज्योति प्रकाश सिंह ने 2509 क्विंटल.हेक्टेयर उपज प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि संतकुमार वर्मा द्वितीय और अनुराग शुक्ला तृतीय स्थान पर रहे। सामान्य पौधा संवर्ग में बागपत के कृष्ण कुमार प्रथम, अंबेडकरनगर के धनंजय सिंह द्वितीय और मेरठ के कपिल तृतीय स्थान पर रहे। पेड़ी संवर्ग में बिजनौर के ब्रजेश कुमार शर्मा ने 1985 क्विंटल हेक्टेयर उपज प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया।ड्रिप विधि पौधा संवर्ग में शामली के प्रमेन्द्र राणा, बुलंदशहर के भुवनेश्वर कुमार और मुजफ्फरनगर के मनीष कुमार क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कृषकों को 51 हजार, द्वितीय को 31 हजार तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को 21 हजार रुपये की धनराशि के साथ प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। पुरस्कार राशि आरटीजीएस के माध्यम से किसानों के खातों में भेज दी गई है।

युवा गन्ना किसान पौधा संवर्ग में बिजनौर के मोहित त्यागी प्रथम

ड्रिप विधि पेड़ी संवर्ग में मुजफ्फरनगर के ब्रह्मानंद प्रथम, बिजनौर के विनीत कुमार द्वितीय और मुजफ्फरनगर के नैपाल तृतीय स्थान पर रहे। युवा गन्ना किसान पौधा संवर्ग में बिजनौर के मोहित त्यागी प्रथम, शामली के मन चौधरी द्वितीय और मुजफ्फरनगर के धीरेन्द्र प्रताप तृतीय स्थान पर रहे। युवा गन्ना किसान पेड़ संवर्ग में शामली के वासु राणा प्रथम,मुजफ्फरनगर के शशांक मलिक द्वितीय और शामली के विशाल चौधरी तृतीय स्थान पर रहे।

- **प्रदेशभर के 1318 कृषकों में ज्योति प्रकाश सिंह प्रथम**

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और आईआईटी दिल्ली की संयुक्त टीम ने किया डेयरी का निरीक्षण

पराग डेयरी में प्रदूषण नियंत्रण चिंताजनक, टीम ने लिए नमूने

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : पराग दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड दौलतपुर स्थित पराग दुग्ध डेयरी में प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक पाई गई है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और आईआईटी दिल्ली की संयुक्त टीम ने बुधवार को डेयरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता और जल शोधन व्यवस्था में गंभीर कमियां मिलीं।जिसके बाद टीम ने पानी और अपशिष्ट के नमूने जांच के लिए संग्रहित टीम आईआईटी देहली जांच के लिए ले गई है।

- **निरीक्षण के दौरान स्वच्छता और जल शोधन व्यवस्था में गंभीर कमियां मिलीं**

आईआईटी से आई टीम को लीड कर रहीं प्रोफेसर ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डीके गुप्ता ने बताया कि आईआईटी दिल्ली से प्रोफेसर प्रियंका कौशल, रिसर्च एसोसिएट शिवम अग्रहरी, राहुल द्विवेदी ने पराग दुग्ध डेयरी में प्रयोग किए जा रहे पानी और अपशिष्ट जल की सफाई व्यवस्था का बारीकी से परीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि डेयरी में प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली मानकों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। खराब व्यवस्था के चलते आईआईटी दिल्ली की टीम ने डेयरी परिसर से पानी और अपशिष्ट के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए, जिन्हें आगे की प्रयोगशाला में वैज्ञानिक जांच के लिए टीम अपने साथ ले गई है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पिछले कुछ समय से डेयरी की स्वच्छता और प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी के मद्देनजर यह संयुक्त निरीक्षण किया गया। जांच रिपोर्ट आने के बाद जिम्मेदारों पर कार्रवाई तय मानी जा रही है।

डेयरी में मौजूद आईआई की टीम व पीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी डीके गुप्ता।

न्यूज ब्रीफ

अज्ञात वाहन की टक्कर से दूधिया की मौत

छजलैट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र पाकबड़ा के ग्राम मोहम्मदपुर ध्यान पुर निवासी यशवंत सिंह(51) किसी काम से प्रथमा यूपी ग्रामीण प्रथमा बैंक फतेहपुर बिश्नोई में आया था। फतेहपुर बिश्नोई गेट में घुसते ही किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर यशवंत की मौके पर ही मृत्यु हो गई। चौकी प्रभारी कुलदीप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मृतक के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम की तैयारी कर रही थी। वह चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। जो दूध बिक्री कर अपने परिवार का पालन पोषण करता था। सूचना मिलने पर परिजन घटनास्थल पहुंचे जिनका रोते बिलखते बुरा हाल था। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि यह घटना दोपहर लगभग ढाई बजे की है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बिजनौर, अमृत विचार : काशीपुर-हरिद्वार मार्ग पर ग्राम मुबारकपुर कुंडा के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी जिसमें बाइक सवार सुरेश 50 वर्ष निवासी ग्राम हाफिजाबाद की मृत्यु हो गई जबकि सुभाष 38 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण करते हुए घायल को अस्पताल भिजवाया, जबकि शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। आरोपी चालक ट्रक लेकर फरार हो गया ।

कपड़े देने का लालच देकर बालिका से अश्लील हरकत, मुठभेड़ में पकड़ा

मंगलवार रात हुई मुठभेड़ में आरोपी की टांग में लगी गोली, जिला अस्पताल में भर्ती

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : कपड़े के कारोबारी ने नाबालिग बालिका को कपड़े दिलाने के बहाने गोदाम पर बुलाकर अश्लील हरकत की। सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर रात में हुई मुठभेड़ के दौरान उसे गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना मंगलवार की है। ग्राम गोपीवाला निवासी एक फैक्टरी कर्मी पत्नी के साथ दवाई लेने हल्द्वानी गया था। घर पर उसके चार बच्चे थे। इस दौरान उसकी 11 वर्षीया पुत्री के पास गांव निवासी कपड़े के कारोबारी अनवर अली की बेटी पहुंची। उसने कहा कि उसके पिता के गोदाम में उसके साइज के कपड़े मिल जाएंगे इसलिए साथ चले। गांव की आबादी से कुछ दूरी पर जंगल की ओर अनवर अली का गोदाम है। जब दोनों वहां पहुंची तो अनवर वहां पहले से मौजूद था। उसने बेटी को ट्यूशन पढ़ने घर भेज दिया और बालिका को गोदाम पर रोक लिया। आरोपी ने कपड़े पहनाने के बहाने बालिका के साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं।विरोध करने पर आरोपी ने कपड़े देने का लालच दिया। धमकाया कि वह घर जाकर माता-पिता को कुछ न बताए। अगली बार बड़ी बहन को भी साथ लाए। डरी सहमी बालिका किसी तरह वहां से भाग निकली। इस दौरान छीना-झपटी में उसकी एक चप्पल वहीं छूट गई। पीड़िता गांव के प्राइमरी स्कूल में कक्षा पांचवीं की छात्रा है। वह चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर की है। पुलिस ने बालिका का मेडिकल परीक्षण कराकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

- **दवाई लेने गए थे पीड़िता के माता-पिता, कपड़ा कारोबारी ने बेटी से बुलवाया गोदाम पर**

पुलिस गिरफ्त में मुठभेड़ के बाद गोली लगने से घायल आरोपी।

घर लौटी बालिका ने परिजनों को बताया

रात करीब नौ बजे जब बालिका के माता-पिता हल्द्वानी से लौटे, तो उसने रोते हुए पूरी घटना बताई। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली ठाकुरद्वारा पुलिस गांव पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पिता की तहरीर पर आरोपी अनवर अली के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

कालाझांडा नहर के पास पकड़ा आरोपी

पुलिस ने देर रात आरोपी की तलाश शुरू की। मोबाइल लोकेशन के आधार पर टीम ने कालाझांडा नहर के पास घेराबंदी की। आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा, जिस पर मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने गोली चलाई। गोली उसके पैर में लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने घायल आरोपी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठाकुरद्वारा में भर्ती कराया, जहां उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया गया मुठभेड़ के दौरान सीओ आशीष प्रताप सिंह और कोतवाल संजय कुमार पांचाल भी मौजूद रहे।

गांव में आक्रोश, कड़ी कार्रवाई की मांग

घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने कहा कि आरोपी पर पॉक्सो एक्ट व एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

महिला कर्मचारी से अभद्रता करने का आरोप, दी तहरीर

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के चकबंदी कार्यालय में तैनात एक महिला कर्मचारी ने अपने ही कार्यालय के कानूनगो पर अभद्रता, छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

उत्तराखंड के थाना जसपुर मोहल्ला मंशा पट्टी निवासी महिला कार्यालय सहायक चकबंदी द्वितीय ठाकुरद्वारा में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 अक्टूबर को लगभग दोपहर 2 बजे वह कार्यालय में कार्य कर रही थीं। उसी दौरान उसी कार्यालय में कानूनगो ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए कोहनी पकड़कर नीचे गिरा दिया और छेड़छाड़ व अभद्र हरकतें कीं। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के अनुसार यह पूरी घटना कार्यालय में मौजूद अन्य कर्मचारियों ने देखी। घटना के बाद से पीड़िता मानसिक रूप से व्यथित और भयभीत है। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है।

टैक्स चोरी: एक मोबाइल नंबर से कई जीएसटी पंजीकरण पकड़े

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मुरादाबाद में राज्यकर विभाग की जांच में एक बड़े राज्य कर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। विभाग ने दो लोहे से भरे ट्रक पकड़ने के बाद जब बुधवार को गहनता से जांच शुरू की तो दिल्ली से लेकर जम्मू श्रीनगर,जालंधर, लुधियाना देहरादून, पंचकूला, दिल्ली, जयपुर जबलपुर, जोधपुर लखनऊ समेत 62 शहरों में अलग-अलग नाम से फर्मों का खुलासा हुआ है।

मंगलवार को 60 शहरों आगरा, कानपुर, पटना, भुवनेश्वर, रायपुर, औरंगाबाद आदि में कई नाम से फर्म संचालित मिली थी। बुधवार को राज्य कर विभाग की सहायक आयुक्त पूजा और पंकज मिश्रा ने मुरादाबाद के थाना सिविल लाइन में सभी फर्मों के नाम और उसमें पड़े नंबर पर मुकदमा दर्ज कराने के तहरीर दी।

बुधवार को अपर आयुक्त (ग्रेड-1) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि अब तक के सबसे बड़े राज्य कर चोरी का यह मामला सामने आया है। अब इस पूरे सिंडिकेट के लेनदेन, ट्रांसपोर्ट चैनल और बैंकिंग रिकॉर्ड की गहराई से जांच की जा रही है। अब तक हुई जांच में 122 शहरों में अलग-अलग नामों से फर्मों का खुलासा हुआ है।

इन सभी फर्मों में अंकित कुमार नामक व्यक्ति ने खुद को लखनऊ निवासी प्रवीण श्रीवास्तव का किराएदार दिखाया था। पंजीकरण के लिए उसी पते का बिजली बिल लगाया गया था। जब विभाग ने प्रवीण श्रीवास्तव से संपर्क किया तो उन्होंने किसी अंकित कुमार से जान पहचान होने की बात से इंकार कर दिया। अपनी जानकारी का दुरुपयोग होने पर तालकटोरा थाने में एफआईआर दर्ज कराने के लिए की तहरीर दी।

- **मुरादाबाद में एक मोबाइल नंबर और नाम पर जांच के दौरान 62 शहरों में फर्मों का खुलासा**

> यह गिरोह फर्जी कंपनियों के नाम पर लेनदेन कर सरकार को भारी राजस्व हानि और असली व्यापारियों की साख को धूमिल कर रहा है। बैंक खातों, परिवहन दस्तावेजों और फर्जी पते से जुड़े सभी साक्ष्यों की जांच शुरू कर दी है। बुधवार को 8 लोहे से भरे ट्रक पकड़े गए है। जिसकी अभी जांच जारी है। कई शहरों में छापेमारी की तैयारी है।
> **- आरए सेठ,** अपर आयुक्त ग्रेड-2, एसआईवी मुरादाबाद जोन

शादी के बहाने ठगी करने वाली लुटेरी दुल्हन सहित दो गिरफ्तार

संवाददाता, पटवाई

अमृत विचार : थाना पटवाई पुलिस ने शादी के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले लुटेरी दुल्हन गिरोह का खुलासा करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया। उसके बाद पुलिस ने आरोपी दुल्हन बनी सुहानी उर्फ शिवन्या और उसके भाई नितिन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पटवाई निवासी अनिल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने अपने भाई विकास की शादी के लिए 19 अगस्त को आंबेडकर पार्क में लड़की को देखा था। लड़की वालों की तरफ से नितिन के साथ दो महिलाएं थीं, जिनमें से एक को लड़की की मां और दूसरी को मौसी बताया गया था। लड़का-लड़की दोनों ने एक-दूसरे को पसंद कर लिया था। जिसके बाद लड़के वालों ने गोद भराई में 2100 रुपये दिए थे। गरीबी का हवाला देते हुए लड़की पक्ष ने लड़के पक्ष से शादी से पहले ही खर्च के नाम पर 1,77,500 रुपये अपने खाते में डलवा लिए थे। ठगी का यह पूरा मामला तब सामने आया जब शादी की तारीख से ठीक एक दिन पहले लड़की के भाई ने फोन करके बताया कि उसकी बहन शिवन्या घर से भाग गई है। यह सुनते ही लड़के वालों को एहसास हुआ कि वे धोखाधड़ी का शिकार हो गए हैं। सितंबर माह में पीड़ित पक्ष ने थाना पटवाई में पुलिस को तहरीर दी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला सुहानी उर्फ शिवन्या और उसके भाई नितिन, जो दोनों मुरादाबाद जिले के निवासी दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में गंभीरता से जांच कर रही है।

- **पटवाई थाना क्षेत्र का मामला दोनों आरोपी जेल भेजे**

पुलिस हिरासत में ठगी के आरोपी।

रेलवे स्टेशन पर युवती ने पेट्रोल छिड़क किया आत्मदाह का प्रयास

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: परिवार की मर्जी के खिलाफ भाग कर शादी करने वाली एक गर्भवती ने रेलवे स्टेशन पर पेट्रोल छिड़कने का प्रयास किया। स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ जमा हो गई। जीआरपी महिला पुलिस ने युवती को कांठ थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया है।

थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवती का कुछ माह पूर्व एक युवक से प्रेम हो गया। युवक ने संबंध बनाने के पश्चात शादी को मना कर दिया। युवती ने थाना कांठ में युवक पर दुराचार में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उससे बचने के लिए युवक उसे भगा कर ले गया और निकाह कर लिया। निकाह के बाद चार माह की गर्भवती को आरोपी तीन तलाक देकर बाहर चला गया। बुधवार को ऋषिकेश-चंदौसी पैसेंजर डाउन शाम लगभग 7:40 बजे रेलवे स्टेशन कांठ पहुंची। युवती हाथ में पेट्रोल की केन और माचिस लिए थी। उसे देख यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो गई।

उसने कहा कि वह शौहर द्वारा किए गए शोषण के विरुद्ध आत्महत्या करेगी, आप लोग वीडियो बना लें और स्वयं पर पेट्रोल छिड़कने लगी। यात्रियों और रेल कर्मचारी ने किसी तरह उसे रोका। जीआरपी पुलिस पहुंच गई। रोती बिलखती पीड़िता को जीआरपी पुलिस ने कांठ पुलिस के हवाले कर दिया है।

- **परिवार की मर्जी के खिलाफ भाग कर किया था निकाह**
- **चार महीने बाद गर्भवती हालत में शौहर ने दे दिया तलाक**

किराए पर गाड़ियां लेकर बेचते थे, दो पकड़े

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : डिडौली कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सरकारी विभागों में कार किराए पर लगवाने का झांसा देकर कारें बेच देने वाले एक अंतरजनपदीय गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लगभग 65 लाख रुपये कीमत की छह कारें बरामद की हैं। जबकि चार अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

एसपी अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान थाना डिडौली पुलिस ने यह कार्रवाई की। डिडौली कोतवाली प्रभारी हरीशवर्धन सिंह ने बताया कि पुलिस को लंबे समय से क्षेत्र में फर्जी कागजों पर गाड़ियां बेचने की शिकायतें मिल रही थीं। बताया कि चौधरपुर में तालाब के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान दो आरोपी दीनदयाल पुत्र सूखा, निवासी मनोहरपुर, थाना मझौला, मुरादाबाद और इंतल पुत्र गंगासरण, निवासी मझौला, थाना गजरौला, अमरोहा को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से 6 कारें तीन बोलेरो, एक स्कॉर्पियो, एक मारुति फ्रोंक्स और एक बलेनो बरामद की गईं। ये सभी गाड़ियां 2023 से 2025 मॉडल की हैं। इनके पास से चार फर्जी नंबर प्लेट, दो फर्जी आरसी और दो फर्जी आधार कार्ड भी मिले हैं। आरोपियों ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर बदायूं, संभल और मुरादाबाद के लोगों को निशाना बनाते थे। वे गाड़ियों को किराए पर लेते थे और फिर फर्जी नंबर प्लेट व फर्जी आरसी तैयार कर उन्हें बेच देते थे। फरार आरोपियों में नरेंद्र, उमेश, जीतू और अंकित हैं, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जल्द ही फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

पुलिस की गिरफ्त में दो आरोपी। ● अमृत विचार

- **65 लाख कीमत की 6 कारें बरामद, चार आरोपी फरार**

कोर्ट-कचहरी

एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुए आजम खां, 13 नवंबर को होगी सुनवाई

फर्जी दस्तावेजों से एनओसी लेने में आजम सहित तीन पर आरोप तय

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सपा नेता आजम खां के रामपुर पब्लिक स्कूल को फायर की फर्जी एनओसी के आधार पर मान्यता दिलवाने के मामले में बुधवार को आजम खां एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने आजम खां, पूर्व विधायक डॉ. तजीन फात्मा और बीएसए के बाबू तौसीफ के ऊपर आरोप तय कर दिए है। इस मामले में 13 नवंबर को सुनवाई होगी।

जौहर ट्रस्ट की तरफ से संचालित रामपुर पब्लिक स्कूल की मान्यता को लेकर मामला सामने आया है। जिसमें कई साल पहले आजम खां के मंत्री रहते हुए उन्होंने फर्जी दस्तावेज के आधार पर फायर की एनओसी लेकर स्कूल की मान्यता प्राप्त कर ली थी। इस मामले की जांच होने पर मामला सही पाए जाने आजम खां सहित उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बीएसए में तैनात क्लर्क तौफीक अहमद को आरोपी बनाया था। जिसके बाद पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में हो रही थी। बुधवार का आजम खां कोर्ट में पेश हुए। जहां कोर्ट ने आजम खां पूर्व विधायक डॉ. तजीन फात्मा और बीएसए के बाबू तौसीफ के ऊपर आरोप तय कर दिए है। इस मामले में 13 नवंबर को सुनवाई होगी। कोर्ट से बाहर आने के बाद बार अध्यक्ष सतनाम सिंह मट्टू ने आजम खां को गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। एपीओ स्वदेश शर्मा ने बताया कि आरपीएस में फर्जी दस्तावेजों से फायर की एनओसी लेने के मामले में सपा नेता आजम खां सहित ती लोगों पर चार्ज फ्रेम हो गया है। अब 13 नवंबर को सुनवाई होगी। जबकि 27 किसानों से जुड़े मामले में 6 नवंबर को सुनवाई होगी।

सुनवाई के बाद कार्यकर्ताओं से मिलते आजम खां। ● अमृत विचार

- **जौहर ट्रस्ट के रामपुर पब्लिक स्कूल की मान्यता का मामला**

यतीमखाने मामले में 7 नवंबर को होगी सुनवाई

रामपुर, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां के यतीमखाना मामले में बुधवार को सुनवाई हुई। बचाव पक्ष के गवाह करीम ने गवाही दी। कोतवाली थाना क्षेत्र में 2016 में यतीमखाना बस्ती को खाली कराया था। इस मामले में आजम खां सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया था। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में हो रही है। बुधवार को गवाह करीम ने गवाही दी। इस मामले में अब 7 नवंबर को सुनवाई होगी।

एमडीए की टीम ने भूमि पर लिया कब्जा

मुरादाबाद, अमृत विचार: मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने बुधवार को ग्राम रसूलपुर सुनवाती में कार्रवाई करते हुए लगभग 250 बीघा भूमि पर कब्जा प्राप्त किया।

नगर क्षेत्र व अधिसूचित क्षेत्रों में अवैध कब्जा, अनधिकृत प्लाटिंग तथा निर्माण कार्यों के विरुद्ध प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुभव सिंह के निर्देश पर ग्राम रसूलपुर सुनवाती में लगभग 250 बीघा किसानों द्वारा सहमति/समझौते के आधार पर क्रय की गई भूमि का कब्जा प्राप्त किया गया। टीम ने संबंधित क्षेत्र में ट्रैक्टर चलाकर भूमि का भौतिक कब्जा प्राप्त किया गया।

यह कार्रवाई क्षेत्र में नियोजित विकास कार्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

विधायक पत्नी के साथ आजम खां से मिले इरफान सोलंकी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सपा नेता व पूर्व विधायक इरफान सोलंकी बुधवार को अपनी विधायक पत्नी नसीम सोलंकी के साथ आजम खां के घर पहुंचे और उनका हाल जाना। इरफान सोलंकी कानपुर की सीसामऊ सीट से विधायक रहे हैं, जबकि जेल में रहने के दौरान 2022 विधानसभा चुनाव में उनकी पत्नी इसी सीट से जीत दर्ज की है।

दोनों ने सपा नेता आजम खां और उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा से मुलाकात करके उनकी बीमारी के बारे में जाना। सपा नेता आजम खां को गुलदस्ते दिए। 27 माह के बाद सीतापुर जेल से जमानत पर आए सपा नेता आजम खां के घर पर मिलने वालों का आवाजाही जारी है। उसी के चलते राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी आजम खां से मिलने आए थे। इसके अलावा कई अन्य लोग भी आजम खां से मिलने आ चुके हैं। कुछ दिनों पहले जेल से छूटकर आए कानपुर के पूर्व विधायक नसीम सोलंकी अपनी मौजूदा कानपुर की विधायक पत्नी नसीम सोलंकी के साथ बुधवार को आजम खां के आवास टंकी पांच पर पहुंचे। उन्होंने आजम को गुलदस्ता दिया।

- **हाल ही में जेल से छूटकर आए हैं पूर्व विधायक सोलंकी**

आजम खां को गुलदस्ता देते कानपुर विधायक व उनके पति।

अमृत विचार

मुरादाबाद, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

जिले में नागरिक सुरक्षा के अधीन निषेधाज्ञा 25 दिसंबर तक लागू

मुरादाबाद, अमृत विचार : आगामी पर्व सरदार बल्लभ भाई पटेल एवं आचार्य नरेंद्र देव जयन्ती, गुरु नानक जयन्ती/कार्तिक पूर्णिमा, गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस, क्रिसमस-डे आदि के साथ ही जिले आयोजित होने वाली विभिन्न परीक्षाओं के दौरान कानून एवं शान्ति व्यवस्था तथा सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने के दृष्टिगत जिला मजिस्ट्रेट अनुज सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा- 163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू की है। यह निषेधाज्ञा 25 दिसम्बर तक लागू रहेगी।

फैसला करने के नाम पर रुपये मांगे, मना करने पर पीटा

बिलारी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चिड़िया भवन निवासी मनवीर पुत्र मलखान सिंह ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 2 साल पहले गांव के ही ओमप्रकाश ने उसपर छेड़छाड़ का झूठा मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद से वह गांव छोड़कर नोएडा में रहने लगा। आरोप लगाया कि दिवाली पर गांव आया और 21 अक्टूबर को सामान खरीदने गांव से अड्डे की तरफ आया तब गांव के ही प्रीतम, वेद प्रकाश, ओम प्रकाश ने उसे घेर लिया और मुकदमा खत्म करने के नाम पर 500000 देने की मांग की। मना करने पर तीनों ने उसे लाठी डंडों और चाकू से हमला कर दिया। भाई सतवीर भी उसके साथ था उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राशन वितरण में धांधली का आरोप

डिलारी, अमृत विचार : बुधवार को अकबरपुर में गर्भवतियों को मिलने वाले राशन में धांधली को लेकर हंगामा प्रदर्शन किया। गांव स्थित पंचायत भवन पर भेदभाव के साथ खाद्य सामग्री वितरण होने पर गर्भवती आसमा, जैनब, फिरदौस,शहनाज, नगमा, शबनम, किसवरी, महमूदी, फरमूदन, दिलवरी, रहमत जहां, फातिमा ने बताया कि समूह की महिला और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने लाभार्थियों को दी जाने वाली खाद्य सामग्री का बंदर बाट कर लिया। जिसे लेकर गर्भवतियों हंगामा कर प्रदर्शन किया।

महिलाओं को स्तन कैंसर के खतरों के प्रति किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- टीएमयू के कॉलेज आफ नर्सिंग की टीम ने इसकी स्वयं पहचान के लिए बताए तरीके

अमृत विचार : तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की एचओडी प्रो. विजी मोल ने कहा, अनुवांशिकता, बढ़ती उम्र, हार्मोनल असंतुलन, प्रारम्भिक मासिक धर्म, स्तनपान न कराने से स्तन कैंसर हो सकता है। कैंसर होने पर स्तनों में सूजन आ जाती है और गांठ भी महसूस की जा सकती है।

वह कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की ओर से टीएमयू हॉस्पिटल में स्तन कैंसर पर हुए जागरूकता कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने बताया कि अनुवांशिक कारणों और 55 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की संभावना अधिक बढ़ जाती है। फैकल्टी विभा कुमारी ने डमी के जरिए ब्रेस्ट की सेल्फ एग्जामिनेशन की प्रक्रिया को समझाया। फैकल्टी पूजा झा ने कहा, कैंसर के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करना चाहिए। शिवांगी गुप्ता ने कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी के बारे में समझाया, कहा कि इन थेरेपीज़ और दवाओं की मदद से कैंसर की सेल्स को नष्ट करके कैंसर को रोका जा सकता है।

जिला अस्पताल में डेंगू-मलेरिया के मरीजों की संख्या बढ़ी, निजी अस्पतालों में भी भीड़

संक्रामक रोग नियंत्रण अभियान से भी नहीं थम रहा संक्रमण

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- ओपीडी के अलावा पैथोलॉजी में मरीजों की भीड़, दो-तीन दिन में मिल रही रिपोर्ट

अमृत विचार : एक तरफ स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिले में संक्रामक रोग नियंत्रण अभियान 5 से 31 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। दूसरी ओर विडंबना यह है कि अभियान के दौरान भी संक्रामक रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जिला अस्पताल के अलावा निजी अस्पतालों में भी बुखार, डेंगू, मलेरिया के मरीज पहुंच रहे हैं।

जिला अस्पताल की ओपीडी में इन दिनों फिजिशियन व बालरोग विशेषज्ञ के ओपीडी कक्ष व वार्ड में बुखार जिसमें टायफाइड, डेंगू व मलेरिया, वायरल बुखार के मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। 150-200 ऐसे मरीजों के इलाज के लिए पहुंचने पर उनके लक्षणों को देखते हुए चिकित्सक खून जांच के लिए परामर्श दे रहे हैं। जिसकी जांच के लिए रक्त के नमूने देने के लिए अस्पताल की पैथॉलाजी में इतनी भीड़ लग रही है मानों यहां कोई मेला लगा हो।

> मरीजों की संख्या इन दिनों अधिक है, फिर भी उन्हें समुचित इलाज दिया जा रहा है। इन दिनों संक्रामक बीमारियों के चलते मरीजों की संख्या बढ़ गई है।
> – संगीता गुप्ता, प्रमुख अधीक्षक

लंबी लाइनों में लंबे इंतजार के बाद सैंपल लिया जा रहा है तो संख्या अधिक होने से जांच रिपोर्ट मिलने में दो से तीन दिन का समय लग रहा है।

जिससे इलाज के लिए चिकित्सक को इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं डेंगू के संक्रमित मरीज प्लेटलेट्स के लिए भी ब्लड बैंक के चक्कर काट रहे हैं। जहां समान रक्त ग्रुप का खून न मिलने की वजह से प्लेटलेट्स मिलने में भी संकट हो रहा है।

जिला अस्पताल की ओपीडी में लाइन में लगी महिलाएं व अन्य लोग। ● अमृत विचार

सड़कों पर घूम रहे निराश्रित पशु नहीं चेत रहा नगर निगम प्रशासन

26 को चंद्रनगर में सांड़ के हमले में बुजुर्ग की हुई थी मौत, शिकायतों की अनदेखी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- महानगर के आशियाना, रामगंगा विहार सहित कई अन्य स्थान बने पशुओं का ठिकाना

अमृत विचार : नगर निगम प्रशासन सड़कों पर घूम रहे छुट्टा पशुओं पर नियंत्रण करने में गंभीरता नहीं दिखा रहा है। कई हादसों के बाद भी निगम के कर्मचारी अधिकारी चेत नहीं रहे हैं। सड़कों पर छुट्टा पशु विचरण करते दिख रहे हैं। उन्हें पकड़ने के लिए गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं।

महानगर की सड़कों पर खुले में छुट्टा पशुओं गोवंश, सांड़, भैंस, कुत्ता आदि हर जगह दिखते हैं। यही नहीं कई सरकारी कार्यालय परिसरों में यहां तक कलेक्ट्रेट व अन्य जगहों पर भी कई बार सड़क पर यह घूमते रहते हैं। हादसे के बाद भी निगम की ओर से पकड़ने के प्रयास नहीं हो रहे हैं। यह स्थिति तब है जब 26 अक्टूबर को सिविल लाइंस क्षेत्र के चंद्रनगर में सांड़ के हमले से बुजुर्ग खजान सिंह की मौत हो गई थी। यह हादसा सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ था।

जिसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लोगों ने देखा। इस मामले को लेकर वर्ल्ड एक्रेडिटेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स के जिला निदेशक संदीप सिंह ने उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग लखनऊ में नगर निगम प्रशासन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जिसे आयोग ने स्वीकार कर जांच की बात कही है। गुरुवार को भी महानगर के आशियाना, रामगंगा विहार सहित कई अन्य स्थानों पर निराश्रित पशु सड़क पर बेखौफ घूमते है। जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि पशुओं के डर से बच्चों को बाहर भेजने में डर लगता है कि कहीं कोई हादसा न हो जाए।

दीनदयाल में सडक पर घूमता सांड़। ● अमृत विचार

रस्म अदायगी को चलता है अभियान

स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी रस्म अदायगी के लिए अभियान चलता है तो फिर दो चार दिन में ठप हो जाता है। हालांकि गोवंश संरक्षण के लिए नगर निगम की ओर से कान्हा गोशाला भी संचालित है। फिर भी सड़कों पर खुले गोवंश घूमते रहते हैं।

निर्धनों के लिए मां की रसोई शुरू

मुरादाबाद, अमृत विचार : रेलवे स्टेशन से एच फॉर हेल्प इंडिया चैरिटेबल ट्रस्ट टीम ने बुधवार को मां की रसोई की शुरुआत कांग्रेस नेता हाजी जुनैद इकराम की उपस्थिति में की। इसमें गरीब, जरूरत मंद लोगों को भोजन वितरण किया गया।

ट्रस्ट के चेयरमैन भारतीय परवेज़ इस्लाम ने बताया कि 2018 में मुरादाबाद में भूख से महिला की मौत की घटना से प्रेरणा लेकर एच फॉर हेल्प इंडिया चैरिटेबल ट्रस्ट ने समाज के ज़रूरतमंद वर्ग को मुफ्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक नई पहल मां की रसोई की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। पहल सामुदायिक सहयोग और दान पर आधारित है।

बच्चों को भोजन देते ट्रस्ट के सदस्य।

श्रीराम की बाल लीलाओं के दर्शन को देवता भी तरसते थे

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- सिविल लाइंस स्थित पुलिस लाइन मंदिर में नौ दिवसीय श्रीराम कथा का चतुर्थ दिन

अमृत विचार : कुंज बिहारी महिला मंडल के तत्वावधान में सिविल लाइन स्थित पुलिस लाइन मंदिर में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के चतुर्थ दिन बुधवार को भगवान श्रीराम की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। कथावाचक आचार्य व्योम त्रिपाठी ने प्रातः काल उठि के रघुनाथा मात-पिता गुरु नावही माथा चौपाई का विस्तार पूर्वक वर्णन किया।

आचार्य व्योम त्रिपाठी।

कथावाचक ने बताया कि भगवान राम के जन्म के बाद पूरे अयोध्या में शहनाई की आवाज गूंज रही थी। बाल लीला में ही उनके साम्यवादी चिंतन तथा उनका क्रियात्मक रूप स्पष्ट होता है, जब वह दशरथ के आंगन में विहार करते हैं और महाराज दशरथ उन्हें भोजन के लिए बुलाते हैं तो वह समता के पोषक होकर बाल शाखाओं के साथ खेला करते हैं और वह भोजन के लिए नहीं आते हैं। किंतु जब माता कौशल्या उन्हें वात्सल्य भाव से बुलाती है तो वह ठुमक- ठुमक कर उनके पास चले आते हैं।

कथा व्यास ने कहा कि बाल काल में भगवान राम की लीलाओं के दर्शन करने के लिए देवता भी तरसते थे। शिव खुद वीर हनुमान के साथ वेश बदलकर राम की बाल लीलाओं के दर्शन करने आए थे। श्री राम कथा का श्रवण कर उनका अनुसरण करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। हमें भगवान श्री राम द्वारा स्थापित किए गए आदर्शों पर चलने का प्रयास करना चाहिए।

कथा के मुख्य यजमान डॉ. शशि अरोड़ा व अशोक अरोड़ा रहे। दैनिक यजमान शिक्षा गोयल व मीनू गुप्ता रहीं। इस दौरान वृंदावन से पधारे कथावाचक गुरु शिव कुमार शास्त्री, अनु गोयल, तारा खंडेलवाल, मंजू शर्मा, मीरा गुप्ता, मंजू जोशी, निमित जायसवाल, ज्ञानेंद्र देव शर्मा, अनिल भगत, राकेश ढल, मनुस्मृति शर्मा, कल्पना, राज मित्तल, कल्पना, शशि आदि की मौजूदगी रही।

पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता के लिए जागरूक किया

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- लायनेस प्राचीन क्लब द्वारा लेडीज क्लब में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार : लायनेस प्राचीन क्लब द्वारा बुधवार को लेडीज क्लब में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता के लिए भी जागरूक किया गया।

सर्वप्रथम सरोज गुप्ता व क्लब की डायरेक्टर अंजू लोचब ने दीप प्रज्ज्वलित कर आयोजन की शुरुआत की। क्लब की सेक्रेटरी प्रीति कश्यप ने सभी बहनों का स्वागत करते हुए पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के लिए जागरूक भी किया। गुंजन गुप्ता ने मंच संचालन किया। सौम्या के द्वारा सुंदर डांस प्रस्तुति की गई। मृदुल दुबे ने सुंदर गायन के द्वारा सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। बबिता गोयल व दिव्या रस्तोगी ने सुंदर राम संवाद स्किट की प्रस्तुति की। लवी सक्सेना, शोभना ने सुंदर नृत्य प्रस्तुति की। प्रिया पांडे, डॉक्टर स्वीटी, मोनी भटनागर, भावना, पल्लवी, विजया पांडे, सपना, बबीता, नीलू आदि ने हाउजी का भी आनंद लिया।

लायनेस क्लब प्राचीन के कार्यक्रम में उपस्थित क्लब की सदस्य। ● अमृत विचार

घर बैठे रोजगार देने के नाम पर युवती से ठगी

बिलारी, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला हर्ष नगर निवासी सरोज ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसकी बेटी ने फोन पर एक एप देखा। जिसमें घर बैठकर पेंसिल पैक करने से रोजगार का जिक्र था। बेटी ने एप संचालक द्वारा दिए गए फोन नंबर पर बात की। आरोप लगाया कि फोन पर बात होने के बाद उसने एक बार कोड भेजा । जिस पर कुछ पैसे डालने के लिए कहा, बेटी ने 650 रुपयेए डाल दिए ।आरोप लगाया कि इसके बाद 28 अक्टूबर को भी उसका फोन आया इसके बाद उस काम करने के आवाज में 5000 डालने के लिए कहा जिस पर 3550 रुपए डलवा दिए। आरोप लगाया कि अगले दिन 29 अक्टूबर को भी उससे पैसों की मांग करने लगा। बताया कि आरोपी के पास उसके 9200 चले गए ,इसके बाद उसका कोई भी फोन नहीं लग रहा है। महिला ने बताया कि उसके साथ ठगी की गई है। महिला ने कार्रवाई के लिए कोतवाली में तहरीर दी है।

1 से 25 नवंबर तक निकलेंगी पदयात्राएं

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- सरदार पटेल की जयंती की तैयारियों को लेकर भाजपा महानगर कार्यालय में बैठक

अमृत विचार : भाजपा के बुद्धि विहार स्थित महानगर कार्यालय में बुधवार शाम महानगर इकाई की ओर से समीक्षा बैठक व लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती को लेकर योजना बैठक हुई। अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने की। मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता विधायक रितेश गुप्ता रहे। बैठक में पदाधिकारियों ने पदयात्राएं निकालने की तिथि और समय से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

शुरूआत नगर विधायक व महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। विधायक ने कहा कि प्रदेश संगठन की ओर से महानगर को जो कार्यक्रम मिले हैं उसे हम सभी को मिलकर सफलतापूर्वक पूरा करना है। भारत के प्रथम गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जन्म जयंती वर्ष के क्रम में देश भर में 31 अक्टूबर से 6 दिसंबर तक तीन प्रकार की सरदार @150 यूनिटी मार्च पदयात्रा व कार्यक्रमों का आयोजन होना है। इसी क्रम में महानगर में भी शहर व देहात विधानसभाओं में यात्रा निकलेगी। मुरादाबाद लोकसभा के अंतर्गत आने वाले शहर व देहात विधानसभा में 1 से 25 नवंबर के मध्य 8 किलोमीटर की पदयात्राएं निकलेंगी। पदयात्रा समिति का गठन किया जाएगा। जिसमें लोकसभा समिति में एक संयोजक, एक सहसंयोजक विधानसभा समिति में एक एक संयोजक का गठन होगा। 31अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन शहर एवं देहात विधानसभा में होगा। पुष्पांजलि कार्यक्रम, स्कूल कॉलेजों, विवि में 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी के अंतर्गत दौड़ होगी।

बैठक का संचालन महामंत्री दिनेश शीर्षवाल ने किया। इस दौरान महानगर महामंत्री नत्थूराम कश्यप, दिनेश शीर्षवाल, क्षेत्रीय सहमीडिया प्रभारी निमित जायसवाल, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता, सुरेंद्र विश्नोई, शैलेन्द्र कुमार,अंजू लोचब, हेमराज सैनी, नवदीप टंडन, दिनेश सिसोदिया, राहुल शर्मा, चंद्र प्रजापति, शम्मी भटनागर, अजय वर्मा, सर्वेश पटेल, गेत्र पाल सिंह, शशि किरण, सुनीता शर्मा, अभिषेक चौबे, प्रेमवती उपाध्याय, मदालसा शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते विधायक रितेश गुप्ता व मंचासीन पदाधिकारी।

नगर निगम के खिलाफ सुभासपा का प्रदर्शन

मुरादाबाद, अमृत विचार: नगर निगम में भ्रष्टाचार और अनियमितता का आरोप लगाकर सुहेलदेव समाज पार्टी ने प्रदर्शन किया। नगर आयुक्त को 28 सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए भर्ती, ठेकों, टैक्स वसूली और स्मार्ट सिटी परियोजना में बड़े घोटालों के आरोप लगाए।

पार्टी के जिला अध्यक्ष रवि चौधरी ने कहा कि नगर निगम में रिश्वतखोरी, अवैध वसूली का बोलबाला है। उन्होंने सफाईकर्मियों की नियुक्ति में वसूली, यूनिपोल-होर्डिंग लगाने के नाम पर अवैध रकम वसूलने का आरोप लगाया गया। ज्ञापन में निगम के अधिकारियों पर भी मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। पार्टी के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन किया जाएगा।

नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन करते सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कार्यकर्ता।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो.7906815587

खोया-पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी हाईस्कूल की परीक्षा वर्ष 2022 में शिव इंटर कॉलेज, अगापुर-रामपुर से उत्तीर्ण की थी। मेरा हाई स्कूल सह अंक पत्र अंकपत्र वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220681829 वास्तव में खो गए है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **राजू चौहान पुत्र श्री सतीश पाल सिंह निवासी ग्राम मानपुर पट्टी मुंडा पांडे मुरादाबाद**

न्यायालय लघुवाद न्यायाधीश /अपर सिविल जज (सी.डी.) मुरादाबाद

विविध वाद संख्या - 623 सन् 2023

उ.प्र. आवास विकास परिषद। बनाम 1. भूकन, 1/1 अजबसिंह पुत्र स्व. श्री भूकन नि. लाकड़ी फाजलपुर, मुरादाबाद, 1/2 शारदा देवी पुत्री स्व. श्री भूकन, पत्नी स्व. श्री शीशपाल सिंह नि. वाजपुर, मुरादाबाद, 1/3 शालू देवी पुत्री स्व. श्री भूकन, पत्नी छत्रपाल नि. नरौली तह. चंदौसी जि. सम्भल, 1/4 सरस्वती पुत्री स्व. श्री भूकन, पत्नी महेश चंद्र नि. फिरोजपुर, सम्भल। चूँकि उप नामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है। अतएव आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के नवंबर के 15 दिवस को प्रातः 10 बजे पूर्वाह्न अथवा बंधक रुपये अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों।यदि ऐसा करने पर असफल रहते हैं तो उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से खोला जायेगा। **प्रबंधक/वाद लिपिक, न्यायालय लघुवाद न्यायाधीश, मुरादाबाद।**

खोया-पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निज भवन के कुछ मूल दस्तावेज जिनमें कि विकास प्राधिकरण, मुरादाबाद द्वारा रमेश चन्द्र गुप्ता पुत्र रामकिशोर गुप्ता निवासी BE.- 11 दीनदयाल नगर प्रथम मुरादाबाद के पक्ष में निष्पादित एम.डी.ए. आवंटन पत्र दिनांक 24.10.1990 एवं 29.08.1998 को बही सं. 1 जिल्द सं. 2120 पृष्ठ 361-382 क्रमांक 6569, पंजीकृत स्वत्वनामा/विक्रय विलेख मूल दस्तावेज दि. 14.06.2024 वास्तव में खो गये हैं। जिसकी सूचना थाना सिविल लाइन्स में दी है। Online L.A.R. NO. 20250000785898 बाद में आपत्ति व किसी प्रकार दावा उक्त मूल दस्तावेजों के सम्बन्ध में स्वीकार नहीं किया जायेगा। बीना वर्मा पत्नी राधेश्याम वर्मा BE.-11 मो. 9720767654

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

आयोजन एमआईटी में एक दिवसीय जनपद स्तरीय युवा उत्सव एवं साइंस मेला आयोजित

कविता लेखन में अर्शी व कहानी में रिया प्रथम

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- लोकगीत, लोक नृत्य समूह, साइंस मेला, डिक्लेमेशन, पेंटिंग से प्रतिभागियों ने किया मुग्ध

अमृत विचार : युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से बुधवार को जनपद स्तरीय एक दिवसीय युवा उत्सव एवं साइंस मेला का आयोजन एमआईटी में किया गया। इसमें कविता लेखन में अर्शी व कहानी लेखन में रिया प्रथम स्थान पर आईं।

कार्यक्रम का आरंभ सह विद्यालय निरीक्षक शतानंद शर्मा, क्षेत्रीय वैज्ञानिक अधिकारी सुरेश चंद्र शर्मा, जिला युवा कल्याण अधिकारी भगवान दास ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसमें लोकगीत समूह, लोक नृत्य समूह, साइंस मेला, कहानी लेखन, कविता लेखन, डिक्लेमेशन और पेंटिंग आदि कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। साइंस मेला में प्रथम स्थान पर सरस्वती विद्या मंदिर, द्वितीय स्थान पर समर वैली, तृतीय स्थान पर विल्सोनिया स्कॉलर होम स्कूल रहा। लोक नृत्य समूह में प्रथम स्थान पर आकांक्षा विद्यापीठ, द्वितीय स्थान पर कौशल्या कन्या इंटर कॉलेज और तृतीय स्थान पर सरस्वती विद्या मंदिर रहा।

लोकगीत समूह गायन में जेआर अग्रवाल प्रथम, प्रभादेवी इंटर कॉलेज द्वितीय और कौशल्या कन्या इंटर कॉलेज तृतीय स्थान पर रहा।

कविता लेखन में प्रथम स्थान पर अर्शी, कहानी लेखन में प्रथम स्थान पर रिया व द्वितीय स्थान पर नैतिक एवं तृतीय स्थान पर अक्षत गुप्ता रहे। इसी प्रकार पेंटिंग में प्रथम स्थान पर सुरन्या, द्वितीय स्थान पर अमान अली एवं तृतीय स्थान पर अक्षत तनिषा अग्रवाल रहे। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक डीआरडीए निर्मल द्विवेदी ने विजयी कलाकारों को पुरस्कार वितरित किया।

युवा उत्सव एवं साइंस मेला में कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं प्रतिभागी। ● अमृत विचार

उप खनिज ले जाने वाले वाहनों पर लगानी होगी जीपीएस डिवाइस

मुरादाबाद, अमृत विचार : जिले में 15 नवंबर से उप खनिज परिवहन के लिए प्रपत्र ई एमएम-11 उन्हीं वाहनों के लिए जारी किया जाएगा, जिन वाहनों पर लगे एआईएस 140 जीपीएस डिवाइस का इंटीग्रेशन विभागीय पोर्टल पर होगा।

डीएम अनुज सिंह ने बताया कि उप खनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों पर जीपीएस डिवाइस लगाने एवं विभागीय पोर्टल पर इंटीग्रेशन करने के लिए शासन स्तर से निर्देश दिए गए हैं। जिले में उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहन स्वामी एवं चालक जीपीएस डिवाइस लगवा कर उसका इंटीग्रेशन 15 नवंबर से पूर्व कर लें अन्यथा प्रपत्र ईएमएम-11 जारी नहीं होगा। जीपीएस के इंटीग्रेशन के दौरान तकनीकी सहायता के लिए जिले स्तर पर स्थित खनन कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

छठ पूजा घाट और लौह पुरुष की प्रतिमा निर्माण को नगर आयुक्त का अभिनंदन

नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल का स्वागत करते शिव सैनिक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : महानगर में नगर निगम द्वारा दिवाली पर भव्य दीपोत्सव, छठ महापर्व के लिए स्थायी छठ घाट निर्माण कराया गया। अब लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्थापित कराई जा रही है। जिसका अनावरण 31 अक्टूबर को किया जाएगा।

शिवसेना जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने इन कार्यों के लिए बुधवार को नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल को राम दरबार की प्रतिकृति देकर व भगवा शाल ओढ़ाकर तिलक लगा कर अभिनंदन किया। युवा शिवसेना महानगर प्रमुख शिबू पांडे व विद्यार्थी सेना प्रमुख आकाश सिंह आदि ने इन कार्यों की सराहना की। इस दौरान कमल सिंह राव, मुदित उपाध्याय, अरुण ठाकुर, मयंक सैनी, पंकज पाल, भरत अरोड़ा, बादाम सिंह, राहुल कुमार आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

अलग-अलग मामलों में सात लोग गिरफ्तार

कांठ, अमृत विचार : थाना कांठ पुलिस ने अलग-अलग मारपीट के मामलों में सात लोगों को शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार कर उन्हें एसडीएम के न्यायालय में पेश किया है। थाना कांठ के ग्राम नयागांव कासमपुर निवासी श्रवण कुमार, नदीम, सचिन, श्यामलाल, संजीव निवासी ग्राम गोपालपुर चौराहा, राम, आकाश ग्राम भैंसली जमालपुर यह सभी लोग आपस में अलग-अलग मामलों में झगड़ा करके थाना कांठ में पहुंचे थे। पुलिस ने सभी को शांति भांग की आशंका में गिरफ्तार कर उन्हें एसडीएम के न्यायालय में पेश किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेश पाल सिंह ने बताया कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नौनिहालों को अक्षर ज्ञान कराने का प्रशिक्षण दिया

डिलारी, अमृत विचार : बुधवार को ब्लॉक डिलारी के सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों मौजूद रही, बैठक में बच्चों में होने वाले कुपोषण रोग की रोकथाम के लिए प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही सरकार की कल्याणकारी योजना को लाभार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। नौनिहालों को अक्षर ज्ञान कराने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में सुधा, रजनी देवी, मेहताब, नूरजहां, प्रेमवती, चंद्रकला, महक आदि रही।

दो युवकों से दो चाकू बरामद, जेल भेजा

भोजपुर, अमृत विचार : बुधवार को उप निरीक्षक माहिर अब्बास ने गश्त के दौरान गांव गूंगा नंगला वाली पुलिया से गांव को जाने वाले रास्ते पर संदिग्धावस्था में बैठे गांव कोहरवाकू निवासी मायूस अली पुत्र नबाब जान व मो. नसीम पुत्र हसरत अली को हिरासत में लिया। उनके कब्जे से दो चाकू बरामद कर चालान कर दिया। अदालत ने आरोपियों को जेल भेज दिया।

झगड़ा कर रहे पांच का शांति भंग में चालान

भोजपुर, अमृत विचार : बुधवार को पुलिस ने गांव मनकुआ मकसूदपुर में आपस में झगड़ा कर रहे दो परिवारों के पांच अभियुक्तों मिन्टू सिंह व मान चंद्र उर्फ बब्बू पुत्र हरि सिंह, विक्की, दुष्यंत व शिय ओम पुत्र धर्म सिंह को शांति भंग करने की आशंका में हिरासत में लिया। उप जिला मजिस्ट्रेट ठाकुरद्वारा की अदालत को चालान कर दिया। मजिस्ट्रेट ने राशि पर पाबंद कर जमानत दे दी।

सूची में शामिल करवाएं मतदाता का नाम

तहसील सभागार में आयोजित बैठक में राजनीतिक दलों को दी पुनरीक्षण अभियान की जानकारी

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी देतीं एसडीएम प्रीति सिंह।

कांठ में आयोजित बैठक में दिशा निर्देश देते एसडीएम संत दास पवार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : विधानसभा चुनाव की तैयारी के तहत चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर एसडीएम, तहसीलदार व अन्य अधिकारियों ने बुधवार को तहसील सभागार में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की। बैठक में अधिकारियों ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रक्रिया, तिथियों और पात्रता मानकों की जानकारी दी।

बैठक में भाजपा, कांग्रेस, बसपा, सपा, सहित अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। एसडीएम प्रीति सिंह ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत नई मतदाता प्रविष्टि, नाम संशोधन, स्थानांतरण, और विलोपन की प्रक्रिया निर्धारित तिथियों तक की जाएगी। प्रपत्र-6, 7 और 8 भरने की प्रक्रिया जारी है।अधिकारियों ने कहा कि दावों और आपत्तियों की अंतिम तिथि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय के अनुसार होगी। इसके बाद सभी प्रविष्टियों का सत्यापन कार्य किया जाएगा और संशोधित मतदाता सूची प्रकाशन तिथि पर जारी की जाएगी।

एसडीएम प्रीति सिंह ने कहा कि मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है। अतः दल सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि किसी पात्र मतदाता का नाम छूट न जाए और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में न रहे। बैठक में भाजपा से दिनेश प्रजापति, डॉ हरिओम सैनी, सपा से सपा विधानसभा अध्यक्ष नवीन यादव, कांग्रेस से संजीव सिंघल, निर्वाचन विभाग की ओर से नायब तहसीलदार आदित्य कुमार, बीएलओ पर्यवेक्षक और संबंधित राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

एसडीएम ने राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से की चर्चा

कांठ, अमृत विचार : एसडीएम ने विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से मतदाता पुनरीक्षण के संबंध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य पारदर्शिता के साथ चल रहा है। इसे शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में एसडीएम कांठ संत दास पवार ने सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि सभी लोग अपने-अपने बूथों पर अपने बूथ एजेंट भेज दे जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में नाम आने से वंचित न रहे। कार्य पारदर्शिता के साथ कराया जा रहा है। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी की जिम्मेदारी है कि अपने-अपने गांव मोहल्ले क्षेत्र के जो लोग मतदाता सूची में नाम आने से वंचित है, उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं। इस अवसर पर सहकारी गन्ना समिति के अध्यक्ष कुंवर सुरेंद्र सिंह विश्नोई, वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश माहेश्वरी, कांग्रेस नेता फिरोज अनवर, भाजपा की छजलैट मंडल अध्यक्ष अंचल चौधरी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रसव के बाद महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

संवाददाता, कांठ

रोते-बिलखते परिजनों को समझाते लोग।

अमृत विचार: प्रसव के बाद नर्सिंग होम में एक महिला की मृत्यु हो गई। जिस पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया।

ग्राम अकबरपुर चैदरी निवासी परिजन मंगलवार को सैफी धर्म कांटे के समीप एक नर्सिंग होम में गर्भवती को लाये थे। ऑपरेशन के उपरांत प्रसूता ने स्वस्थ शिशु को जन्म दिया लेकिन रात में महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। चिकित्सक परिजनों से सहानुभूति प्रकट करते रहे लेकिन महिला की मौत हो गई। मौत की खबर पता लगने पर परिजन एवं ग्रामीण नर्सिंग होम के बाहर एकत्रित हो गए और रोते -बिखलते जमकर हंगामा किया। इस संबंध में एक वीडियो भी वायरल हुआ। समाचार लिखे जाने तक चिकित्सक मृत महिला के परिजनों से समझौते हेतु बात कर रहे थे।

लगभग दो सप्ताह पूर्व ग्राम मौढ़ी रोड पर स्थित चिकित्सकों की लापरवाही से शिशु की मौत पर परिजनों ने हंगामा किया था। वीडियो वायरल होने पर चिकित्सकों ने परिजनों से समझौता कर लिया था।

बाप-बेटों ने पड़ोसी को पीटा, केस दर्ज

भोजपुर, अमृत विचार: शनिवार को पुलिस ने गांव बीजना निवासी ग्रामीण राकेश पुत्र रूप किशोर की तहरीर पर पड़ोसी प्रेम और उनके बेटों आकाश व अजय के खिलाफ गाली गलौज से मना करने पर डंडों से पीटकर घायल करने के आरोप में केस दर्ज किया। घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है।

लौह पुरुष ने दिया था एक भारत-श्रेष्ठ भारत का नारा

जागरुकता रैली में शामिल बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को ब्लॉक परिसर से रैली निकाली गई।

रैली का आरंभ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजपाल सिंह और खंड विकास अधिकारी नरेश पाल सिंह ने किया। छात्र-छात्राओं को बताया कि सरदार पटेल लौह पुरुष के नाम से जाने जाते हैं। उन्होंने एक भारत श्रेष्ठ भारत का नारा भी दिया। रैली सहसपुर हाईवे से होती हुई वापस ब्लॉक परिसर में आकर संपन्न हुई। इस दौरान मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजपाल सिंह, नगर अध्यक्ष भाजपा विकास गुप्ता, महामंत्री मनोज ठाकुर, फरहत अली के अलावा शिक्षक ,आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

खाद्य विभाग की छापेमारी, दुकानें बंद कर भागे व्यापारी

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : मिलावटखोरी और ओवर रेटिंग की शिकायतों पर बुधवार को जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह नायब तहसीलदार आदित्य कुमार के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम नगर क्षेत्र में निरीक्षण के लिए पहुंची। टीम के पहुंचते ही बाजार में हड़कंप मच गया और दुकानदारों ने शटर गिराकर दुकानें बंद कर दीं।

टीम मुख्य बाजार, बाज़ार गंज बुध बाजार पहुंची तो अधिकांश दुकानें बंद मिलीं। नायब तहसीलदार ने बताया कि अधिकतर दुकानें बंद मिलीं, जिससे कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ भूपेंद्र सिंह ने कहा कि सेहत से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष संजीव सिंघल सहित अन्य व्यापार मंडल पदाधिकारी मौजूद रहे।

बच्चों के समग्र विकास को पोषण-पढ़ाई दोनों जरूरी

संवाददाता, बिलारी

कार्यक्रम में मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकत्री। ● अमृत विचार

बोलते खंड विकास अधिकारी नरेश पाल।

अमृत विचार : बुधवार को ब्लॉक सभागार में बच्चों के समग्र विकास के लिए पोषण भी- पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। बाल विकास परियोजना द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजपाल सिंह, बीडीओ नरेश पाल सिंह, सह बाल विकास परियोजना अधिकारी सुरेन्द्र पाल ने किया।

प्रशिक्षण की जानकारी देते हुए सीडीपीओ ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। यह कार्यक्रम सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक पढ़ाई व पोषण दोनों प्रदान करता है। खेल-खेल में बच्चों को कैसे पढ़ाना है जैसे बिंदुओं पर जोर दिया गया। प्रशिक्षक महिला

● आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

सुपरवाइजर शिवकुमारी ने जीरो से तीन वर्ष तक के बच्चों में प्रारंभिक बाल्यकाल एवं तीन से छह वर्ष तक के बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को लेकर प्रशिक्षित के संबंध में प्रशिक्षण दिया। शिक्षा विभाग से संकुल प्रभारी फरहत अली ने कहा कि बच्चों को पोषण के साथ-साथ पढ़ाई बहुत आवश्यक है। आंगनबाड़ी कार्यकत्री इस संबंध तें केंद्रों पर गतिविधियां कराएं। जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो। मुख्य सेविका काजल ने प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को पोषण युक्त भोजन तैयार करने के आसान तरीके समझाएं। बीडीओ नरेशपाल सिंह ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पुष्टाहार आहार वितरण का स्थान नहीं है बल्कि बच्चों के भविष्य निर्माण की प्रयोगशाला है। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजपाल सिंह ने कहा कि कहा कुपोषण और अशिक्षा समाज की सबसे बड़ी चुनौती है। इस दौरान ब्लॉक समन्वय अतुल शर्मा, ओम सिंह, मुख्य सेविका शिव कुमारी, आशा रानी, चारुल भारती, काजल, सोनिका, मोनिका,डॉली, बबीता सविता, उपस्थित रहीं।

पुलिस पर खनन कर रहे ट्रैक्टर छोड़ने का आरोप

संवाददाता, बिलारी

तहसीलदार अंकित गिरी से वार्ता करते भाकियू अराजनैतिक के पदाधिकारी।

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के तहसील अध्यक्ष विक्की चौधरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी तहसील कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस द्वारा अवैध खनन कर रहे ट्रैक्टर ट्राली को बिना कार्यवाही के छोड़ने के आरोप में तहसीलदार अंकित गिरी को ज्ञापन सौंपा।

युवा जिलाध्यक्ष अंकुर चौधरी ने बताया कि 28 अक्टूबर को क्षेत्र के ग्राम ग्वालखेड़ा में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा था। एसडीएम विनय सिंह द्वारा अवैध खनन रोकने के लिए तीन टीम गठित की हैं परंतु फिर भी अवैध खनन किया जा रहा है। ग्वालखेड़ा में हो रहे अवैध खनन को रोकने के लिए बिलारी पुलिस की जीप पहुंची। आरोप लगाया कि पुलिस को देखकर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक मौके से भाग गया परंतु दूसरा ट्रैक्टर पुलिस ने पकड़ लिया। जिसे लेकर एक सिपाही थाने चला गया। जिसके बाद भाग रहे ट्रैक्टर के पीछे जीप दौड़ा दी। काफी दूर जाने के बाद ट्रैक्टर चालक गांव में ट्रैक्टर लेकर घुस गया। उसके पीछे जीप भी गांव में पहुंची। जिलाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस द्वारा ट्रैक्टर चालक का पीछा किया जा रहा था, दोनों की ही स्पीड तेज थी। गांव में रोड पर पशु बच्चे महिलाएं भी बैठी हुई थी। इस

● भाकियू अराजनैतिक ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

घटना से उनके साथ कोई भी बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। आरोप लगाया कि पुलिस ने जो ट्रैक्टर कोतवाली भेजा उसे सांठ गांठ करके छोड़ दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह से शिकायत की गई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने कहा कि शिकायती मिला है जांच के बाद ही सारी बातें स्पष्ट हो पाएंगी । दोषी पाए जाने पर पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मुख्य रूप से तहसील अध्यक्ष विक्की चौधरी, प्रदेश सचिव उदय पाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष खिलेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, महावीर सिंह, मनोज कुमार ,आदित्य चौधरी ,अंकुश चौधरी, सत्येंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

लाखों का सामान चुरा ले गए चोर

कांठ, अमृत विचार: थाना कांठ के ग्राम बेगमपुर निवासी विवेक कुमार पुत्र जिले सिंह के मकान में मंगलवार की रात को चोर घुस गए और चोरों ने सेफ अलमारी में रखे सोने चांदी के आभूषण, नकदी, एक मोबाइल सहित लाखों रुपए का सामान चुरा लिया। जब चोरी कर रहे थे तो वह घर में लगे कैमरे में कैद हो गए।

गृह स्वामी ने घटना की जानकारी थाना कांठ पुलिस को दी। सूचना पाते ही थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और घटना के बारे में जानकारी ली। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज ली जिसमें चोर चोरी करते हुए कैद हो गए थे ,उनकी पहचान के लिए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर लिया है।

न्यूज डायरी

खनन व ओवरलोडिंग में डंपर पकड़े

कांठ, अमृत विचार : खनन विभाग पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने रेत-बजरी से भरे एक दर्जन डंपर बुधवार को ओवरलोडिंग व अवैध खनन के आरोप में पकड़े। थाना कांठ पर खड़े वाहनों पर देर शाम तक कार्रवाई नहीं हो पाई है। कांठ ठाकुरद्वारा मार्ग पर अवैध रूप से बड़े पैमाने पर रेत बजरी मिट्टी आदि भरकर डंपर निकालते हैं। कई महीने से डंपर की चपेट में आने से कई हादसे हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने कई बार पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की थी। बुधवार को पुलिस प्रशासन और खनन विभाग की टीम ने जिला स्तरीय अधिकारी के निर्देश पर छापा मार एक दर्जन डंपर रेत व बजरी से भरे पकड़ लिए और कांठ थाने में खड़े कर दिए। पूरे दिन सिफारिश के फोन पहुंचने से अधिकारियों की टीम किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। शाम को जिला खनन अधिकारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि रॉयल्टी आदि की जांच की जा रही है।

जन कल्याण के लिए हुआ मानव जन्म

छजलैट, अमृत विचार : भटके हुए मानव का कल्याण श्रीमन पावन पुराण श्रवण कर पुराण में बताए गए मार्ग पर चलने से ही संभव है। यह विचार गायत्री परिवार शाखा के तत्वाधान में ग्राम कुचावली में चल रही श्रीमन पावन प्रज्ञा पुराण कथा के तीसरे दिन शांतिकुंज हरिद्वार से आए टोली नामक आचार्य श्री मौर्य ने व्यक्त किये। कहा कि नारद जी ने भगवान विष्णु से पृथ्वी लोक में हो रहे मानव के नैतिक पतन का उपाय पूछा। भगवान विष्णु ने कहा कि मानव का जन्म भक्ति मार्ग पर चलते हुए जन कल्याण में जीवन समर्पित करने के लिए हुआ है लेकिन मानव भटक कर सांसारिक मोह माया में फंस क्रोध, मोह, मद, अहंकार, लोभ में अपना जीवन बेवजह गंवा देता है। इस अवसर पर, चौधरी ऋषिपाल सिंह, चौधरी रणजीत सिंह, चौधरी बल्लू सिंह, सुरजीत सिंह, डॉ निगम सिंह, ग्राम प्रधान शशिबाला, सुमन देवी, सरोज देवी, राधा रानी आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

कांठ, अमृत विचार : सेंट पॉल्स इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल कांठ में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के अंतर्गत भारत विकास परिषद द्वारा मेधावियों को सम्मानित किया गया। 024 – 2025 में टॉपर रहे छात्र छात्राओं में मंतव्य, अध्यात्म, भूमि यादव, जियांश, तन्मय, इनाया नूर, हुदा रहमान, मोहम्मद असद चौधरी, मिस्टी, सौरभ, कक्षा 7 से आध्यात्मिका, कक्षा 8 से सुनैना, शुभ यादव, बॉबी यादव,कक्षा 9से बी फात्मा, कक्षा 10 से लक्ष्य नैन, कक्षा 11से भविष्य, अंकिता, हुमेरा,कक्षा 12 से किंजल प्रजापति, आफिया परवेज आदि को भारत विकास परिषद् के सदस्यों ने ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। भारत विकास परिषद् के सदस्य एडवोकेट दीपक विश्नोई, डॉ० अशोक, रजत प्रभाकर, स्कूल चेयरमैन जितेंद्र विश्नोई, रितु विश्नोई एवं प्रबंधक सचिन विश्नोई समेत शिक्षक – शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

विवाहिता की हत्या के प्रयास में केस

कांठ, अमृत विचार : थाना कांठ के ग्राम कासमपुर निवासी राबिया परवीन की शादी 24 फरवरी 2023 को मोहम्मद अकरम पुत्र मोहम्मद खुर्शीद निवासी शाह एनक्लेव रामेश्वर पार्क एक्सटेंशन लोनी थाना ट्रोनिका सिटी जिला गाजियाबाद के साथ हुई थी। मायके वालों ने काफी दहेज भी दिया परंतु पति मोहम्मद अकरम, खुसमीदा, नेहा, हिना, जीना, नदीम आदि खुश नहीं थे। वह दहेज में 10 लाख रुपये और एक कार की मांग करने लगे। 26 अगस्त की रात को 10 :00 बजे नदीम उसके कमरे में घुस गया और छेड़छाड़ कर दुष्कर्म किया। जब इसकी शिकायत अन्य लोगों से की तो उन्होंने मारपीट की। 27 अगस्त को घर से निकाल 10 अक्टूबर को नोटिस दे दिया। 24 को भोजपुर के सयाली खादर में बुला जान से मारने की धमकी दी। 27 अक्टूबर को 10 :00 बजे घर पर आकर घर में घुसकर गला घोंट कर जान से मारने की कोशिश की। कई बार तेजाब और हार्पिक समेत गर्भपात की गोलियां भी खिला चुके हैं। पुलिस से शिकायत की कोई कार्रवाई नहीं होने पर एसएसपी से मिली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थाना कांठ को केस दर्ज करने के निर्देश दिए।

राजस्व विभाग की भूमि पर कब्जा

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद क्षेत्र के फतेहउल्लागंज स्थित राजस्व विभाग की गाटा संख्या 42 रकबा 0 .2430 हेक्टेयर पर दोबारा भूमाफियाओं द्वारा अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में नगर निवासी पवन कुमार पुष्पद ने डीएम को प्रार्थना पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। नगर में उक्त बंजर भूमि राजस्व विभाग की है। जिस पर पिछले कुछ समय से सेवानिवृत्त प्रधान लिपिक व उनके सहयोगी कब्जे का प्रयास कर रहे है। आरोप है कि इन लोगों ने नगर पालिका अभिलेखों में छेड़छाड़ कर इस भूमि को अपने नाम कराए जाने की साजिश रची है। पूर्व में 28 नवंबर 2024 को आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई गई थी। राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि को कब्जा मुक्त कराया था। इसके बावजूद, पुन : नगर पालिका अध्यक्ष के सहयोगियों द्वारा उक्त भूमि पर चारदीवारी कर अवैध कब्जा कर लिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कार्य राजस्व संपत्ति पर खुला अतिक्रमण है और इससे कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है।

सपा विधायक के पहली बार बिलारी आगमन पर स्वागत

कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व सपा विधायक नसीम सोलंकी, पूर्व विधायक इरफ़ान सोलंकी, बिलारी विधायक फ़हीम इरफ़ान।

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : नगर के सपा कैंप कार्यालय पर सीसामऊ कानपुर से पूर्व विधायक नसीम सोलंकी का पहली बार बिलारी आगमन पर सपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान पूर्व विधायक सीसामऊ इरफान सोलंकी भी मौजूद रहे।

सपा कैंप कार्यालय पर सीसामऊ के पूर्व विधायक ने कहा कि सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान के परिवार से उनके पारिवारिक रिश्ते हैं। कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव विधानसभा चुनाव 2027 में जुटने के लिए अपील की। विधायक फहीम इरफान के ससुर बाबू शरीफुद्दीन पाशा के निधन पर शोक जताया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष यूथ ब्रिगेड सौरव यादव, हाजी जुबैर अंसारी, नगर अध्यक्ष शाहनवाज आलम, विधानसभा अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड रमाकांत सैनी, विधानसभा अध्यक्ष लोहिया वाहिनी सद्दाम सैफी, जिला कार्यकारिणी सदस्य रूप किशोर कश्यप, विश्वजीत सिंह यादव, शाहिद मलिक, ऋषिकांत जाटव, कपिल राज बाल्मिकी, गजराम वाल्मीकि, रियाज पाशा, मोहम्मद कय्यूम, आनंदपाल यादव, कल्लू मालिक, विशाल सक्सेना आदि मौजूद रहे।

किसान बोले, गन्ना मूल्य में वृद्धि नाकाफी

संवाददाता, कांठ

● भाकियू टिकैत ने दी आंदोलन करने की चेतावनी

अमृत विचार: योगी सरकार द्वारा गन्ने का मूल्य 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने पर किसान संगठनों ने इसे बहुत कम बताते हुए ऊंट के मुंह में जीरा के समान बताया है। किसान नेताओं का कहना है कि यह राशि बहुत कम है। किसानों को इससे कहीं अधिक उम्मीद थी। इससे अधिक पड़ोसी राज्यों में गन्ना रेट है।

भाकियू टिकैत ने इस मामले में आंदोलन करने की चेतावनी दी है। सरकार ने 30 रुपये बढ़ाकर ऊंट के मुंह में जीरा डाला है। गन्ने का रेट पड़ोसी राज्यों में उत्तर प्रदेश से अधिक है। भाकियू टिकैत के पश्चिमी प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल सिंह ने कहा कि योगी सरकार ने सिर्फ 30 रुपये गन्ने के रेट बढ़ाए हैं। हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने का मूल्य अधिक है। देश का एक तिहाई गन्ना यूपी में पैदा होता है लेकिन यूपी सरकार रेट के मामले में सबसे पीछे है। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने का वादा किया था। उस हिसाब से गन्ने का रेट 460 रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए। एक और वृद्धि यूरिया की हुई है। यूरिया का कट्टा 50 की जगह 40 किलो का हो गया है लेकिन दाम 370 रुपये ही है। आरोप लगाया कि सरकार किसानों के साथ मजाक कर रही है। इस मामले में आंदोलन किया जाएगा।

जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरदीप सिंह ने कहा कि इतनी कम वृद्धि स्वीकार नहीं। तहसील अध्यक्ष दर्शन सिंह ने कहा कि यूरिया का वजन 50 की जगह 40 किलो कर दाम बढ़ा दिया। कीटनाशक दवाओं का रेट बढ़ गया। डीजल का रेट पहले से बढ़ा हुआ है। गन्ने का बीज महंगा हो गया। गन्ने का भुगतान समय पर नहीं हो रहा है। दूसरी ओर सहकारी समिति के गन्ना डायरेक्टर गौरव कुमार ने विज्ञप्ति जारी कर गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को हितकारी बताया है।

किसान मोर्चा ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

कांठ, अमृत विचार : गन्ने का समर्थन बढ़ाए जाने के निर्णय से किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इसी क्रम में भाजपा किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए इसे किसानों के हित में ऐतिहासिक फैसला बताया। भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष सतेंद्र चौधरी ने कहा कि योगी सरकार किसानों की खुशहाली के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस निर्णय से प्रदेश के गन्ना किसानों को लगभग 3000 करोड़ का अतिरिक्त भुगतान प्राप्त होगा। विगत सरकारों की तुलना में सहकारी व सार्वजनिक क्षेत्र की चीनी मिलों में लगभग 1700 करोड़ का निवेश किया गया है। वर्तमान में राज्य की 122 चीनी मिलें संचालित हैं और इथेनॉल उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। 2017 से पहले एथेनॉल आसवनियों की संख्या 61 थी, जो अब बढ़कर 97 हो चुकी है। पारदर्शी और ऑनलाइन पर्ची निर्गमन प्रणाली लागू की गई है, जिससे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर अंकुश लगा।

अमृत विचार

मुरादाबाद, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

खेत पर बुजुर्ग से मारपीट

टांडा, अमृत विचार : ग्राम लाडपुर बीबी निवासी रियासत हुसैन अपने खेत में पशुओं के लिए बरसीम बोने गए थे। इसी दौरान अब्बास, शारिफ और उस्मान वहां पहुंचे। रियासत हुसैन पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने उनके खेत की मेड़ काटी है। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया तो सभी ने मिलकर उन पर हमला कर दिया। बुजुर्ग के हाथ में फावड़ा लगने से गहरी चोट आई और खून बहने लगा। पीड़ित ने मामले की शिकायत कोतवाली में की। पुलिस ने अब्बास, शारिफ और उस्मान के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली।

आज गुल रहेगी बिजली

रामपुर, अमृत विचार : अधिशासी अभियंता पीके के शर्मा ने बताया कि गुरुवार को सिविल लाइंस उपकेंद्र में आने वाले रोशन बाग फीडर पर गंदा कुआ स्थित 400 केवीए ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग का कार्य होना प्रस्तावित है। रोशन बाग के कुछ क्षेत्र जैसे एकता विहार, प्रीती नर्सिंग होम के पीछे, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, 3 एफएस मार्किट, शिवि सिनेमा, गंगापुर, कॉपरेटिव बैंक कॉलोनी की विद्युत आपूर्ति समय सुबह 10 बजे से 4 बजे शाम तक बंद रहेगी।

यात्रीकर अधिकारी को चेकिंग के दौरान कुचलने का प्रयास

पटवाई थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस ने दो आरोपी पकड़े

कार्यालय संवाददाता, रामपुर/पटवाई

अमृत विचार : पटवाई में वाहनों की चेकिंग कर रहे यात्री कर अधिकारी (पीटीओ) पर कुछ लोगों ने वाहन चढ़ाने का प्रयास किया। उन्होंने अन्य साथियों के साथ किसी तरह जान बचाई, जिसमें वो घायल हो गए। पुलिस ने मौके से दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

एआरटीओ कार्यालय में तैनात यात्रीकर अधिकारी होरी लाल वर्मा मौजूदा समय में सिविल लाइंस के आवास विकास में रह रहे हैं। उनका कहना है कि कुछ लोग उनके घर की रेकी कर रहे थे। 29 अक्टूबर की सुबह पांच बजे होरी लाल वर्मा, प्रवर्तन सिपाही फखरूद्दीन अली अहमद मय प्रवर्तन चालक राजेश यादव के साथ वाहन से सरकारी काम से घर से निकले थे। उनका कहना है कि जैसे ही वाहन अजीतपुर के पास पहुंचा तो बिना नंबर और नंबर वाले वाहन उनकी गाड़ी के आगे-पीछे चलने लगे। इसी दौरान वह टीम के साथ पटवाई रोड पर चेकिंग करने लगे। तभी उन वाहनों में से यूपी16डीएन 5589 के चालक ने वाहन न रोककर उनके और प्रवर्तन कर्मी पर वाहन चढ़ाकर मारने का प्रयास किया। जैसे तैसे हम लोगों ने जमीन पर गिरकर जान बचाई। जिससे यात्री कर अधिकारी सहित तीनों लोग घायल हो गए। उसके बाद गाड़ी गड्ढे में जाकर फंस गई। जानकारी मिलने पर पटवाई पुलिस मौके पर पहुंच गई। कार में सवार फरदीन, गुफरान को पकड़ने के बाद पुलिस थाने ले आई। यात्री कर अधिकारी की तहरीर पर दोनों आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

- यात्रीकर अधिकारी सहित तीन लोग घायल

पुलिस हिरासत में यात्री कर अधिकारी पर हमला करने के आरोपी।

पहले भी अधिकारियों पर हो चुके हमले

माफिया द्वारा पहले भी अधिकारियों पर वाहन चेकिंग के दौरान चढ़ाने का प्रयास किया जा चुका है, लेकिन उसके बाद भी अधिकारी आधी-अधूरी तैयारियों के साथ वाहन चेकिंग करने पहुंच जाते हैं। कुछ दिनों पहले एआरटीओ राजेश श्रीवास्तव मसवासी क्षेत्र में वाहन चेकिंग कर रहे थे कि उनके ऊपर भी वाहन चढ़ाने का प्रयास किया था। उसके बाद सोशल मीडिया में वीडियो वायरल हुआ था।

प्रशिक्षण में शिक्षण विधियों के बारे में बताया

रामपुर, अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित सामाजिक विज्ञान विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण सत्र में संस्थान के प्रवक्ता बृजराज किशोर, राजेश कुमार, संतोष प्रसाद, प्रणव कुमार ने अध्यापकों को सामाजिक विज्ञान शिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया। विषय की व्यवहारिक शिक्षण विधियां, शिक्षण सामग्री का उपयोग, छात्रों में जिज्ञासा उत्पन्न करने के प्रभावी तरीकों पर विस्तृत चर्चा की। प्रशिक्षण में विभिन्न विद्यालयों के अध्यापक सम्मिलित हुए। प्रमुख रूप से सय्यद आफाक हुसैन, मुस्तफा हुसैन, नईम अहमद, आकाश राघव, महेंद्र, पूजा गुप्ता, रोमाना हसीन, सोहैल इकबाल एवं सत्यपाल सिंह आदि उपस्थित रहे। प्राचार्य अशोक कुमार ने प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागी शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के शैक्षिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करते हैं और विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य अशोक कुमार ने की।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते व्यापारी। ● अमृत विचार

समस्याओं के समाधान को व्यापारियों ने दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी ने तिलक नगर कॉलोनी कार्यालय पर व्यापारियों के साथ बैठक की। उनकी समस्याओं के बारे में सुना। उसके बाद सभी लोग एकत्रित होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी ने कहा कि 27 अक्टूबर को सब्जी मंडी में व्यापारी होरी लाल की सब्जी आढ़त से 8 कट्टे आलू चोरी कर लिए गए हैं। एक माह पहले जयपाल सैनी की चाय कैंटीन से चोरी हुई थी। इससे पूर्व में भी लगभग 20 बार मंडी समिति कैंटीन में चोरों द्वारा चोरी कर ली गई है। सब्जी मंडी के चबूतरे पर मंडी समिति द्वारा मनमानी तरीके से धन क्रय केंद्र खुला है। धान के कट्टे सड़क पर डालकर सड़क पर ही अतिक्रमण करके कब्जा कर लिया है। चोरियों का खुलासा होना व मंडी सब्जी मंडी में चबूतरे पर बने धन क्रय केंद्र को हटवाना आवश्यक है। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष महफूज हुसैन, नूर अहमद, शाहिद खुसरो, शराफत खान, होरीलाल, लालमन सैनी, सरदार मंजीत सिंह सिंपल, मोहम्मद परवेज, सरदार रविंद्र सिंह टोनी, अरविंद गुप्ता, पप्पू खान आदि पदाधिकारी व व्यापारी मौजूद रहे।

एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स ने निकाला कैंडल मार्च

रामपुर, अमृत विचार : बुधवार शाम एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के आह्वान पर एजेंसी संचालक आंबेडकर पार्क में एकत्रित हुए। उसके बाद सभी ने कैंडल मार्च निकाला।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अमित किशोर ने कहा कि इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल की ओर से लंबे समय से होम डिलीवरी व प्रशासकीय शुल्क में वृद्धि नहीं की गई है। बढ़ती महंगाई में मौजूदा शुल्क के साथ सेवा देना कठिन होता जा रहा है। उन्होंने सरकार व तेल कंपनियों से तत्काल शुल्क बढ़ाने की मांग की। चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र सुनवाई न हुई तो तीसरे चरण के आंदोलन के तहत 6 नवंबर से नो इंडेंट, नो मनी अभियान चलेगा। इसके तहत वितरक न तो इंडेंट करेंगे और न ही कंपनी के खाते में पैसा जमा करेंगे। महंगाई के अनुपात में डिलीवरी व प्रशासकीय शुल्क न बढ़ाने के विरोध में एलपीजी वितरकों का आंदोलन जारी है। ऐसे में उपभोक्ताओं को सिलेंडर की किल्लत झेलनी पड़ सकती है। कैंडल मार्च में शरद गुप्ता, अनुज कुमार, अताऊर्रहमान, विनय दिवाकर, दाऊद अली, तनवीर अहमद, शबाब, वसीम अहमद, हिमांशु जैन, जसवंत सिंह, विकल्प गुप्ता शामिल रहे।

किसानों ने 30 रुपये की वृद्धि बताई नाकाफी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की ओर से गन्ना खरीद मूल्य 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा दिया गया है। जिसके बाद भाजपाइयों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। वहीं, किसानों को 30 रुपये कम लगे और दाम बढ़ाने को ऊंट के मुंह में जीरा बताया। किसानों को ज्यादा दाम बढ़ने की उम्मीद थी।

सरकार ने दिवाली से पहले लोगों को जीएसटी कम करके उनको खुशखबरी दी थी। जिसके बाद लोगों ने धनतेरस और दिवाली पर जमकर खरीदारी हुई। वहीं, बुधवार को सरकार ने किसानों के हित में गन्ना खरीद मूल्य 30 रुपये बढ़ाते हुए 400 रुपये क्विंटल कर दिया है। किसानों का कहना है कि खाद से लेकर डीजल तक काफी महंगा है। ऐसे में ये रेट सिफ ऊंट के मुंह में जीरे समान है। हालांकि, भाजपा नेताओं कहना है कि भले ही किसान कुछ भी कहें, 30 रुपये बढ़ने से आय में अच्छी वृद्धि होगी।

तीन साल में क्विंटल पर सिर्फ 30 रुपये बढ़ाए हैं, जो महंगाई के हिसाब से कुछ भी नहीं हैं। अगर सरकार को किसानों की चिंता होती है, तो हर साल मंगाई के हिसाब से रेट बढ़ाना चाहिए था, बल्कि सरकार ने किसानों का मजाक बनाया है। – **हसीब अहमद, प्रदेश महासचिव भाकियू (टिकैत)**

उत्तर प्रदेश सरकार ने अपना वादा पूरा किया है। किसानों को सौगात देते हुए केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह की मांग पर गन्ने का दाम बढ़कर 400 रुपये क्विंटल कर दिए हैं, जो सराहनीय कदम है। उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए राहत बड़ी खबर है। – **उस्मान, बबलू**

30 रुपये बढ़ाकर गन्ना किसानों का अपमान किया है। खाद के रेट कई गुना बढ़ गए हैं, डीजल के रेट हो गए हैं। सरकार की बेरुखी के कारण किसानों ने गन्ना बोना कम कर दिया है। गन्ने का रेट कम से कम 500 से ऊपर होना चाहिए। – **प्रमुख राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हनीफ वारसी, भाकियू भानु**

गन्ने का रेट 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाए हैं, लेकिन रेट ज्यादा बढ़ाने चाहिए थे। सरकार ने डीजल खाद कीटनाशक दवाइयां के रेट इन इन दो वर्षों में कई गुना बढ़ गए। सरकार नहीं चाहती किसान खुशहाल हो। – **आकिल खान, प्रमुख जिला उपाध्यक्ष, भाकियू भानु**

मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर करते भाजपाई। ● अमृत विचार

भाजपाइयों ने गन्ना खरीद मूल्य बढ़ने पर जताई खुशी

संवाददाता, शाहबाद

अमृत विचार : योगी सरकार ने गन्ना मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि की है। 30 रुपये प्रति क्विंटल गन्ना मूल्य बढ़ने से किसानों में खुशी है। वहीं शाहबाद में भाजपाइयों ने गन्ना समिति के चेयरमैन विवेक पाण्डेय की अगुआई में मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। विवेक पांडेय ने बताया कि अब अगेती प्रजाति का गन्ना 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य प्रजाति का गन्ना 390 रुपये पर प्रति क्विंटल हो गया है। सरकार के इस कदम को किसानों ने उम्मीद से अधिक बताया है। किसानों का कहना है कि पिछले साल गन्ना मूल्य नहीं बढ़ने से किसान निराश थे। जिसके चलते इस बार तरह-तरह की चर्चा थीं। नए गन्ना सत्र का आरंभ होने के साथ ही प्रदेश सरकार ने गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी करके किसानों को खुश कर दिया है। इस मौके पर भाजपा नेता वेद प्रकाश चंद्रवंशी, संजय चौधरी, अमित चंद्रवंशी, नरेंद्र ठाकुर, महेश चंद्रवंशी, भूकन लाल आदि मौजूद रहे।

नवाब रजा अली खां की बेटी का निधन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रामपुर रियासत के अंतिम शासक रहे नवाब रजा अली खां की बेटी मेहरून्निसा बेगम का 92 साल की आयु में अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में इंतकाल हो गया। उनके निधन से शाही परिवार को दुख पहुंचा है।

इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एन्ड कल्चरल हेरिटेज (इंटैक) रुहेलखंड चैप्टर के सह संयोजक काशिफ खां ने बताया कि मेहरून्निसा बेगम का जन्म रामपुर में 24 जनवरी 1933 हो हुआ था। अंतिम शासक नवाब रजा अली खां की तीसरी पत्नी तलअत जमानी बेगम की पुत्री थीं। 28 अक्टूबर को उन्होंने आखिरी सांस ली। 29 अक्टूबर को वॉशिंगटन डीसी में ही गमगीन माहौल में उन्हें सुपुर्दे खाक किया। दफन में काफी लोग शामिल हुए। बताया कि मरहूमा ने मसूरी और लखनऊ में शिक्षा ग्रहण की थी। उनकी पहली शादी भारतीय सिविल सेवा से जुड़े रहे सैयद तकी नेकी से हुई थी, दूसरी शादी पाकिस्तान के एयर चीफ मार्शल अब्दुर्रहीम खां से हुई। अब्दुर्रहीम खां स्पेन में पाकिस्तान के राजदूत भी रहे थे। 1977 में वो अमेरिका चली गईं, जहां इंटरनेशनल सेंटर फॉर लैंग्वेज स्टडीज में वो उर्दू और हिंदी की शिक्षिका रहीं। उनके बेटे जैन नकी और दो बेटियां जेबा हुसैन व मरयम खान हैं। एक बेटे आबिद खान की मृत्यु हो चुकी है। जैन नकी अमेरिका में ही रहते हैं। काशिफ खां ने बताया नवाब रजा अली खां के तीन पुत्र मुर्तजा अली खां, जुल्फिकार अली खां उर्फ मिक्की मियां और आबिद अली खां उर्फ सलीम मियां थे। तीनों ही अब इस दुनिया में नहीं हैं।

मेहरून्निसा बेगम का फाइल फोटो। ● अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में ली अंतिम सांस

नवाब रजा अली खां की दूसरी बेटी थीं

अंतिम शासक की छह बेटियों में मेहरून्निसा बेगम दूसरे नंबर की पुत्री थीं। इनसे पूर्व खुर्शीद लका बेगम और कमरलका बेगम का निधन हो चुका है। बिरजिस लका बेगम और नाहीद लका बेगम दिल्ली में, अख्तर लका बेगम लखनऊ में रहती हैं। मेहरून्निसा बेगम के निधन से रामपुर के शाही खानदान के लोगों को गहरा दुख पहुंचा है। अंतिम शासक के पौत्र पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने उनके निधन को पूरे परिवार के लिए क्षति बताया। अंतिम शासक की बहू पूर्व सांसद बेगम नूरबानो ने भी मेहरून्निसा बेगम के निधन पर गम का इजहार किया है।

जहरीले पदार्थ के सेवन से युवती की मौत

भोट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के इंड्रा गांव निवासी नीतू 21 वर्ष पुत्री सुरेश ने बुधवार दोपहर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। दोपहर बाद युवती की तबीयत बिगड़ते देख परिजन घबरा गए। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। देर शाम उपचार के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी व शव को कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह त्यागी ने बताया कि युवती द्वारा जहर का सेवन किए जाने की सूचना पर शव मोर्चरी में रखवा दिया है। पीएम के बाद ही कारणों का पता चल पाएगा।

धान खरीद में गड़बड़ी कर रहे कर्मचारी

संवाददाता, शाहबाद

अमृत विचार : शाहबाद मंडी समिति में धान क्रय केंद्रों पर बरती जा रही अनियमिताओं के खिलाफ किसान बिफर पड़े। किसनों का कहना है कि मंडी समिति में 9 क्रय केंद्र होने के बावजूद भी किसान धान की तौल के लिए भटक रहा है।

बुधवार को भाकियू भानु से जुड़े किसान मंडी समिति स्थिति धान क्रय केंद्रों पर पहुंचे। तहसीलदार अमित कुमार सिंह उनसे ज्ञापन लेने पहुंचे। किसानों का आरोप है कि 9 क्रय केंद्रों में से सिर्फ दो क्रय केंद्रों पर धान की तौल की जा रही है। माफिया अधिकारियों से मिलकर कागजों में ही धान की तुलाई करा रहे हैं। किसानों ने इसलिए धांधली पर रोक लगाने की मांग की है। किसान नेता आकिल खान ने कहा कि किसानों से लिए जा रहे सुविधा शुल्क पर भी रोक लगाई जाए। किसानों ने केंद्रों ओर डीएपी खाद भी उपलब्ध कराए जाने की मांग की। इस मौके पर शकील अहमद, दिनेश, संजय सिंह, विद्याराम, सद्दाम हुसैन, बृजमोहन, झंडू सिंह, रमेश मौर्य, महिपाल, बब्बू मलिक मौजूद रहे।

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते भाकियू भानु से जुड़े किसान।

बाइक टकराने पर हुआ विवाद, युवक को पीटा

रामपुर, अमृत विचार : अजीमनगर थाना क्षेत्र के गांव खिमोतिया खेड़ा निवासी सरजन सिंह का कहना है कि वह 28 अक्टूबर की दोपहर के समय जिठनिया अड्डे से सीमेंट के कट्टे लेने गया था। उसके बाद पीड़ित परचून की दुकान पर सामान लेने लगा था। तभी वहां पर समी खान, अरबाज खां ने युवक की बाइक में ई-रिक्शा से टक्कर मार दी थी। जिससे सरजन सिंह की बाइक क्षतिग्रस्त हो गई थी। विरोध करने पर आरोपियों ने सरजन सिंह को लाठी डंडों से पीटकर घायल कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

बच्चों की जानकारी देती पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

छात्राओं को मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान 5 के तहत पुलिस अधीक्षक विद्या सागर के निर्देशन में महिला सुरक्षा दल थाना सैफनी द्वारा प्राथमिक विद्यालय बैरूआ में छात्र-छात्राओं एवं ग्राम हिद्दन खां का मझरा में महिलाओं को जागरूक किया। महिला सुरक्षा दल द्वारा छात्राओं एवं शिक्षकों को महिला संबंधी अपराध, हेल्पलाइन नंबरों एवं साइबर क्राइम से बचने की जानकारी दी। मिशन शक्ति से संबंधित पंपलेट बांटे। महिला सुरक्षा दल, थाना सैफनी द्वारा महिलाओं, बालिकाओं व छात्र-छात्राओं को सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक कर निम्न सुझाव दिए।

साइबर क्राइम के बारे में दी जानकारी

रामपुर, अमृत विचार : थाना सिविल लाइंस क्षेत्र में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला पुलिसकर्मियों ने बाजारों में आने वाली महिलाओं, बालिकाओं को पंपलेट बांटकर जागरूक किया। बालिकाओं को सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें। अपना खाता संख्या, पिन, ओटीपी, सीवीवी नंबर गोपनीय जानकारी साझा न करें। साइबर फ्रॉड, धोखाधड़ी होने पर तत्काल शिकायत करें, इसके 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं।

न्यूज डायरी

बंदरों के हमले से छत से गिरा अधेड़, घायल

शाहबाद, अमृत विचार : रात में छत पर सो रहे अधेड़ पर बंदरों ने हमला कर दिया। अधेड़ छत से गिरकर बुरी तरह जख्मी हो गया। जिसको इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। शाहबाद तहसील क्षेत्र के रेवड़ी कलां गांव निवासी महेंद्र पाल अपने घर की छत पर सो रहे थे कि अचानक बंदरों ने आकर उन पर हमला कर दिया। बंदरों से खुद को बचाने के चक्कर में महेंद्र पाल छत से नीचे गिर गए और जख्मी हो गए। परिजनों के द्वारा महेंद्र पाल को शाहबाद सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया।

ट्वीट कर अधिकारियों से शिकायत

मसवासी, अमृत विचार : बजरंग दल नेता अर्जुन कुमार गुप्ता ने बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को ट्वीट कर शिकायत की है कि 33 हजार केवी लाइन के ऊपर से होकर डिश केबल तार डाली है। जो कभी भी हादसे का शिकार कर सकती है अवर अभियंता से शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे डिश की केबल में कभी भी करंट लोगों को हादसे का शिकार बन सकता है, लेकिन बिजली विभाग एचटी लाइन से डिश केबल हटाने के मूड में नहीं है। जिला अधिकारी समेत बिजली विभाग के अधिकारियों से देश केवल एचटी लाइन हटाने की मांग की है।

संचारी दस्तक रोग को लेकर रणनीति तैयार

शाहबाद, अमृत विचार : एसडीएम शाहबाद की आशुतोष कुमार की अध्यक्षता में विरोधी परिवारों का नियमित टीकाकरण और संचारी दस्तक रोग अभियान को लेकर समीक्षा बैठक की। जिसमें विरोधी परिवारों में जाकर बालक बालिकाओं का टीकाकरण कराई जाने और संचारी दस्तक रोग को लेकर रणनीति तैयार की गई। बैठक में डॉ. पदम सिंह चिकित्साधीक्षक, एआरओ अल्ताफ अहमद, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक विकास कुमार, डब्ल्यूएचओ से चार्ल्स मसीह और यूनिसेफ से शादाब अली के साथ आंगनबाड़ी व सुपरवाइजर मौजूद रहे।

तीन दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर शुरू

ढकिया, अमृत विचार : कस्बा स्थित खान सिंह जनता इंटर कालेज में मंगलवार से तीन दिवसीय भारत स्काउट गाइड शिविर का आरंभ किया गया। शिविर का आरंभ कालेज के प्रधानाचार्य जगतपाल वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर के पहले दिन जीतू कुमार जिला संगठन स्काउट के द्वारा बच्चों को स्काउट गाइड का इतिहास, झंडा गीत, प्रार्थना, नियम, प्रतिज्ञा और फिलड शेरामनी आदि की जानकारी दी गई। इस मौके पर अध्यापक महेंद्रपाल सिंह यादव, सतेंद्र कुमार, सत्यदेव, कुलदीप, मनोज कुमार सिंह, मोहित पांडे, देवराज सिंह, मुनेंद्रपाल सिंह, सूबे सिंह, भास्कर मिश्रा, अरविंद कुमार सिंह, अर्जुन पांडे आदि मौजूद रहे।

प्रकाश पर्व पर निकाली प्रभात फेरी

बिलासपुर, अमृत विचार : गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर सिख समुदाय द्वारा सातवें दिन भी प्रभात फेरी निकाली गई। माटखेड़ा मार्ग स्थित गुरुद्वारा श्री सिंह सभा परिसर में संगत एकत्रित हुई। नित नेम का पाठ व अरदास के बाद निशान साहिब की अगुवाई में प्रभात फेरी प्रारंभ हुई। सबसे आगे प्यारा सिंह निशान साहिब लेकर चल रहे थे। साथ ही पीछे-पीछे संगत भजन-कीर्तन करती हुए चल रही थी। प्रभात फेरी गुरुद्वारा साहिब से शुरू होकर माटखेड़ा मार्ग पर बलकार सिंह के आवास पर पहुंची। इस मौके पर गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान तीर्थ सिंह, सुरेंद्र पाल सिंह, पलविंद्र सिंह, जसवंत सिंह, परमजीत कौर पोला, बलविंदर कौर, मंदीप कौर, मंजीत कौर, नरेंद्र कौर, सुखवीर कौर, स्वरूप सिंह, प्रीतम सिंह, कश्मीरा सिंह, केवल सिंह, हरभेज सिंह, अमरजीत सिंह, प्रीतम सिंह, लखविंदर सिंह, नवीन सिंह रहे।

बुखार से किशोर की मौत

ढकिया, अमृत विचार : पट्टी फैजुल्लाबाद गांव निवासी जीवन सिंह के 12 वर्षीय बेटे अनुज को काफी दिनों से बुखार आ रहा था। बुखार ठीक न होने पर निजी चिकित्सक ने किशोर की जांचें कराई तो उसे पीलिया हो जाने की पुष्टि हुई। परिजन बेटे को हुए पीलिया रोग का निजी चिकित्सक से उपचार करा रहे थे। उपचार के दौरान किशोर की निजी चिकित्सक के यहां मौत हो गई।

रामपुर में विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे : डीएम

मंगलवार देर रात नवागत जिलाधिकारी ने संभाला चार्ज

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : श्रावस्ती के जिलाधिकारी रहे अजय कुमार द्विवेदी ने मंगलवार देर रात ट्रेजरी पहुंचकर रामपुर जिलाधिकारी का चार्ज संभाल लिया। बुधवार को मीडियाकर्मियों बातचीत करते हुए विकास कार्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिले में जो विकास कार्य चल रहे हैं, उनको आगे बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण करना भी प्राथमिकता में शामिल होगा। ताकि कोई फरियादियों को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़े। नवागत जिलाधिकारी ने कहा कि जिन योजनाओं में चुनौतियां आ रही हैं। उनके लिए प्रयास किया जाएगा कि उसमें प्रगति हो। शासन की मंशा के अनुरूप जो भी विकास की योजनाएं हैं, उनको आगे बढ़ाया जाएगा। सभी कर्मचारी अपनी निष्ठा के साथ काम करें। रामपुर की जनता से सहयोग मिलना चाहिए। बता दें कि मंगलवार शाम शासन ने प्रदेश के 46 आईएएस का तबादला किया था। जिसमें रामपुर जिले के डीएम जोगिंदर सिंह को नमामि गंगे परियोजना का विशेष सचिव बनाया है। उनके स्थान पर 2015 बैच के आईएएस श्रावस्ती के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को रामपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। मंगलवार रात जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी रामपुर पहुंचे और ट्रेजरी में कार्यभार ग्रहण किया। बुधवार को कलेक्ट्रेट कर्मचारियों ने डीएम का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। वहीं व्यापारियों ने भी नवागत जिलाधिकारी का स्वागत किया।

कार्यभार ग्रहण करते जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी। ● अमृत विचार

कलेक्ट्रेट परिसर का किया निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : बुधवार को नए जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित संयुक्त कार्यालय, शस्त्र अनुभाग, राजस्व अभिलेखागार, कंट्रोल रूम, चकबंदी कार्यालय सहित विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अभिलेखों के रख-रखाव, कार्यालयों की स्वच्छता व्यवस्था, कार्य निष्पादन की प्रक्रिया का गहनता से अवलोकन किया। प्रत्येक अनुभाग में उपस्थित कार्मिकों से कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के समय सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में सुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही की भावना को और सुदृढ़ किया जाएगा। निर्देशित किया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यालयों में समय से उपस्थित रहें, जन सुनवाई से संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं जनसुलभ बनाए रखने के लिए मॉनीटरिंग की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित से जुड़ी समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक अधिकारी अपने कार्य में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और पूर्ण निष्ठा बनाए रखें।

कलेक्ट्रेट में सुनीं लोगों की समस्याएं

रामपुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दर्शन के दौरान जनसामान्य की समस्याओं को सुना। शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। अधिकारियों को जनता दर्शन में प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेने और प्रतिदिन जनसुनवाई करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया माध्यमों से प्राप्त होने वाली आमजन की शिकायतों के संज्ञान में आते ही उन पर त्वरित कार्रवाई की जाए साथ ही शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की जानी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशानुरूप विकासपरक कार्यक्रमों, जन कल्याणकारी योजनाओं और राजस्व संबंधी सभी कार्य जनहित को ध्यान में रखते हुए समयबद्ध तरीके से पूरी पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ किए जाएं।

सरदार पटेल ने रियासतों को मिलाकर भारत बनाया

कार्यक्रम के दौरान सर्किल बनाते स्वयंसेवक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर माई भारत के स्वयंसेवकों ने प्रेरणादायी पहल करते हुए मिलक ब्लॉक में यूनिटी सर्कल का गठन किया। आयोजन नेहरू युवा मंडल, नगला उदय के नेतृत्व में किया गया।

माई भारत प्लेटफॉर्म के उपनिदेशक माहे आलम ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारत को एक सूत्र में पिरोने का जो कार्य किया। वह केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि मानवीय एकता का भी सर्वोच्च उदाहरण है। नेहरू युवा मंडल नगला उदय के अध्यक्ष अरविंद राजपूत ने कहा कि युवाओं में ऊर्जा और परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति होती है। जब यह शक्ति एकता के उद्देश्य में जुड़ जाती है। यूनिटी सर्कल केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि जन-आंदोलन का स्वरूप है। पटेल के उस ऐतिहासिक योगदान की याद दिलाता है, जब उन्होंने बिखरे हुए रियासतों को जोड़कर अखंड भारत की नींव रखी थी। स्वयंसेवकों ने एकता शपथ ली। मंडल के सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन न केवल ऐतिहासिक यादों को जीवित करता है, बल्कि युवाओं को यह समझने का अवसर भी देता है। आज के समय में एकता, सहयोग और राष्ट्रीय समरसता कितनी आवश्यक है।

न्यूज ब्रीफ

सत्यापन की संशोधित तिथियां जारी

रामपुर, अमृत विचार : वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पीएम यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्रों के आवेदन करने, शिक्षण संस्थानों के नोडल अधिकारी द्वारा आवेदनों के सत्यापन तथा स्टेट नोडल अधिकारी द्वारा आवेदनों के सत्यापन के लिए संशोधित तिथियां निर्धारित की गई हैं। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत ने बताया कि आवेदन करने की अन्तिम तिथि 15 नवम्बर है। शिक्षण संस्थानों के नोडल अधिकारी द्वारा वेरीफिकेशन 25 नवंबर तक एवं स्टेट नोडल आफिसर द्वारा वेरीफिकेशन 5 दिसंबर तक निर्धारित की गयी है। जनपद के चयनित शिक्षण संस्थानों के नोडल अधिकारी को निर्देशित किया कि योजना के तहत पात्र छात्र-छात्राओं के शत-प्रतिशत आवेदन कराया जाना एवं समयान्तर्गत अपने स्तर से एल1 की कार्यवाही पूर्ण किया जाना तय करें।

धान क्रय केंद्र प्रभारी पर मारपीट का आरोप

बिलासपुर, अमृत विचार : नैनीताल हाईवे स्थित नवीन मंडी में धान खरीद जारी है। मंगलवार रात एक व्यक्ति ने वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो में मजदूर घायल अवस्था में मंडी समिति के भीतर पड़ा हुआ था। वायरल वीडियो में मजदूर ने आरोप लगाया कि वह मंडी में क्रय केंद्र पर मजदूरी कर रहा था। कई दिन मजदूरी करने के बाद भी सेंटर इंचार्ज ने मजदूरी के रुपये नहीं दिए। रुपये मांगने पर उसका विवाद हो गया और मारपीट हो गई। सेंटर प्रभारी ने साथियों के साथ मिलकर मारपीट की और वह घायल हो गया। कोतवाल मनिराम ने बताया कि तहरीर आने पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

धान का उठान न होने से किसान परेशान

बिलासपुर, अमृत विचार : क्रय केंद्रों से फसल का उठान न होने से किसान बेहद परेशान हैं। उनका आरोप है कि जगह न होने की वजह से केंद्र प्रभारी खरीद में ढिलाई बरत रहे हैं। केंद्र प्रभारी धान खरीदने में आनाकानी कर रहे हैं। फ्रूट मंडी के टिन शेड में लगाए गए धान के ढेरों को लेकर फ्रूट्स विक्रेताओं ने भी आपत्ति दर्ज करवाई है। फ्रूट्स के नीलामी स्थल पर धान की बोरियों के ढेर लगे हुए हैं। ऐसे में वह लोग फ्रूट्स की खरीद फरोख्त कैसे करें। इस पर एसएमआई राजेश कुमार का कहना है कि मिलों को एफआर चावल नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से उठान में दिक्कत आ रही है।

निरीक्षण में देखी मिड डे मील की गुणवत्ता

बच्चों के साथ खाना खाते जिला समन्वयक एमडीएम राहुल सक्सेना।

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : चमरौआ ब्लॉक में स्थित मॉडल प्राथमिक विद्यालय पट्टी कल्याणपुर का निरीक्षण समेकित शिक्षा के जिला समन्वयक एमडीएम राहुल सक्सेना एवं डीसी समेकित शिक्षा सतेंद्र कुमार शर्मा ने किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालय के साफ-सफाई की प्रशंसा की। विद्यालय में हाल ही में कराए पेंटिंग कार्य, दीवारों पर प्रदर्शित शिक्षण-सामग्री, सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न-उत्तर देखकर वे अत्यंत प्रभावित हुए। अधिकारियों ने बच्चों के साथ बैठकर मिड-डे-मील ग्रहण किया, भोजन की गुणवत्ता, स्वाद एवं वितरण व्यवस्था की सराहना की। निरीक्षण के दौरान बच्चों से विविध विषयों पर प्रश्न पूछे गए बच्चों ने त्वरित और सटीक उत्तर देकर सभी को प्रभावित किया। विद्यालय में रखे गए रजिस्टरों की संधारण व्यवस्था, शिक्षण प्रक्रिया और अनुशासन को भी सराहनीय बताया।

आज होगी विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता

रामपुर, अमृत विचार : गुरुवार को राजकीय इण्टर कॉलेज सैंजनी नानकर के निकट तहसील के पास जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन जिला विज्ञान क्लब के तहत कराया जाएगा। इसमें कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे।

जिला विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक डॉ. सोमपाल सिंह ने बताया कि मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 5000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 3000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 2000 रुपये तथा दो सांत्वना पुरस्कार 1000-1000 रुपये के दिए जाएंगे। एक ग्रुप में मात्र एक या दो विद्यार्थी अपना मॉडल बनाकर लेकर आएंगे। एक विद्यालय से अधिकतम दो मॉडल ही जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के प्रतिभागियों में से चयनित सर्वश्रेष्ठ 15 मॉडल मंडल स्तर मुरादाबाद के लिए चयनित किए जाएंगे।

श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करें

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हुरमतनगर में भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने दीप प्रज्ज्वलन कर रामलीला का उद्घाटन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि भगवान श्रीराम का चरित्र और जीवन भारतीय संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि ऐसे में समाज के सभी वर्गों के लोगों को भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर आदर्श समाज की स्थापना करने का कार्य करें। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि रामलीला केवल नाटक नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। श्रीराम के आदर्श हमें जीवन में सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। रामायण केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है, जो हर व्यक्ति को मर्यादा, समर्पण और सेवा का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में रामलीला जैसे सांस्कृतिक आयोजन समाज में संस्कारों की पुनर्स्थापना और युवा पीढ़ी को भारतीय परंपराओं से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रामलीला समिति के सदस्यों को आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि ऐसे प्रयास सामाजिक एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान रामलीला मंचन का पहला प्रसंग राम जन्म का मनोहारी अभिनय प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष ने सभी से आह्वान किया कि वे श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और समाज में सत्य, मर्यादा और सेवा भाव को बढ़ावा दें। इस अवसर पर मोहन लाल, थान सिंह सागर, राजेंद्र सागर, अजय बाबू गंगवार, टेकचंद, प्रदीप गंगवार, महेश बाबू, वेदप्रकाश, जसपाल, होरीलाल आदि उपस्थित रहे।

रामलीला में संबोधन करते जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार। ● अमृत विचार

● भाजपा जिलाध्यक्ष ने रामलीला का उद्घाटन किया

एटीएम में चोरी का प्रयास, लॉक क्षतिग्रस्त

बिलासपुर, अमृत विचार : नगर में रामपुर मार्ग पर यूको बैंक की शाखा है। इस बैंक के एटीएम को क्षतिग्रस्त कर चोरी का प्रयास किया। घटना मंगलवार रात 12 बजे की बताई जा रही है। शाखा प्रबंधक अंचल गुप्ता के अनुसार एक व्यक्ति देर रात बैंक के गेट के बराबर में बने एटीएम में चोरी के इरादे से घुस गया। उसने सिक्योरिटी लॉक को किसी लोहे के हथियार से क्षतिग्रस्त कर दिया और एटीएम तोड़कर चोरी का प्रयास करने लगा। कैमरे व सर्विलांस सिस्टम ने यह हरकत पकड़ ली और तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना पहुंच गई। वहां से उन्हें फोन आया। उन्होंने कोतवाली पुलिस को अवगत कराया। एटीएम में मिले आरोपी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया। उसके एक साथी को भी पुलिस पूछताछ के लिए पकड़कर ले गई। कोतवाली के अपराध निरीक्षक मनीराम का कहना है कि मामले में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। दोनों आरोपी लक्ष्मीनगर के रहने वाले हैं।

8 से 12 नवंबर तक त्रुटिपूर्ण आवेदन होंगे सही

रामपुर, अमृत विचार : अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा 11-12 को छोड़कर योजना के तहत छात्रवृत्ति से वंचित छात्र-छात्राओं के लिए समय सारणी जारी की गई है।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत ने बताया कि संस्थाओं को डाटाबेस में शामिल होने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग के उच्च कक्षाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन, शिक्षण संस्थाओं द्वारा अग्रेत्तर प्रक्रियात्मक का किए जाने के लिए समय सारणी तय की है। छात्र रजिस्ट्रेशन के लिए 31 तक कर सकता है। फाइनल प्रिंट आउट निकालना 1 नंवबर तक होगा। हार्ड कॉपी छात्र-छात्राओं द्वारा वंछित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्थाओं में जमा किया जाना 1 नवंबर तक है।

प्रतियोगिता में निदा प्रथम, अल्बाब आई द्वितीय

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में माय भारत केंद्र, जिला युवा अधिकारी कार्यालय के तत्वावधान में एक भारत, श्रेष्ठ भारत विषय पर पोस्टर निर्माण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें निदा फातिमा ने प्रथम, अल्बाब रजा खान ने द्वितीय, राजू ने तृतीय तथा तांजिया ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

यह कार्यक्रम सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में भी आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. जागृति मदान धींगड़ा ने कहा कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत यह सभी कार्यक्रम देश के युवाओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर आयोजित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. नरेश कुमार, डॉ. बिजेंद्र सिंह, डॉ.राजेश कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. अमीन उद्दीन अंसारी, डॉ. ईरम नईम, डॉ. शाहिदा परवीन, डॉ. माया भारती आदि प्रध्यापकों की सक्रिय उपस्थिति रही। संयोजन महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. नरेश कुमार तथा संचालन डॉ. प्रमोद कुमार ने किया।

चार्ट प्रतियोगिता में ताहुरा, नोवरा एवं हिफ्जा बी रहीं प्रथम

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति 5 अभियान के तहत इतिहास विभाग, शारीरिक शिक्षा विभाग एवं महाविद्यालय की रोवर्स-रेंजर्स इकाई के तत्वावधान में चार्ट प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में ताहुरा अख्तर, नोवरा जबीं एवं हिफ्जा बी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य जागृति मदान ढींगरा ने किया। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान की सार्थकता को रेखांकित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। चार्ट प्रतियोगिता में 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। चार्ट प्रतियोगिता का संचालन डॉ. मुजाहिद अली, डॉ. वीके राय, रोवर्स तथा रेंजर्स के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजेश कुमार तथा डॉ. माया भारती ने किया। डॉ. वीके राय तथा डॉ. मुजाहिद अली ने प्रतियोगिता की शुरुआत में महिला अधिकार तथा आत्मसम्मान विषय पर छात्र-छात्राओं को सारगर्भित जानकारी दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

● राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुई प्रतियोगिताएं

चार्ट प्रतियोगिता में हिस्सा लेती छात्राएं। ● अमृत विचार

न्यूज डायरी

पोस्टर प्रतियोगिता में एकता प्रथम, इरम द्वितीय रहीं

रामपुर, अमृत विचार : जिले में चलाए जा रहे तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत जिला सलाहकार डॉ. शहजाद हसन खान द्वारा जिला चिकित्सालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। पोस्टर प्रतियोगिता में नीलावेणी नर्सिंग कॉलेज की छात्रा एकता प्रथम स्थान पर, इरम नाज दूसरे स्थान पर और मोनिका तीसरे स्थान पर रही। सर्वप्रथम जिला चिकित्सालय में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें विजेता प्रतिभागियों को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बीसी सक्सेना ने पुरस्कृत किया। इसके बाद सभी छात्र-छात्राओं को तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा शपथ दिलाई गई। इस दौरान जिला चिकित्सालय के चिकित्सा तथा नर्सिंग अधिकारी एवं पैरामेडिकल स्टाफ तथा तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के सदस्य मौजूद रहे।

आंबेडकर पार्क में किया प्रदर्शन

रामपुर, अमृत विचार : आदि धर्म समाज से जुड़े लोग आंबेडकर पार्क में एकत्र हुए। उसके बाद वाल्मीकि तीर्थ अमृतसर की 27 अक्टूबर को हुई बेअदबी को लेकर आक्रोश जताते हुए प्रदर्शन किया। संगठन से जुड़े लोग एकत्र होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। जिसमें कहा कि आदि कवि वाल्मीकि के चरणों का स्पर्श प्राप्त अमृतसर की ऐतिहासिक भूमि पर पावन वाल्मीकि तीर्थ अमृतसर स्थापित है। 27 अक्टूबर को कुछ संतों ने भीड़ को उकसा कर पावन वाल्मीकि तीर्थ की घोर बेअदबी की। वाल्मीकि तीर्थ अमृतसर का पूर्ण प्रबंध श्राइन बोर्ड द्वारा देखा जाता है। दोषियों के विरुद्ध सख्त धाराओं से करवाई की जाए। इस मौके पर नवीन राही, राम किशोर, राजेश रत्न, आनंद प्रकाश वाल्मीकि, सुधीश भारती, जीवन सिंह, नीरज चौहान, अभिषेक, विकास नरेश, विकास, मुकेश कुमार, अनिल रावत, जुगेश, आदि प्रकाश, हिमेश शामिल रहे।

जब से बरसाने में आई मैं मस्ती में हूं...

मिलक, अमृत विचार : ग्राम क्योरार में श्री श्याम मित्र मंडल क्योरार के तत्वावधान में श्री श्याम खाटू वाले का चतुर्थ संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया। गणेश स्तुति और मां सरस्वती वंदना के साथ दरबार में बाबा का छप्पन भोग लगाया गया। सबसे पहले मंच का संचालन रिंकू सिंह ने किया। भजनों की शुरुआत करते हुए वृंदावन से आए चित्र विचित्र ने सर्वप्रथम बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई। उन्होंने जब से बरसाने में आई मैं बड़ी मस्ती में हूं..., मैंने मोहन को बुलाया है वह आता होगा... मेरे खाटू के सांवरियां मेरे श्याम धणी सांवरिया आदि भजनों के साथ हाजिरी लगाते हुए कीर्तन में धूम मचा दी। जिसके बाद शुभांगी सोनी ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई। इस दौरान जितेंद्र उर्फ जीतू पांडे, संरक्षक गजेंद्र शंकर पांडेय, संस्थापक रिकेश पांडेय, उपाध्यक्ष वीरेंद्र पांडे, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम पांडे, रामकिशोर पांडेय, प्रवीण पांडेय, सतीश पांडे, सुभाष पांडे आदि रहे।

प्रतियोगिता में पहला स्थान स्वलेहा फातिमा को मिला

रामपुर, अमृत विचार : पहाड़ीगेट स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में नारी सशक्तिकरण एक भ्रम अथवा यथार्थ विषयक जनपदीय डॉ. संपूर्णानंद वाद विवाद प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में शम्सी गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा स्वलेहा फातिमा ने प्रथम, कन्या इंटर कॉलेज खारी कुआं की परी ने द्वितीय, जीजीआईसी किला की काव्यांशी भारद्वाज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विपक्ष में शम्सी गर्ल्स इंटर कॉलेज की सादिया ने प्रथम, राजकीय खुर्शीद बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा नफेआ ने द्वितीय एवं कन्या इंटर कॉलेज खारीकुआं की बबली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य मोहन स्वरूप गंगवार ने कहा कि मूल्य की स्थापना में संस्कृति एवं उसमें निहित संस्कारों का सर्वोच्च स्थान है। प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद कुमार गौतम ने निर्णायक मंडल की भूमिका का निर्वहन किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में प्रवक्ता हेमलता वर्मा, राकेश कुमार भट्ट रहे।

परेशानी | सड़कें खराब होने से लगातार हो रहे हादसे, पाइपलाइन डालने के बाद ठीक से नहीं की मरम्मत

टूटी सड़कों से लोग परेशान, नहीं हो रही कहीं सुनवाई

अमृत विचार अभियान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : वार्ड 4 के कई मोहल्लों में सड़कें और नालियां टूटी पड़ी हैं, इसके चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस बारे में मोहल्ले वासी कई बार सभासद और अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन स्थित जस की तस बनी है।

कॉलोनी के लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी हो रही है। मंदिर के पास गंदगी पड़ी होने के कारण लोगों को परेशानी आती है। ज्वालानगर में बसी कॉलोनी में वार्ड 4 में काफी बड़ा है। जिसमें इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी, कुछ हिस्सा कृष्णा विहार, अजीतपुर और साईं विहार भी लगता है। लेकिन सभी मोहल्लों की हालत बद से बदतर हो चुकी है। सड़क से लेकर नालियां तक टूटी पड़ी है। यहीं नहीं कई-कई स्थानों पर कूड़ा पड़ा होने के कारण भी लोग परेशान है। पास में ही बने मंदिर में भी लोगों को काफी दिक्कतें आ रहीं हैं। लोगों का कहना है कि कई बार सफाई को लेकर अधिकारियों से मिल चुके हैं, लेकिन उसके बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है।

वार्ड चार में टूटी सड़क।

पाइपलाइन डलने के बाद से सड़कें बदहाल

वार्ड 4 के गली 4 में रहने वाले लोगों का कहना है कि कुछ माह पहले सरकारी पानी की पाइपलाइन डाली गई थी। इस दौरान सड़कों को खोद दिया गया था। उसके बाद पाइप लाइन को डाला गया, लेकिन सड़क की मरम्मत नहीं की गई है। जिससे रात के समय कई बार हादसे हो चुके हैं। सभासद से शिकायत की थी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी है।

जल निगम के कर्मचारियों द्वारा सड़क खोदकर पाइप लाइन डाली गई थी। उसके बाद मरम्मत नहीं की है। इस बारे में लिखकर दिया गया है। साथ ही नालियों को बनवाए जाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। त्योहार निपटने के बाद काम शुरू किया जाएगा।

– विनोद कश्यप, वार्ड 4 सभासद

गली चार में पिछले काफी समय से सड़क टूटी पड़ी है। इस बारें में कई बार मोहल्लेवासी अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं लेकिन कोई भी अधिकारी देखने के लिए नहीं जाता है।

– अनूप सागर

कई माह पहले मोहल्ले में पानी की पाइप लाइन डाली गई थी। इस दौरान सड़क को खोदा गया था। उसके बाद सड़क की मरम्मत नहीं की गई। जिससे सड़क जगह-जगह से टूटी पड़ी है। – संदीप कौशिक

नालियां टूटी पड़ी है। बारिश होने के समय पानी सड़क पर भर जाता है। पानी घरों तक में आ जाता है। नालियों का निर्माण नहीं कराया जा रहा है। कई बार नगर पालिका के अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है।

– अंशुल शास्त्री

मोहल्ले में सड़क टूटने की बहुत बड़ी समस्या है। जिससे लोगों को काफी समस्या का सामना करना पड़ता। महिलाएं सड़क पर निकलती है तो गिर जाती हैं। जिससे घायल तक हो चुकी है। उसके बाद भी सभासद मरम्मत नहीं करा पा रहे हैं।

– गीता

अमृत विचार

मुरादाबाद, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सास से कहासुनी के बाद महिला ने पीया कीटनाशक

चंदौसी, अमृत विचार : थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव आटा निवासी महिला धारावती (24) पत्नी देवेंद्र ने बुधवार को आत्मघाती कदम उठा लिया। धारावती की सास मंगो देवी ने बताया कि बुधवार को सुबह उसका बेटे देवेंद्र से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद धारावती ने भी झगड़ा करना शुरू कर दिया। झगड़े के बाद धारावती ने कमरे में जाकर कीटनाशक का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे चंदौसी सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद महिला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

आधा दर्जन नलकूपों से स्टार्टर चुरा कर ले गए चोर

बहजोई, अमृत विचार : एक ही रात में चोरों ने बहजोई के गांव राजा का मझोला में नाहिद अली, साजिद अली, युसूफ, शमशाद, दुलिराम व शाहजहां के खेतों पर लगे नलकूप के स्टार्टर चुरा लिए और फरार हो गए। किसानों ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने को कोतवाली में तहरीर दी है। जबकि पुलिस तहरीर मिलने से इनकार कर रही है।

कटर मशीन की चपेट में आकर किसान की मौत

खेत में पशुओं के लिए बाजरा निकालते समय तेज गति चल रही मशीन ने किसान को चपेट में ले लिया

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: थाना गुन्नौर क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में किसान की ट्रैक्टर कटर मशीन में फंसकर मौत हो गई। खेत में पशुओं के लिए बाजरा निकालते समय तेज गति से चल रही मशीन ने किसान को अपनी चपेट में ले लिया। परिवार और ग्रामीणों ने उसे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक प्रताप सिंह।

थाना गुन्नौर क्षेत्र के गांव झुकेरा निवासी 42 वर्षीय किसान प्रताप सिंह पुत्र रामनिवास बुधवार दोपहर करीब 2 बजे ट्रैक्टर कटर मशीन से पशुओं के लिए बाजरा काट रहे थे। इसी दौरान अचानक मशीन का संतुलन बिगड़ने से प्रताप सिंह मशीन की चपेट में आ गए। तेज धार वाले ब्लेड से गंभीर रूप से घायल हुए किसान की चीख सुनकर परिवार जन और ग्रामीण मौके पर दौड़े। ग्रामीणों की मदद से घायल किसान को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घर पहुंचने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। थानाध्यक्ष अखिलेश प्रधान ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभ में परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार किया, लेकिन समझाने-बुझाने के बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

बैंक गए ग्रामीण का जंगल में मिला शव, हत्या का आरोप

संभल, **अमृत विचार :** थाना धनारी क्षेत्र में घर से बैंक में काम से गये ग्रामीण का शव जंगल में पड़ा मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई है। तहसील गुन्नौर के थाना धनारी की सुल्तानगढ़ पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव हिम्मतपुर में बुधवार सुबह करीब 8 बजे ग्रामीणों ने खेत के पास एक शव देखा तो मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर धनारी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने काफी देर तक प्रयास किया तो शव की शिनाख्त 40 वर्षीय रामौतार पुत्र अमर सिंह निवासी गांव गढ़ी बिचौला, थाना धनारी के रूप में हुई। जानकारी मिलने पर रामौतार के परिजन भी मौके पर पहुंच गये। परिजनों ने बताया कि रामौतार मंगलवार सुबह करीब 10 बजे घर से बैंक में लोन कराने के लिए कागज लेकर निकला था। देर रात तक वापस न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। शाम 7 बजे मृतक की अपनी पत्नी संतोष से आखिरी बार फोन पर बात हुई थी। उसने बताया था कि वह गढ़ी बिचौला गांव में कैंटीन पर है और थोड़ी देर में घर आएगा। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। मृतक अपने पीछे पत्नी, तीन बेटे और एक बेटी को छोड़ गया है, जिनमें एक बेटा दिव्यांग है। परिजनों ने हत्या कर शव फेंके जाने का अंदेशा जाहिर कर हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग उठाई। पुलिस ने हंगामा कर रहे ग्रामीणों को किसी तरह समझा कर शांत किया। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई परिजनों की शिकायत के आधार पर की जाएगी।

मृतक रामौतार।

धनारी में साक्ष्य संकलन करते फॉरेंसिक टीम के सदस्य। ● अमृत विचार

स्काउट, गाइड शिविर से जागती है सेवा और नेतृत्व की भावना

छात्राओं से जानकारी करतीं जिला स्काउट गाइड कमिश्नर संगीता भार्गव।

कार्यालय संवाददाता,संभल/चंदौसी

अमृत विचार: रामबाग रोड स्थित न्यू सत्यम एकेडमी में तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड शिविर का समापन बड़े उत्साह और अनुशासन के साथ किया गया। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, सेवा भावना और नैतिक मूल्यों का विकास करना था।

शिविर में जिला संगठन आयुक्त मीनू सिंह एवं सहयोगी नीलम कुमारी ने स्काउट गाइड की रूपरेखा, इतिहास और उद्देश्य पर विस्तृत जानकारी दी। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, लघु नाटक और समूह प्रस्तुतियों जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इन गतिविधियों ने बच्चों में आत्मविश्वास, सहयोग और नेतृत्व भावना को प्रोत्साहित किया। समापन दिवस पर विद्यालय की प्रबंधक नमिता चौधरी, स्काउट गाइड कमिश्नर संगीता भार्गव, एएसओसी बृजेश कुमार पाठक तथा मेजर शशिकांत गुप्ता ने शिविर में प्रतिभाग करने वाली विभिन्न टोलियों का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों की लगन, अनुशासन तथा रचनात्मकता की सराहना की। प्रधानाचार्य सतीश चंद्र गंगवार ने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होते हैं।

खेत में ईंटें डालने पर मारपीट, छह घायल

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: थाना नखासा क्षेत्र के सलारपुर गांव में खेत में ईंटें डालने को लेकर बुधवार को दो पक्षों में जबरदस्त विवाद हो गया। मामूली कहासुनी के बाद बात इतनी बढ़ गई कि दोनों ओर से लाठी-डंडे चल गए। इस संघर्ष में एक महिला सहित छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अचानक हुए झगड़े से गांव में अफरा-तफरी मच गई।

सलारपुर निवासी मुकीम पुत्र जकी अपने खेत में आलू की फसल की देखभाल कर रहा था। इसी दौरान गांव के ही जुबेर, अतीक, कासिम, मसरूफ, उवैश और ताहिर अपने साथियों के साथ पहुंचे और खेत में ईंटें डालने लगे। इससे आलू की फसल को नुकसान पहुंचने लगा। जब मुकीम ने इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और जुबेर पक्ष के लोगों ने मुकीम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर मुकीम के परिजन मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करने लगे, लेकिन तभी दूसरा पक्ष और भड़क गया। दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे। झगड़े में मुकीम, अली मोहम्मद, गुड्डू, फरमान, अकरम और फरमान की पत्नी मेहताब जहां गंभीर रूप से घायल हो गए।

जिला अस्पताल में इलाज कराने पहुंचे घायल लोग। ● अमृत विचार

● खेत में ईंटें डालने से आलू की फसल को पहुंचा नुकसान

घटना की सूचना मिलते ही परिजन घायलों को लेकर थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर सभी घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

किशोरी से दुष्कर्म मामले में चारों आरोपी गिरफ्तार

संभल/मनोटा, अमृत विचार: ऐचौडा कम्बोह पुलिस ने खेत पर मां के पास जा रही किशोरी के साथ दुष्कर्म मामले में एक बाल अपचारी सहित चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मंगलवार को किशोरी के पिता ने मुकदमा दर्ज कराया था कि उसकी बेटी खेत में काम कर रही अपनी मां के पास जा रही थी। गांव के ही एक चार युवकों ने रास्ते मेंकिशोरी को दबोच लिया और एक ईख के खेत में ले गए। दो युवकों ने दुष्कर्म किया। जबकि दो युवक खेत के बाहर खड़े रहे। थाना प्रभारी मोहित काजला ने बताया कि इस मामले में आरोपी त्रिलोसी, हिमांशु, मोन्टी व एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। चारों को अदालत में पेश किया गया जहां से अदालत के आदेश पर उन्हें जेल जबकि बाल अपचारी को बाल सुधार गृह भेज दिया गया।

खाद के लिए किसानों की मुसीबत नहीं हो रही कम

संवाददाता,बहजोई

अमृत विचार: खाद को लेकर सहकारी समितियां पर खासी मारामारी हो रही है। भीड़ ऐसी उमड़ रही है कि जितने किसान खाद लेने के लिए आते हैं उनमें से तमाम को निराश होकर बिना खाद लिये वापस लौटना पड़ता है। भीड़ को काबू करने को लेकर पुलिस का भी सहारा लेना पड़ रहा है। सुबह से लेकर शाम तक किसान लंबी लंबी कतरों में खड़े रहते हैं।

खाद की जरूरत ऐसी की किसान सुबह 6:00 बजे से ही खाद लेने को लेकर रेलवे रोड स्थित बहजोई सहकारी संघ, बहजोई सहकारी समिति व रायपुर सहकारी समिति पर खाद लेने को लेकर पहुंच जाते हैं और सुबह से ही लंबी-लंबी कतारों में खड़े हो जाते हैं। किसान सहकारी समिति खुलने का इंतजार करते रहते हैं। लंबी-लंबी कतारों में लगने के बाद भी किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। जैसे ही सहकारी समिति कार्यालय खुलता है वैसे ही खाद को लेकर मारामारी शुरू हो जाती है। कुछ किसानों को तो खाद मिल जाती है। लेकिन बहुत से किसान सुबह से लेकर शाम तक सहकारी समिति पर रहते हैं। बावजूद इसके उनके हाथ खाद नहीं लग पाती है।

रमपुरा के किसान थान सिंह का कहना था कि वह तीन दिन से खाद लेने आ रहे हैं। लेकिन उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है। वह रोज ही खाली हाथ वापस लौट जाते हैं। वहीं श्रीनगर कनेटा के किसान राजवीर सिंह का कहना था कि खाद को लेकर इतनी भीड़ हो रही है कि उन्हें खाद ही नहीं मिल पाती है। धक्का मुक्की के साथ-साथ पुलिस की गालियां भी सुननी पड़ रही है। लेकिन खाद नहीं मिली बहरहाल खाद की जितनी जरूरत किसानों को है। उसकी जरूरत के हिसाब से खाद भी नहीं मिल पा रहा है। ज्यादातर किसान खाली हाथ ही वापस लौट रहे हैं।

बहजोई में खाद के लिए साधन सहकारी समिति पर कतार में लगे किसान। ● अमृत विचार

● सुबह 6 बजे से लाइन में लगने के बाद शाम को मायूस लौट जाते हैं

● जिला प्रशासन के भरपूर खाद होने के दावे हवा हवाई साबित

स्कूल से लौट रही छात्रा से छेड़छाड़, युवक हिरासत में

संभल/कैला देवी, अमृत विचार: एक मनचले ने स्कूल से लौट रही छात्रा से छेड़छाड़ कर पकड़कर खींचने का प्रयास किया। छात्रा के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने मनचले को पकड़ कर पहले सबक सिखाया फिर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

कैला देवी थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव निवासी एक छात्रा बुधवार को अमरोहा जनपद के आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव बहादरपुर मिश्र में कॉलेज में पढ़कर घर लौट रही थी। एक बाइक सवार युवक छात्रा का पीछा करने लगा। छात्रा गांव के नजदीक पहुंची तभी मनचले ने छात्रा से छेड़छाड़ करते हुए खींचने की कोशिश की। मनचले की हरकत से छात्रा सहम गई लेकिन उसने साहस दिखाते हुए युवक को धकेलकर खुद कर छुड़ाने का प्रयास किया साथ ही मदद के लिए शोर मचा दिया। छात्रा ने शोर मचाया तो युवक ने गला भी दबाया।

छात्रा का शोर सुनकर राहगीर और खेतों में काम कर रहे लोग दौड़ पड़े। मनचले ने भागने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़कर सबक सिखाया बाद में पुलिस को सूचना दी गई तो पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। युवक को बाइक सहित पुलिस के हवाले कर दिया गया।

● ग्रामीणों ने युवक को पकड़कर जमकर पीटा

टीईटी: 21 को दिल्ली में जुटेंगे शिक्षक

संवाददाता,बहजोई

अमृत विचार: टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष का शिक्षकों ने जोरदार स्वागत किया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दफ्तर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दिनेश चंद शर्मा ने कहा कि उच्च न्यायालय का फैसला संविधान की भावना के विपरीत है। 20-25 वर्षों से कार्य कर रहे शिक्षकों से वर्तमान में शिक्षक भर्ती के लिए निर्धारित न्यूनतम योग्यता टीईटी का आदेश देना न्याय संगत नहीं है। उन्होंने कहा कि टीईटी अनिवार्यता के विरोध में देशभर के शिक्षकों ने टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया खड़ा किया है। जिसके नेतृत्व में दिल्ली के रामलीला मैदान में 21 नवंबर को लाखों शिक्षक जुटेंगे।

संभल से अधिक से अधिक संख्या में शिक्षक इस आंदोलन को सफल बनाएंगे। उन्होंने जिला मंत्री लायक सिंह यादव को 25 बसों से शिक्षकों को ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उच्च न्यायालय में रिव्यू पिटीशन दाखिल कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से भी दो रिव्यू पिटीशन उच्चतम न्यायालय में दाखिल की गई है। संयुक्त मंत्री मुकेश गोयल, कोषाध्यक्ष मोहम्मद रईस, देवेश प्रताप सिंह, पंकज शर्मा, अनिल शर्मा, मोहित गोयल, अतुल शंकर चौधरी, नीतू अग्रवाल, मोनिका सिंह, पूजा अग्रवाल, प्रियंका, लोकेश भारद्वाज सहित जिले भर के शिक्षक मौजूद रहे।

बहजोई में शिक्षकों को संबोधित करते दिनेश शर्मा। ● अमृत विचार

● राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश शर्मा का शिक्षकों ने किया जोरदार स्वागत

न्यूज डायरी

मैजिक शो में जादू के करतब देख रोमांचित हुए बच्चे

संभल, अमृत विचार : मिशन इंटरनेशनल एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रेड क्रॉस सोसायटी के सौजन्य से मैजिक शो का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्या ने रेडक्रॉस सोसायटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के मनोरंजन के साथ-साथ उनके बौद्धिक विकास में भी सहायक होते हैं। जादूगर ने अपने कौशल से बच्चों को मुग्ध कर दिया। उन्होंने वस्तुओं को गायब कर देने, रंग बदलने और अदृश्य कर देने जैसे करतब दिखाए जिन्हें देखकर बच्चे रोमांचित हो उठे। पूरा विद्यालय प्रांगण बच्चों की तालियों और उत्साह से गूंज उठा। कार्यक्रम के अंत में जादूगर ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और सकारात्मक सोच आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालय की डायरेक्टर शबाना कौसर व शिक्षक मौजूद रहे। विद्यालय के मैनेजर मुशीर खान तरीन ने कहा कि ऐसे रचनात्मक और मनोरंजक आयोजन विद्यार्थियों की सोच और दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

बहजोई, अमृत विचार : सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में पुलिस स्मृति दिवस व राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुलिस कर्मियों ने शहीद स्मारक पर पहुंचकर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पीएसी बैंड की धुन पर शहीदों को याद किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित शहीद स्मारक पर इंस्पेक्टर क्राइम अजीत सिंह के नेतृत्व में पहुंचे पुलिसकर्मियों ने पुष्प अर्पित कर जहां एक ओर श्रद्धांजलि दी तो वहीं पीएसी बैंड की धुनों के साथ शहीदों को याद किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर एकता दिवस भी मनाया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन के बारे में बताया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने किया थाना चंदौसी का निरीक्षण

चंदौसी, अमृत विचार : अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह ने बुधवार को थाना चंदौसी का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने थाना कार्यालय, आगंतुक कक्ष, हवालात, बैरक, महिला हेल्प डेस्क, सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष, शस्त्रागार, भोजनालय और सीसीटीएनएस कार्यालय का निरीक्षण किया। कहा कि ले प्रत्येक व्यक्ति के साथ शालीनता से व्यवहार किया जाए तथा महिला हेल्प डेस्क पर पीड़ित महिलाओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी चंदौसी मनोज कुमार सिंह, थाना प्रभारी मोहित चौधरी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अखंड भारत बनाने में सरदार पटेल की अहम भूमिका

चंदौसी, अमृत विचार : एनकेबीएमजी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में निबंध प्रतियोगिता एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की नोडल अधिकारी व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रियंका ने स्वयंसेविकाओं को बताया कि 562 से अधिक रियासतों में बटें हुए भारत देश को अखंड भारत बनाने में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है। इसी कारण 31अक्टूबर पटेल जयन्ती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल एकीकृत भारत के निर्माता'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्या प्रोफेसर संगीता गोयल ने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में किए गए महान योगदानों के बारे में जानकारी दी। दूसरे चरण में महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

24 घंटे पहले अचानक पालिका बोर्ड की बैठक स्थगित

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल नगर पालिका परिषद बोर्ड की कई माह बाद बुलाई गई बैठक 24 घंटे पहले अचानक स्थगित कर दी गई। बैठक स्थगन का पत्र जारी होने के साथ ही नगर पालिका कार्यालय पर पीएसी के जवान भी तैनात नजर आए। पालिका प्रशासन की तरफ से कहा गया कि अध्यक्ष के स्वास्थ्य कारणों की वजह से बैठक की स्थगित की गई है।

नगर पालिका परिषद संभल की बोर्ड बैठक के लिए जो एजेंडा जारी किया गया था उसके मुताबिक बृहस्पतिवार को दोपहर 1:00 बजे कैंप कार्यालय सभा कक्ष में पालिका बोर्ड की बैठक होनी थी। पालिका बोर्ड की बैठक लगभग 6 माह की अंतराल के बाद बुलाई गई थी। बैठक का एजेंडा जारी होने के साथ ही नगर पालिका में अध्यक्ष के पक्ष और विपक्ष के सभासद अपनी-अपनी खेमेबंदी में जुट गए थे। इस हालात के बीच बैठक से ठीक 24 घंटे पहले बुधवार को दोपहर 1:00 बजे नगर पालिका परिषद संभल की तरफ से पालिका बोर्ड बैठक स्थगन की सूचना जारी कर दी गई। बड़ा सवाल यही खड़ा हुआ कि आखिर ऐसा क्या हुआ जिसकी वजह से अचानक नगर पालिका परिषद बोर्ड की लंबे समय के बाद होने वाली बैठक को स्थगित करना पड़ गया।

संभल में नगर पालिका कार्यालय पर तैनात पीएसी के जवान। ● अमृत विचार

● कार्यालय पर पीएसी तैनात बृहस्पतिवार को दोपहर 1:00 बजे से होनी थी बैठक

घटनाक्रम यह भी हुआ कि इधर बैठक स्थगन की सूचना नगर पालिका कार्यालय से जारी की गई उधर नगर पालिका परिषद कार्यालय के बाहर पीएसी के आधार दर्जन जवान तैनात हो गए। इस सारे घटनाक्रम को लेकर नगर पालिका प्रशासन कुछ भी बोलने से बच रहा है। बस इतनी बात कही जा रही है की नगर पालिका परिषद अध्यक्ष के स्वास्थ्य कारणों की वजह से बैठक को स्थगित किया गया है। चेयरमैन पति मुशीर खान ने बताया कि चेयरमैन के पैर में फ्रेक्चर की वजह से प्लास्टर लगवाना पड़ा है। इसी वजह से बैठक स्थगित की गई है। जल्द ही बोर्ड बैठक होगी।

कैंप कार्यालय पर बैठक को लेकर भी थी आपत्ति

नगर पालिका परिषद बोर्ड की बैठक नगर पालिका के सभागार में आयोजित होती रही है। ढाई दशक पहले जब सरायतरीन की रहने वाली तरन्नुम अकील पालिका की अध्यक्ष थीं तब दो-तीन बार नगर पालिका परिषद बोर्ड की बैठक नगर पालिका के सरायतरीन स्थित उप कार्यालय पर आयोजित हुई। इस बार नगर पालिका अध्यक्ष के कैंप कार्यालय पर बैठक आहूत की गई तो इसे लेकर आपत्ति के शुरू उठ रहे थे। कहा जा रहा था की बोर्ड की बैठक पालिका सभागार में ही होनी चाहिए। कहा जा रहा था कि शासनादेश के अनुसार पालिका सभागार के अलावा कहीं दूसरी जगह पर बोर्ड बैठक आयोजित नहीं की जा सकती।

भारत विकास परिषद ने वृद्धों को कराया भोजन

चंदौसी, अमृत विचार: भारत विकास परिषद शाखा चंदौसी के तत्वावधान में बुधवार को कैथल गेट स्थित वृद्धाश्रम में अन्नकूट प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शाखा की महिला संयोजिका डॉ. सुमन गुप्ता, उनके पति नागेश गुप्ता, पुत्र आकाश गुप्ता एवं पुत्रवधू निकिता प्रसाद की ओर से आयोजित किया गया। द्धजनों को बड़े आदर, स्नेह और सम्मान के साथ अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण कराया। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। अंत में वृद्धजनों को दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी वितरित की गईं। शाखाध्यक्ष प्रभात कृष्णा, सचिव विपिन कुमार, डीसी गुप्ता, भावना गुप्ता, दृगपाल सिंह, डॉ. जयशंकर दुबे, जगदीश चंद्र राणा, महेश्वरी देवी, अनुपम गुप्ता, माधुरी खंडेलवाल एवं आश्रम के स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

न्यूज ब्रीफ

नीलगाय से टकराए बाइक सवार, तीन घायल

हसनपुर, अमृत विचार : बुधवार को आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव सिंमथला निवासी हनीफ पुत्र मुन्ना, पत्नी जायदा व साले शाहिद के साथ बाइक से दवाई लेकर गांव लौट रहे थे। रहरा थाना क्षेत्र के चंदनपुर व दौरारा के बीच उनकी बाइक से नीलगाय टकरा गई। बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। परिजनों ने घायलों को नगर के निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया है।

अंत्येष्टि स्थल का किया भूमि पूजन

अमरोहा,अमृत विचार : बुधवार को ग्राम पंचायत घंसूरपुर बामनिया के मजरा कोठीपुरा में नदी किनारे अंत्येष्टि स्थल का भूमि पूजन अमरोहा ब्लॉक प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने किया। सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि भाजपा सरकार सभी वर्गो को समर्पित है। विकास खण्ड अधिकारी नीरज कुमार गर्ग, भाजपा जिला उपाध्यक्ष चौधरी भूप सिंह, ग्राम प्रधान संजय सिंह गुर्जर, ग्राम पंचायत अधिकारी योगेन्द्र सिंह, पंकज शर्मा, रामवीर सिंह, ग्राम प्रधान विजेंद्र सिंह, बोवी गुर्जर, संतोष सिंह गुर्जर, पप्पू सिंह गुर्जर, सुरेंद्र सिंह गुर्जर, शीशराम, विवेक तोमर, सोहित तोमर, राम सिंह गुर्जर, अनिल जिंदल आदि मौजूद रहे।

मारपीट में घायल ग्रामीण मेरठ रेफर

अमरोहा, अमृत विचार : डिडौली क्षेत्र के गांव पतेई खालसा निवासी मीरा ने पुलिस को तहरीर दी कि 20 अक्टूबर की शाम उसके पति चिरंजी खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर घर लौट रहे थे। रास्ते में लोकेश ने बाइक ट्रैक्टर के आगे लगा दी और गाली गलौज करने लगा। पति ने विरोध किया तो लोकेश का पिता शिवचरण मारपीट पर उतर आया। चिरंजी का भाई यशपाल, उसकी पत्नी पुष्पा और मीरा ने भी मारपीट की। आरोपी के अन्य परिजनों ने भी हमला कर दिया। पति को बचाने के प्रयास में उसे भी मारा-पीटा। गंभीर घायल चिरंजी की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने मेरठ रेफर कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली।

तिगरी गंगा मेले में स्नान करते बड़ी संख्या में श्रद्धालु। ● अमृत विचार

तिगरी गंगा मेले में रात में रोशनी से जगमगाते झूले। ● अमृत विचार

तिगरी गंगा में अठखेलियां करतीं किशोरियां। ● अमृत विचार

उमड़ रहा श्रद्धालुओं का सैलाब, स्नान के लिए केवल सात घाट

अव्यवस्थाओं से जूझ रहे श्रद्धालु, बुधवार तक पांच लाख से ज्यादा स्नानार्थियों के पहुंचने का जताया गया अनुमान

कार्यालय संवाददाता अमरोहा/ गजरौला

अमृत विचार : तिगरी गंगा मेले में अब तक 5 लाख से ऊपर श्रद्धालु पहुंच चुके हैं लेकिन प्रशासन द्वारा अभी तक स्नान के लिए सही तरीके से घाटों का इंतजाम नहीं किया है। सात घाटों को छोड़कर स्नान करने के लिए कोई सही घाट नहीं है। जिसके चलते श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।गंगा घाटों के किनारे महिलाओं की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम बनवाए गए हैं। लेकिन इस बार श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा होने के कारण चेंजिंग रूम कम पड़ रहे हैं। तिगरी गंगा मेले का एक नवंबर को शुभारंभ होगा। इसके बाद श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ेगा।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हर वर्ष लगने वाले तिगरी गंगा मेले में इस बार अव्यवस्थाएं देखने को मिल रही हैं। हर वर्ष गंगा मेले पर समय से श्रद्धालुओं के स्नान के लिए घाट बना दिए जाते थे परंतु इस बार देरी से शुरू की गई तैयारीयों के चलते घाट नहीं बन सके। अनुमान है कि इस बार कार्तिक पूर्णिमा पर तिगरी गंगा में 30 से 35 लाख श्रद्धालु स्नान करेंगे। मेले को भव्य, दिव्य बनाने के लिए जिला प्रशासन पिछले करीब एक महीने से काम कर रहा है। श्रद्धालुओं को स्नान करने में दिक्कत का सामना न हो इसके लिए 21 घाट बनाने का निर्णय लिया गया जिनको बनाने की जिम्मेदारी बाढ़ खंड विभाग को सौंपी गई। विभाग ने स्नान घाट बनाए जाने के लिए स्थान का चयन कर काम शुरू कर दिया लेकिन गंगा द्वारा लगातार कटान किया जा रहा है और कई जगह पानी की गहराई भी अधिक है। इसके चलते सेक्टर दस से 21 के बीच स्नान घाट पर डुबकी लगाना खतरे से खाली हीं है। किनारे पर ही जल की 15 से 20 फीट गहराई है। कटान के कारण ही किनारे से श्रद्धालुओं को हटाया जा रहा है। गंगा द्वारा किए जा रहे कटान और जल अधिक होने के कारण यह निर्णय लिया गया है कि अब सात स्नान घाट ही रहेंगे। एक-एक स्नान घाट पर तीन-तीन सेक्टर के श्रद्धालु स्नान करेंगे। मंडलायुक्त, जिले के प्रभारी मंत्री व स्थानीय जनप्रतिनिधि गंगा में दुग्धाभिषेक कर एक नवंबर को मेले का विधिवत शुभारंभ करेंगे। मेला छह नवंबर तक चलेगा। सीडीओ अश्विनी कुमार मिश्रा ने बताया कि सभी तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है।

तिगरी मेले में लगा मौत का कुंआ। ● अमृत विचार

गंगा की रेती पर कबड्डी खेलते युवा। ● अमृत विचार

● ऐतिहासिक तिगरी गंगा मेले का एक नवंबर को होगा शुभारंभ

एकादशी पर लाखों श्रद्धालु करेंगे स्नान

देवोत्थान एकादशी पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगाएंगे। सूरज की किरण निकलने से पहले ही हर-हर गंगे के उद्घोष संग श्रद्धालुओं के गंगा स्नान का सिलसिला शुरू हो जाएगा। स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। गंगा किनारे धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। कार्तिक पूर्णिमा पर तिगरी गंगा में स्नान कर पुण्य कमाने के लिए कई दिन से तंबुओं में रहने वाले श्रद्धालु देवोत्थान एकादशी व पूर्णिमा का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

रोशनी से नहाया मेला स्थल

तिगरी मेला स्थल दूधिया रोशनी से नहाया हुआ है। मेला स्थल में रात में भी दिन सा नजारा दिखाई दे रहा है। मेले में लगे झूले, खेल-खिलौनों की दुकानें बच्चों के साथ बड़ों के भी आकर्षण का केंद्र बनी हैं। इसके साथ ही चाट-पकोड़ी, व चाइनीज खाने की डिश भी खूब लुभा रही है। महिलाएं भी मेले में जमकर खरीदारी कर रही हैं। मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी जमकर आनंद लिया।

युवाओं ने दिन में कई बार गंगा में किया स्नान

युवाओं ने गंगा में दिन में कई बार गंगास्नान किया। दिन में मौसम में अभी गर्मी है। ऐसे में युवा तिगरी गंगा मेले में स्नान का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। सुबह के अलावा युवा दिन में कई बार गंगा में स्नान करते दिखाई देते हैं। वहीं घाटों के किनारे रेत इकट्ठा करके उस पर लेट लगा रहे हैं। बहुत से युवा तो गंगा किनरे कबड्डी खेलने के साथ ही मस्ती कर रहे हैं।

गंगा में डुबी मां-बेटी को गोताखोरों ने बचाया

तिगरी गंगा मेले में गंगा में स्नान करते समय मां-बेटी डूब गईं जिससे श्रद्धालुओं के बीच हड़कंप मच गया। गोताखोरों ने मां-बेटी को बचा लिया। बुधवार की दोपहर तिगरी गंगा मेले में मुख्य गंगा घाट पर स्नान करने के लिए गई मां-बेटी गहरे पानी पहुंच गई। जिसके बाद मां-बेटी गंगा में डुबने लगी। इस बीच वहां मौजूद श्रद्धालुओं ने शोर मचा दिया। शोर-शराबा होने पर मौके पर पहुंचे गोताखोरों ने गंगा में कूदकर समय के रहते मां-बेटी को बचा लिया।

तिगरी गंगा मेले में पहुंचने लगे स्काउट गाइड

तिगरी गंगा मेले में 45 स्कूल-कॉलेजों के 450 स्काउट गाइड बिछड़े बच्चों और वृद्धों को परिजनों से मिलाएंगे। वह मेले में प्रमुख चौराहों पर रह कर अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। सदर चौक के पास उनका शिविर है। कार्तिक पूर्णिमा पर लग रहे हर वर्ष की तरह इस बार भी तिगरी गंगा मेले में स्काउट एवं गाइड का शिविर लगाया गया है। जिसमें जिलेभर के 45 स्कूल व कॉलेजों के 450 स्काउट एवं गाइड छात्र मेले में पहुंचने लगे हैं। वह मेले में अपनों से बिछड़ों को मिलाने का काम करते हैं। मेले परिसर में जो भी बच्चा या बुजुर्ग खो जाता है, उसे खोया-पाया केंद्र पर लाकर एलान कराते हैं।

सड़क पर जल भराव ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

गंदे पानी में खड़े होकर प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के एक गांव में जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण गांव का गंदा पानी मुख्य मार्ग पर एकत्र हो गया। जिसके कारण ग्रामीण एवं राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जल भराव के विरोध में ग्रामीणों ने गंदे पानी में खड़े होकर प्रदर्शन किया और समस्या का समाधान कराने की मांग की।

ब्लॉक क्षेत्र के गांव बोना वाली डगरोली में जल निकासी के लिए कोई नाले का प्रबंध नहीं है जिसके कारण गांव का गंदा पानी मुख्य मार्ग पर एकत्र हो जाता है, मुख्य मार्ग पर जल भराव की समस्या को लेकर ग्रामीणों को भारी परेशानियां उठानी पड़ती है। बुधवार को ग्रामीण एकत्र हुए और गंदे पानी में खड़े होकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार ग्राम प्रधान से नाला बनवाने की मांग की गई थी लेकिन ग्राम प्रधान द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जाता है । जिसके कारण गांव के मुख्य मार्ग पर लगभग सात महीने से जल भराव की समस्या बनी रहती है। वही ग्रामीणों ने कहा कि गंदे पानी के एकत्र होने के कारण गांव में बीमारी फैलने का भी डर बना हुआ है। ग्रामीणों द्वारा चेतावनी दी गई है कि अगर ग्राम प्रधान द्वारा जल्द ही जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई तो वह जनपद के उच्च अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे। प्रदर्शन करने वालों में हरिदास ,नौबत, विनोद, यशपाल, मनोहरी, राजवीर सिंह, सोमपाल, पवन, ब्रह्मपाल ,भरत सिंह, विवेक, लखमी सिंह ,तेजपाल, भूप सिंह आदि मौजूद रहे।

तुम्हारी बेरुखी रिश्ता निगल गई अपना...

अमरोहा, अमृत विचार : अदबी संस्था दबिस्तान-ए-अमरोहा के तत्वावधान में मंगलवार रात मोहल्ला हक्कानी में गजल की महफिल सजाई। अध्यक्षता वरिष्ठ शायर जुनैद अकरम फारूकी ने व संचालन डा.नासिर अमरोहवी ने किया।

जुनैद अकरम फारूकी ने पढ़ा, कौन है मुरिस-ए-आला नहीं पूछा करते, यार अहबाब से शजरा नहीं पूछा करते। शीबान कादरी ने कहा, ये खिलौना तो बहुत महंगा है लेकिन वो शख्स, अपने बच्चे को रुलाना भी नहीं चाहता है। डा.नासिर अमरोहवी ने कुछ यू पढ़ा, तुम्हारी बेरुखी रिश्ता निगल गई अपना, ये बारिशें कई कच्चे घरों को ले बैठीं। मेहरबान अमरोहवी ने फरमाया, कल तक जो मेरे दोस्त मेरे साथ खड़े थे, अब उन को ही गैरों में खड़ा देख रहा हूं। माइल आफंदी ने पढ़ा, न होगा हिज्र के गुम का मदावा हम न कहते थे, बनेगा जिंदगी भर का फसाना हम न कहते थे। नाजिश मुस्तफा ने कहा, करना तो है महाल मगर कर रहे हैं हम, तेरे बगैर तय ये सफर कर रहे हैं हम। शाह फजल ने कहा, न पूछ कैसे गुजरती है वो घड़ी मुझ पर, तेरी सहेलियां लाती हैं जब पयाम तेरे। इनके अलावा जैद जैदी, इकरार सैफी, मुजम्मिल अंसारी, कोनेन असगर ने भी अपना कलाम पेश किये।

गंगा मेले में शांति व्यवस्था को एसपी ने दिए निर्देश

बैठक में निर्देश देते एसपी अमित कुमार आंनद। ● अमृत विचार

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : तिगरी गंगा मेले को सकुशल एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न कराने को लेकर बुधवार को एसपी अमित कुमार आनंद व अपर जिलाधिकारी ने मेला क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मी व प्रशासनिक अधिकारियों ब्रीफिंग की।

एसपी ने अधिकारी व कर्मचारियों को अपने-अपने दायित्वों के प्रति सतर्क एवं संवेदनशील रहते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भीड़-भाड़ वाले स्थानों, घाटों, पार्किंग स्थलों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में सतत पेट्रोलिंग, ड्रोन मॉनिटरिंग व सार्वजनिक घोषणाओं के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाएं। खोए हुए बच्चों व वृद्धों की सहायता के लिए मेला नियंत्रण कक्ष और मिशन शक्ति केन्द्र सक्रिय रूप से कार्य करें। उधर एसपी अमित कुमार आनन्द ने तिगरी मेला परिसर में निशुल्क चिकित्सा कैम्प का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि कैम्प में श्रद्धालुओं व ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के लिए प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य जांच एवं औषधि वितरण की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर एडीएम, अपर पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पत्नी से कहासुनी होने पर पति ने लगाया फंदा

हसनपुर,अमृत विचार : थाना गजरौला के गांव ओसीता जगदेपुर निवासी संजीव पुत्र नेमपाल की शादी दो वर्ष पूर्व कोतवाली क्षेत्र के गांव रुखालू निवासी रामकली पुत्री हरि सिंह के साथ हुई थी। उनका वैवाहिक जीवन ठीक नहीं चल रहा है। रामकली काफी समय से अपनी बेटी के साथ मायके में रह रही है। मंगलवार को संजीव अपनी पत्नी को लेने ससुराल आया था। किसी बात पर दोनों में विवाद हो गया तो संजीव ससुराल से चला गया। उसने डायल पुलिस को कॉल करके झगड़े की बात कही और अपना फोन बंद कर लिया। डायल 112 पुलिस ने उसे ढूंढा तो पड़ोसी गांव गुलामपुर के निकट जंगल में पेड़ पर फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने उसे तुरंत पेड़ से उतारा और सीएचसी में भर्ती कराया। संजीव के नयाब तहसीलदार मनोज कुमार ने बयान लिए। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर धुर्वेद्र सिंह ने बताया कि संजीव अब ठीक है।

जागरुकता अभियान: स्तन में गांठ नहीं दे रही दर्द तो हो सकता है कैंसर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और अमृत विचार के नारी कैंसर सुरक्षा अभियान के तहत पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल, बीएल इंटरनेशनल स्कूल और फ्यूचर विश्वविद्यालय में कार्यक्रम

अमृत विचार : महिला के स्तन में गांठ है लेकिन दर्द नहीं है और आकार बदल रहा है तो फौरन कैंसर विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लें। ये कैंसर हो सकता है। समय पर इसकी जांच और इलाज से मरीज कैंसर को मात दे सकते हैं। कैंसर ही नहीं कोई भी बीमारी जब शरीर में पनपना आरंभ होती है तो शरीर में लक्षण आने लगते हैं, बस जरूरत है इन लक्षणों को समझकर डॉक्टर से फौरन सलाह लेने की। ऐसा करने से बीमारी को मात दी जा सकती है। ये सुझाव रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रारब्ध सिंह ने दिए। बताया कि स्तन कैंसर विकसित होने के पीछे कई वजहें होती हैं।

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और अमृत विचार के संयुक्त तत्वावधान में ब्रेस्ट कैंसर जागरुकता माह के तहत तीन दिवसीय नारी कैंसर सुरक्षा अभियान के दूसरे दिन बुधवार को पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल, बीएल इंटरनेशनल और फ्यूचर विश्वविद्यालय में छात्राओं को स्तन कैंसर की पहचान और इससे बचाव के प्रति जागरूक किया गया। पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रारब्ध सिंह ने छात्राओं को बताया कि कैंसर खुद में कोई बीमारी नहीं बल्कि कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि है। जो शरीर के किसी भी अंग में, कभी भी और किसी भी उम्र हो सकती है। यह वृद्धि एक अंग से होती हुई शरीर के दूसरे भाग को भी प्रभावित कर सकती है। शरीर का न भरने वाला घाव, किसी अंग विशेष में लगातार दर्द, तेजी से बढ़ रही गांठ कैंसर की वजह हो सकती है। हां हर गांठ कैंसर नहीं होती। असंतुलित खानपान, जीवनशैली और प्रदूषण कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। इससे बचाव और जागरूकता कैंसर रोकने में कारगर है। इसके साथ ही अगर मासिक धर्म में कुछ परिवर्तन नजर आए तो फौरन डाक्टर से संपर्क करें। जैसे कि अगर 12 साल की उम्र से पहले ही मासिक धर्म शुरू हो जाए या 30 साल की आयु के बाद गर्भवती हों या 55 की उम्र के बाद मीनोपाज हो या फिर पीरियड्स का समय 26 दिनों से कम या 29 दिनों से ज्यादा का हो जाए तो सतर्क हो जाएं। इससे पहले स्कूल के चेयरमैन पारुष अरोरा ने डॉ. प्रारब्ध का स्वागत किया। स्कूल की समन्वयक वैशाली गौरी गुप्ता समेत 50 से अधिक छात्राएं मौजूद रहीं।

जानकारी के लिए संपर्क करें- mail id : **info@rohilkhandcancerinstitute.com**।

बीएल इंटरनेशनल स्कूल में जानकारी देती छात्राएं। साथ में अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार और स्कूल के डायरेक्टर योगेश गुप्ता। ● अमृत विचार

पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल में कैंसर जागरुकता कार्यक्रम में डॉ. प्रारब्ध सिंह, चेयरमैन पारुष अरोरा और समन्वयक वैशाली गौरी गुप्ता। ● अमृत विचार

हर महिला सुपर वुमन, करें जागरूक

डॉ. प्रारब्ध में कार्यक्रम का समापन करते हुए एक अनुभव साझा करते हुए बताया कि हर महिला सुपर वुमन है। जब कोई महिला कैंसर की चपेट में आती है तो पूरा परिवार बिखर जाता है, इसलिए हर महिला को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने को संकल्पित होने की आवश्यकता है। इससे स्वस्थ समाज का निर्माण होगा।

ब्लैकमेलिंग से तंग आकर प्रेमी ने की थी महिला की हत्या

संवाददाता, हसनपुर

● पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया

● मंगलवार सुबह मिला था रीना का गला रेता शव

हत्याकांड का खुलासा करते पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, पीछे खड़ा आरोपी।

अमृत विचार : महिला की गला रेतकर की गई हत्या के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। ब्लैकमेलिंग से तंग आकर प्रेमी ने उसकी गला रेतकर हत्या की थी। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू को बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

बुधवार को एसपी अमित कुमार आनंद ने प्रेस वार्ता कर घटना का खुलासा किया। दरअसल मंगलवार को गांव हथियाखेड़ा की महिलाएं गांव के निकट प्लाटिंग में उपले पाथने के लिए पहुंची तो उन्होंने देखा कि प्लाटिंग में बनी झोपड़ी के पास किसी महिला का शव पड़ा हुआ है। शव पड़े होने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की । लगभग 3 घंटे के बाद शव की पहचान हसनपुर नगर के मोहल्ला कोट पूर्वी निवासी 35 वर्षीय रीना पत्नी कुंवर पाल सैनी के रूप में हो पाई। वह फड़ लगाकर चप्पलें बेचती भी और घरों में काम करती थी।

पति की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से हत्यारोपी सलीम को धनौरा कस्बे से गिरफ्तार किया। सलीम ने बताया कि वह रेडीमेड कपड़े बेचता है। रीना के साथ उसके अवैध संबंध थे। रीना उसे लगातार पैसों के लिए ब्लैकमेल कर रही थी। दीपावली पर 20 हजार रुपए देने के बाद 3 लाख की मांग कर रही थी, साथ ही धमकी दी थी कि मांग पूरी न होने पर वह सब को सच बता देगी। लगातार ब्लैकमेलिंग से तंग आकर उसने हत्या की योजना बनाई। 27 अक्टूबर 2025 को शाम करीब 6:45 बजे सलीम रीना को मोटरसाइकिल पर बैठाकर हथियाखेड़ा के पास एक झोपड़ी में ले गया। अंधेरे का फायदा उठाकर उसने रीना की गर्दन पर चाकू से वार कर हत्या कर दी और उसका मोबाइल तथा चुन्नी लेकर मौके से फरार हो गया। हत्या के बाद उसने खून से सने कपड़े, चाकू और अन्य सामान छुपा दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर आलाकत्ल चाकू, मोटरसाइकिल मृतका की चुन्नी व टूटा हुआ मोबाइल और घटना के समय पहने कपड़े बरामद किए हैं।

डीएलएड:दूसरे दिन 376 ने छोड़ा पेपर

अमरोहा, अमृत विचार: डीएलएड के पहले सेमेस्टर की परीक्षा दूसरे दिन भी शांतिपूर्वक संपन्न हुई। बृहस्पतिवार से तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू होंगी।

बुधवार को सुबह और दोपहर की पाली में 376 परीक्षार्थियों ने पेपर छोड़ दिया। पहले सेमेस्टर की परीक्षा के लिए चार व तीसरे सेमेस्टर के लिए तीन केंद्र बनाए गए हैं। डायट प्राचार्य शाहीन ने बताया कि 27 अक्टूबर से डीएलएड की परीक्षा हो रही है। दूसरे दिन चारों परीक्षा केंद्रों पर पहले सेमेस्टर की परीक्षा हुई। पहली पाली में विज्ञान, दूसरी में गणित व तीसरी पाली में सामाजिक अध्ययन का पेपर हुआ। 1644 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 1453 ने परीक्षा दी वह 186 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे जबकि दूसरी पाली में 1673 के सापेक्ष 1433 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी वह 190 अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 30 अक्टूबर से तीन परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी।

अमृत विचार

गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

ज्ञान और आदत दोनों को ही सुधारने से मनुष्य सुधरता है।
–डॉ. राम मनोहर लोहिया, समाजवादी चिंतक

वेतनवृद्धि और प्रश्न

आठवें वेतनमान की शर्तों को सरकार द्वारा स्वीकृति मिलना सरकारी कर्मचारियों या पेंशनधारियों के लिए खुशखबरी है, तो देश की अर्थव्यवस्था, समाज, बाजार और निर्माण क्षेत्र के लिए भी व्यापक प्रभाव वाला कदम है। भारत में सरकारी क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग पांच करोड़ लोगों की आय और जीवन स्तर को प्रभावित करता है। 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और लगभग 70 लाख पेंशनधारियों को इससे आर्थिक लाभ तो होगा ही, भविष्य में राज्य सरकारें भी इसके आधार पर कार्रवाई करेंगी, तो ऐसे में प्रभावितों की संख्या बीसियों करोड़ तक बढ़ जाएगी। वेतनमान की नई व्यवस्था से आने वाला आर्थिक प्रवाह देश के आर्थिक ढांचे को नई गति देने वाला साबित हो सकता है। सिफारिशें समयबद्ध रूप से लागू होंगी, तो इसका असर अगले वित्त वर्ष से दिखेगा।

पूरी प्रक्रिया के लागू होने पर कर्मचारियों और पेंशनधारियों को औसतन 30 प्रतिशत तक का आर्थिक लाभ मिलेगा, तो इसका सीधा असर उनकी क्रयशक्ति पर पड़ेगा। स्वाभाविक तौर पर उपभोग में वृद्धि होगी, जिससे खुदरा व्यापार, बचत, निवेश, उपभोक्ता वस्तु उद्योग, वाहन, आवास और निर्माण जैसे क्षेत्रों में नई जान आएगी। बाजार और निर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। सातवें वेतन आयोग के बाद बाजारी मांग में तकरीबन 10 प्रतिशत की वृद्धि आंकी गई थी। ऐसा ही रुझान फिर संभावित है। रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल सेक्टर, ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव होगा, क्योंकि बड़ी संख्या में कर्मचारी छोटे शहरों और कस्बों में रहते हैं। इस वृद्धि से आर्थिक बोझ भी बढ़ेगा। केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन वृद्धि के अनुरूप राज्य सरकारें भी वेतन बढ़ाती हैं, तो पहले से ही भारी कर्जे में दबे राज्यों की वित्तीय स्थिति इस बोझ से चरमरा सकती है। केंद्र पर इसका यदि सालाना 1.5 लाख करोड़ रुपये तक का बोझ बढ़ेगा, तो राज्यों को मिलाकर कुल तीन लाख करोड़ रुपये तक। बेशक यह बोझ वित्तीय अनुशासन के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। संभव है कि सरकारें अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बजट में कटौती करें या नए कर लगाएं।

नैतिक और प्रशासनिक प्रश्न है कि क्या वेतन वृद्धि से कर्मचारियों का कार्य निष्पादन भी बेहतर होगा? काम काज का स्तर सुधरेगा? जिम्मेदारी का बोझ बढ़ेगा? अभी तक का अनुभव बताता है कि वेतन वृद्धि से इसका कोई रिश्ता नहीं है। सरकार को चाहिए कि वह जवाबदेही और पारदर्शिता के साथ प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन प्रणाली बनाए, तभी उच्च वेतन का लाभ उत्पादकता में परिवर्तित होगी। कर्मचारी के वेतन में उसकी दक्षता और कार्यनिष्ठा का प्रत्यक्ष संबंध हो, इसके लिए वेतन वृद्धि के साथ-साथ 'परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव' प्रणाली मजबूत करनी होगी। अधिक वेतन से रिश्वतखोरी की प्रवृत्ति घट सकती है, यह उम्मीद बेमानी है। इसके लिए वेतन वृद्धि के समानांतर ई-गवर्नेंस, ऑडिटिंग और सार्वजनिक निगरानी को नियंत्रण एवं पारदर्शिता प्रणाली को सशक्त बनाना होगा। आठवां वेतनमान केवल वेतन का सवाल नहीं है, यह जवाबदेही, उत्पादकता और सुशासन को नई दिशा देने का अवसर है।

सरहद पर खतरा बन रहे हैं अवैध धर्म स्थल

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

सरहद पर अवैध रूप से बनाए गए तमाम धार्मिक स्थल सुरक्षा के लिए खतरा माने जा रहे हैं। इन्हें हटाने की कवायद केंद्र सरकार ने शुरू कर दी है।

भारत की सरहदों के आसपास पिछले कुछ दशकों के दौरान अवैध रूप से बनाए गए धार्मिक स्थलों ने देश की सुरक्षा के सामने गंभीर समस्या का रूप धारण कर लिया है। इन पर अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने और देश-विरोधी तत्वों को शरण देने के पुख्ता सबूत भी मिले हैं। भारत-बांग्लादेश, भारत-नेपाल और भारत-पाकिस्तान सीमाओं पर ऐसे हजारों धार्मिक स्थल बिना किसी सरकारी अनुमति के खड़े किए गए। इनमें से कई तो सीधे-सीधे अवैध घुसपैठियों द्वारा बनाए गए हैं, जो स्थानीय आबादी में घुल मिलकर डेमोग्राफिक परिवर्तन लाने की साजिश कर रहे हैं। दरअसल इस समस्या की जड़ें बहुत गहरी हैं। देश की स्वतंत्रता के बाद से ही सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध निर्माण बनते रहे हैं। राजनीतिक संरक्षण और वोट बैंक की राजनीति ने इन्हें पनपने दिया, लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार ने इन पर लगाम लगाने का फैसला लिया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में सीमावर्ती जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि सीमा के 30 किलोमीटर के दायरे में सभी अवैध धार्मिक अतिक्रमणों को हटा दिया जाए। अमित शाह ने अपने निर्देश में यह भी कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे क्षेत्रों में कोई भी अवैध धार्मिक ढांचों का निर्माण न हो और जो पहले से अवैध धार्मिक स्थल बने हुए हैं, उनको तुरंत ध्वस्त किया जाए। इस निर्देश के पीछे सिर्फ एक ही उद्देश्य है कि कोई घुसपैठिया यहां आकर छुप न पाए और भारत विरोधी कोई षड्यंत्र न कर सके। भारत सरकार ने पहले भी कई बार इस बात की निशानदेही की है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल से सटे भारत की सीमाओं में तेजी से अवैध धार्मिक ढांचों का निर्माण पिछले दो दशक में हुए हैं।

गृह मंत्रालय ने जिन राज्यों को निर्देश दिए हैं, उनमें गुजरात, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख हैं। इन राज्यों की सरकारों को इस आदेश पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। केंद्र सरकार का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को अवैध निर्माणों से बचाना होगा।

बेशक, घुसपैठ के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय संतुलन तेजी से बदल रहा है और इससे देश की सीमा को खतरा उत्पन्न हो सकता है। सीमा पर बाहरी लोगों को अवैध तरीके से बसाना एक सामान्य राजनीतिक और भौगोलिक कारण नहीं है, बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र का हिस्सा भी हो सकता है। नेपाल की सीमा से लगे बिहार और उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर अवैध मस्जिदों और मदरसों का निर्माण कराया गया। इन मदरसों में बांग्लादेशी बच्चे भी पाए गए हैं। असम में भी ऐसी ही शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद असम सरकार ने मदरसों को सामान्य स्कूलों में बदलने का फैसला लिया।

सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि ये अवैध स्थल सीमा सुरक्षा बलों (बीएसएफ) की निगरानी में बाधा डालते हैं। कई मामलों में, इन जगहों को घुसपैठ के लिए कवर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जहां देश-विरोधी ताकतें छिपकर अपनी साजिशें रचती हैं। उदाहरण स्वरूप, बांग्लादेश सीमा पर ऐसे मदरसे पाए गए हैं, जहां पाकिस्तान समर्थित आतंकी समूहों के सदस्यों को शरण मिली। सरकार ने अपनी जांच में यह भी पाया है कि जिन सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ लगातार होती रही है, उन क्षेत्रों के मूल निवासी पलायन के लिए मजबूर कर दिए गए, क्योंकि बाहरी लोगों ने अपनी संख्या के बल पर स्थानीय लोगों का उत्पीड़न शुरू कर दिया था। उनकी जमीनों पर कब्जा कर लिया था और उनकी बहू-बेटियों के साथ अभद्रता शुरू कर दी। गृह मंत्री ने स्वयं इन कई क्षेत्रों का दौरा किया और स्थानीय निवासियों को प्रश्रय देने और उनका संरक्षण करने के लिए जीवंत गांव कार्यक्रम की शुरुआत की। सबसे पहले सीमावर्ती गांवों से पलायन को रोकने के लिए उनके जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। साथ में यह भी पहल की गई कि सीमावर्ती गांवों के प्रत्येक निवासी को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ दिया जाए। मूल निवासी के रूप में पहचाने जाने वाले गावों को अब जल्द ही राष्ट्रीय और सीमा सुरक्षा तंत्र से जोड़ा जाएगा।

जम्मू कश्मीर में कुछ बड़े आतंकवादियों ने इन अवैध धार्मिक स्थानों में पनाह ली थी। आतंकवादी संगठन अपना विस्तार इन मस्जिदों के जरिए करने लगे। चरमपंथी संदेश का प्रचार मस्जिदों से भी किया जाने लगा। मस्जिदों से जिहाद करने वालों को जन्नत नसीब होने का पाठ पढ़ाया गया। कुछ मस्जिदों को तो कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने के लिए विदेश से धन भी प्राप्त होता रहा। केंद्र में एनडीए सरकार के आने के बाद कट्टरपंथ और वैचारिक कट्टरता में संलिप्त मदरसों, स्कूलों और धार्मिक संस्थानों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई।

चुनौतियां कम नहीं हैं। इन संरचनाओं को हटाने में स्थानीय विरोध और कानूनी अड़चनें आती हैं। कई बार, मानवाधिकार संगठन हस्तक्षेप करते हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे अभियान से सीमा प्रबंधन में सुधार आएगा और अवैध घुसपैठ में कमी आ सकती है। साथ ही, वैध धार्मिक स्थलों को संरक्षण मिलेगा, जो सही अनुमति के साथ बने हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि यह अभियान भारत की सीमाओं को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। अवैध धार्मिक संरचनाएं न केवल सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि देश की एकता को भी चुनौती देती हैं। सरकार को देखना होगा कि सरहदों पर अवैध धार्मिक स्थल भविष्य में न बनें।

आमने

तीन फीसदी आबादी वाले निषाद नेता मुकेश साहनी को महागठबंधन उपमुख्यमंत्री कैंडिडेट बना सकता है, तो 17% मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करने वाला सीएम क्यों नहीं? कांग्रेस-आरजेडी, सपा, बीजेपी के डर का हवाला देकर वोट लेते हैं, लेकिन टिकट बंटवारे में मुसलमानों को हिस्सा नहीं देते।
असदुद्दीन ओवैसी, प्रमुख, एआईएमआईएम

सामने

ओवैसी मुसलमानों को डर दिखाकर वोट बैंक बनाए रखना चाहते हैं। मुसलमानों में डर का माहौल कब तक चलेगा? लोकतंत्र में डर नहीं, भागीदारी चाहिए। बाहर आइए, वोट डालिए, जिसे चाहे चुनिए, लेकिन जवाबदेही मांगिए। पीएम मोदी की योजनाएं बिना भेदभाव के सबके लिए हैं। –**चिराग पासवान**
प्रमुख, एलजेपी (रामविलास)

भूस्खलनः उपचार से ज्यादा सख्ती की जरूरत

अमित शर्मा
हल्द्वानी

पहाड़ों के भूस्खलन ने इस साल जान-माल का बहुत नुकसान किया। यह समस्या काफी हद तक मानवजनित है, इसलिए उसके इलाज की जिम्मेदारी भी उसी की है।

बीमारी कैसी भी हो, उसका ट्रीटमेंट कायदे से हो, तो थोड़ा बहुत समय भले ही लगे, काफी हद तक निजात मिलने की संभावना बनी ही रहती है, लेकिन उत्तराखंड में पहाड़ों पर एक बीमारी ठीक इसके विपरीत है। यह बीमारी किसी इंसान को नहीं, बल्कि खुद पहाड़ को ही लगी है और इसका दंश इंसानों की एक बड़ी आबादी झेलती है। 'भूस्खलन' नाम की यह बीमारी प्रकृति के रूठने से है, तो कहीं मानवीय सोच की देन है। मैदान से मिलने की चाहत लेकर दरकती इन पहाड़ियों के ट्रीटमेंट पर सरकार करोड़ों रुपये बहा रही है, तो पहाड़ों को बांधे रखने के लिए विशेषज्ञ उसके उपचार में लगे हैं, लेकिन मर्ज ऐसा है जिसका अंतहीन दंश मानव भुगत रहा है।

उत्तराखंड में सीना ताने खड़े कई पहाड़ अब बुजुर्ग हो रहे हैं। कभी धीरे-धीरे तो कभी एकदम से दरक रहे हैं और उनका यही दरकना इंसानी मौत की खबरें बनकर सामने आता है। रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी और पौड़ी जिले के पहाड़ भूस्खलन से सबसे ज्यादा प्रभावित माने जाते हैं, तो नैनीताल व अल्मोड़ा की पहाड़ियां भी अपने आधार और अस्तित्व को खोती नजर आ रही हैं। इनका ट्रीटमेंट लंबे समय से चल रहा है। सरोवर नगरी नैनीताल की बात करें तो वर्तमान में सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों में बलिया नाला को आंका जाता है, जबकि शेर का डांडा, नयना पीक और टिफिन टॉप की पहाड़ियां भी भूस्खलन का दंश निरंतर झेल रही हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद इन पहाड़ियों के खिसकने का सिलसिला शायद ही कभी थम सके।

बलिया नाला का अस्तित्व नैनीताल से जुड़ा माना जाता है, जिस पर नैनी झील के अकूत पानी का दारोमदार है, मगर यह क्षेत्र जबरदस्त भूस्खलन से प्रभावित रहा है। करीब दो वर्ग किमी में फैले बलिया नाला में कई दशकों से भूस्खलन हो रहा है। इस क्षेत्र से लगा कृष्णापुर रिहायशी क्षेत्र का 30 फीसद हिस्सा भूस्खलन की भेंट चढ़ चुका है। दर्जनों परिवारों को इस क्षेत्र से अन्यत्र स्थानांतरित होना पड़ा है। इसके निचले क्षेत्र का खतरा अभी भी बरकरार है। भूस्खलन क्षेत्र से तीन प्राकृतिक जलधाराएं भी बलिया नाले का सीना छलनी करने का बड़ा कारण हैं। नगर की सर्वाधिक ऊंची चोटी नयना पीक में भूस्खलन जारी है। 2600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस चोटी का स्थायी उपचार भी नजर नहीं आता है। इस पर्वत पर होने वाले भूस्खलन से बरसात की रातें भयमुक्त नहीं हैं। इसकी तलहटी में सैकड़ों की संख्या में लोगों की रिहाइश है।

टिफिन टॉप की चोटी भी भूस्खलन मुक्त नहीं रही। पिछली बरसात में यह चोटी पूरी तरह भरभराकर जमींदोज हो गई, जिसमें ब्रिटिशकालीन ऐतिहासिक डोरथी सीट भी दफन हो गई। भविष्य में भी इस पहाड़ पर भूस्खलन का खतरा जारी रहने की संभावना से कतई इंकार नहीं किया जा सकता है। शेर का डांडा में भूस्खलन का इतिहास सर्वाधिक दर्दनाक रहा है, जो वर्ष 1880 में 151 लोगों का जीवन लील गया था। इस वर्ष मानसून में इस पहाड़ी का एक हिस्सा धंसने से बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है।

ट्रीटमेंट की बात करें तो सिंचाई विभाग के सहायक अधिशासी अभियंता प्रमोद पाठक बताते हैं कि करीब 300 करोड़ की लागत से चल रहा बलिया नाला का 55 फीसद उपचार पूरा किया जा चुका है। इसका ट्रीटमेंट ऊपरी हिस्से से किया जा रहा है। पिछली दो बरसातें भूस्खलन से मुक्त व राहत देने वाली हैं। स्लोप जेंटल, माइक्रो पाइल्स शॉट रिटिंग का कार्य आधुनिक तकनीक से हो रहा है। ऊपरी हिस्से की सुरक्षा दीवारों का काम पूरा हो रहा है। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से निकल रही जलधाराओं को नालों के जरिए बाहर निकाला जाएगा, ताकि भविष्य में जल स्रोतों से होने वाले बलिया नाले को भूस्खलन से रोका जा सके। दो साल पहले इसका ट्रीटमेंट शुरू किया गया था, जिसे पूरे होने का लक्ष्य जनवरी 2027 निर्धारित है। उम्मीद है कि निर्धारित समय पर लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। इधर, नयना पीक, टिफिन टॉप और शेर का डांडा में अस्थायी उपचार तो जारी है, लेकिन स्थायी ट्रीटमेंट की अभी कोई राह नजर नहीं आ रही है।

अल्मोड़ा में बीते डेढ़ साल से अल्मोड़ा-हल्द्वानी नेशनल हाइवे के बीच क्वारब की पहाड़ी मुसीबत का सबब बनी है। एनएच-109 पर 56 किमी क्वारब पुल के पास बीते वर्ष सितंबर 2024 में भूस्खलन क्षेत्र बना था। तीन जिलों की लाइफलाइन कहे जाने वाले इस एनएच पर बीते एक साल से रात में वाहनों की आवाजाही बंद है। इसके स्थायी समाधान के लिए केंद्र ने सुरक्षात्मक कार्यों के लिए 68.37 करोड़ स्वीकृत किए। पहले चरण में खड्ड साइड से सड़क सतह तक सुरक्षा दीवार और एंकरिंग कार्य के लिए 17 करोड़ रुपये दिए गए, जिसका कार्य लगभग 80 फीसदी पूरा हो चुका है। वहीं, मार्ग में खतरे को देखते हुए अभी भी रात के समय यहां से आवाजाही बंद है। दोपहर में ऊपर से गिर रहा मलबा यात्रियों के लिए जोखिम भरा बना हुआ है। प्रशासन इस समस्या के समाधान की जुगत में लगा हुआ है। प्रशासन की ओर से डोबा-चौसली वैकल्पिक मार्ग की प्रक्रिया जारी है। यहां दो वैली ब्रिज बनाकर सड़क का निर्माण किया जाना है। दूसरे चरण में 51.37 करोड़ की लागत से हिल साइड ट्रीटमेंट किया जा रहा है।

प्रसंगवश

नारी इच्छा और सम्मान के विरुद्ध है 'आटा-साटा'

राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में प्रचलित आटा-साटा प्रथा के कारण कई परिवारों में तनाव, रंजिश और हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में किशनगढ़ में दो महिलाओं की हत्या की घटना ने इस कुप्रथा की भयावहता को फिर उजागर कर दिया। दो परिवारों के बीच बेटियों के आटा-साटा के तहत हुई सगाई के बाद किसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि एक परिवार ने गाड़ी चढ़ाकर, दूसरे परिवार की दो महिलाओं को मौत के घाट उतार दिया। नागौर जिले में 21 वर्षीय युवती ने आत्महत्या कर ली थी और अपने सुसाइड नोट में उसने साफ लिखा था कि उसकी जान लेने के पीछे आटा-साटा की मजबूरी जिम्मेदार थी। जालोर जिले में एक ट्रेनी कांस्टेबल को इस प्रथा को न मानने पर सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ा। ऐसे मामले राजस्थान में हर साल सामने आ रहे हैं।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

आटा-साटा यानी लड़की के बदले लड़की की परंपरा राजस्थान, हरियाणा और गुजरात के कुछ ग्रामीण इलाकों में आज भी प्रचलित है। इस व्यवस्था में दो या कभी-कभी तीन परिवार आपसी सहमति से अपने बेटे-बेटियों की शादी अदला-बदली में तय करते हैं या यूं कहिए कि लड़कियों की आपस में अदला-बदली की जाती है। पुराने समय में इसका उद्देश्य था कि शादी के खर्च को कम किया जाए और दो परिवारों के बीच स्थायी रिश्ते बने रहें और दोनों बेटियां भी सुखी रहे, लेकिन धीरे-धीरे इस परंपरा ने विकृत रूप ले लिया। अब यह परंपरा एक ऐसी सामाजिक बेड़ी बन चुकी है, जिसमें महिलाओं की इच्छाओं और अधिकारों की कोई जगह नहीं बची।

इस प्रथा में एक परिवार अपने बेटे की शादी तभी करता है, जब दूसरा परिवार अपनी बेटी की शादी उसके घर में करने को तैयार हो। कई बार तो बेटी के जन्म से पहले ही उसका रिश्ता तय कर दिया जाता है कि अगर बेटी हुई तो उसकी शादी फलां घर में होगी और यदि बेटी नहीं होती तो रिश्तेदार की लड़की को दबावपूर्वक इस लेन-देन में शामिल कर लिया जाता है। यही वजह है कि यह प्रथा एक बार शुरू होने के बाद परिवार में कभी समाप्त नहीं होती, बल्कि पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है। इसकी वजह से कई बार बेमेल और असमान उम्र के विवाह होते हैं।

पढ़ी-लिखी लड़कियों को ऐसे परिवारों में भेज दिया जाता है, जहां वे मानसिक और शारीरिक यातना झेलती हैं। कई महिलाएं अपनी इच्छा के विरुद्ध विवाह करने को मजबूर होती हैं और विरोध करने पर हिंसा का शिकार बनती हैं। अगर एक घर में बेटी किसी कारण से दुखी होती है तो दूसरी बेटी को भी बेवजह दुखी किया जाता है। उसे तरह-तरह के कष्ट दिए जाते हैं। इस प्रकार यह प्रथा सीधे-सीधे महिलाओं के मानवाधिकारों का उल्लंघन करती है और उन्हें वस्तु की तरह व्यवहार करने की मानसिकता को बढ़ावा देती है।

हालांकि सरकार और समाज इस कुप्रथा को खत्म करने के प्रयास कर रहे हैं। 2021 में तत्कालीन गहलोत सरकार ने इस मुद्दे को गंभीर मानते हुए आटा-साटा प्रथा को समाप्त करने के लिए कानून लाने की घोषणा की थी। सामाजिक संगठन भी गांव-गांव जाकर जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इन कोशिशों के बावजूद यह प्रथा ग्रामीण इलाकों में आज भी जिंदा है। इस कुप्रथा के बने रहने के कई सामाजिक और आर्थिक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है लिंगानुपात में असमानता। गरीबी व दहेज प्रथा का डर भी इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। शिक्षा की कमी और जागरुकता का अभाव भी बड़ा कारण है। जहां शिक्षा और समानता की सोच कमजोर होती है, वहां परंपराओं का अंधानुकरण ही समाज का हिस्सा बन जाता है।

सोशल फोरम

किस्सा महिला जासूस माताहारी का

मार्गरेट गीर्तोईदा जेले जासूसी की दुनिया का सबसे मशहूर नाम है। 15 अक्टूबर, 1917 को जेले को फायरिंग स्क्वाड के सामने खड़ा कर गोलियों से भून दिया गया था। जेले को माताहारी के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें करीब पचास हजार लोगों की मौत का जिम्मेदार ठहराया गया था। इसके अलावा उस पर जर्मनी के लिए जासूसी करने का भी आरोप था। माताहारी के कई प्रभावशाली व्यक्तियों से संबंध थे।

डालचंद मेनारिया
पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी

जेले या माताहारी एक बेहतरीन डांसर थी। फर्स्टस वर्ल्डभ वार के दौरान वह पेरिस में एक डांसर और स्ट्रिपर के रूप में मशहूर थीं। उनके डांस को देखने के लिए राजनीति और सेना के बड़े नामी लोग आया करते थे। यह वह दौर था जब माताहारी ने एक देश की सीक्रेट इफॉर्मेशन को इधर से उधर करने का काम शुरू किया था। अपनी अदाओं के जरिए उसके लिए यह काम धीरे-धीरे आसान होता चला गया। जर्मन के प्रिंस समेत कई प्रभावशाली लोगों के साथ माताहारी के संबंध थे।

माताहारी की शादी इंडोनेशिया में तैनात नीदरलैंड की शाही सेना के एक अधिकारी से हुई थी। शादी के बाद इन दोनों ने कुछ समय जावा में गुजारा। यहां पर वह एक डांस कंपनी में शामिल हो गई और अपना एक नया नाम रखा माताहारी। 1907 में माताहारी ने नीदरलैंड लौटने के बाद अपने पति को तलाक दे दिया और पेशेवर डांसर के रूप में पेरिस चली गई। यहां पर उसकी मादक अदाओं के किस्सेव हर किसी की जुबान पर थे। इसी दौरान फ्रांस की सरकार ने माताहारी को पैसों के बदले जासूसी करने के लिए राजी किया।

फर्स्टक वर्ल्डो वार में माताहारी के जरिए फ्रांस ने जर्मनी की कई सीक्रेट इंफोर्मेशन को हासिल किया था। यहां से ही माताहरी की पैसे की भूख इस कदर बढ़ी कि वह डबल एजेंट हो गई। एक तरफ जहां वह फ्रांस की खबर जर्मनी को देती, वहीं जर्मनी की खबर फ्रांस को देती थी। इसकी जानकारी बाद में फ्रांस के सीक्रेट डिपार्टमेंट को लग गई। सन् 1917 में फ्रांस में माताहारी को अरेस्ट किया गया। यहां पर उसका कोई झूठ नहीं चल सका।

फ्रांसीसी सेना ने उसके खिलाफ जो सुबूत पेश किए उसमें स्पेन की राजधानी मैड्रिड से जर्मनी की राजधानी बर्लिन भेजे जा रहे कुछ सीक्रेट्स भी थे। उसे 50 हजार लोगों की मौत का जिम्मेदार ठहराया गया और 15 सितंबर, 1917 में गोलियों से भूनकर मौत की सजा दी गई। उस वक्तऔ वह 41 वर्ष की थी। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

भारत में हुआ वन विस्तार जरूरी है प्रदूषण नियंत्रण

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एएफओ) के सर्वे ने भारत में वन क्षेत्र में वृद्धि की जानकारी दी है। भारत अब वन विस्तार में नई उपलब्धि के साथ नौवें स्थान पर आ गया है। पिछले वर्ष यह दसवें पायदान पर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान ने इस बढ़त में अहम् भूमिका निभाई है। यह रिपोर्ट इंडोनेशिया के बाली में 'वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन' (जीएफआरए)-2025 के नाम से जारी हुई है। वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भारत के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि तब मील का पत्थर है, जब भारत औद्योगिक, नवीकरणीय ऊर्जा और ढांचागत विकास में निरंतर प्रगति कर रहा है। ऐसे में नौवें स्थान पर आना सतत् वन प्रबंधन और पारिस्थितिकी संरक्षण में संतुलन को दर्शाता है। एएफओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया का कुल वन क्षेत्र 414 करोड़ हेक्टेयर है। यह वन पृथ्वी की 32 प्रतिशत भूमि को अच्छादित करता है। इसका आधे से ज्यादा 54 प्रतिशत भू-भाग केवल पांच देशों, रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन में है। आस्ट्रेलिया कांगो और इंडोनेशिया के बाद भारत दुनिया के शीर्ष 10 वन-समृद्ध देशों में शामिल हो गया है।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका हुआ है। गोया, पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है तो मनुष्य का सुखद जीवन भी संभव नहीं रह जाएगा। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में 46 प्रतिशत की कमी आई है। पेड़ों की गिनती के अब तक के सबसे समग्र वैश्विक अभियान में दुनिया भर के वैज्ञानिक समूहों ने यह निष्कर्ष निकाला है। इस अध्ययन का आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं। यानी मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति 422 पेड़ हैं। हालांकि यह आंकड़ा पूर्व में आकलित अनुमानों से साढ़े सात गुना ज्यादा बताया गया है।

दरअसल पूर्व के वैश्विक आकलनों ने तय किया था कि दुनिया भर में महज 400 अरब पेड़ लहरा रहे हैं। मसलन प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या 61 है। यह आकलन व्यक्ति आधारित था, इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर संदेह था। दरअसल दुनिया में अभी भी ऐसे दुर्गम स्थानों पर जंगलों का विस्तार है, जहां सर्वेक्षण में लगे मानव-समूहों का पहुंचना और पहुंचकर सर्वे करना आसान नहीं है, क्योंकि इन जंगलों में एक तो अभी भी रास्ते नहीं हैं, दूसरे, खतरनाक वन्य-जीवों की मौजदूगी है।

पेड़ों की गिनती उपग्रह द्वारा ली गई छवियों से की गई है। इस तकनीक से पूरा सर्वे वन-प्रांतों में लिया गया है। इसमें जमीनी स्तर पर कोई आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं। इस अध्ययन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिष्ठित जनरल 'नेचर' में छपी है। रिपोर्ट के मुताबिक पेड़ों की उच्च सघनता रूस, स्कैंडीनेशिया और उत्तरी अमेरिका के उप आर्कटिक क्षेत्रों में पाई गई है। इन घने वनों में दुनिया के 24 फीसदी पेड़ हैं। पृथ्वी पर विद्यमान 43 प्रतिशत, यानी करीब 1.4 लाख करोड़ पेड़ उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय वनों में हैं। इन वनों का चिंताजनक पहलू यह भी है कि वनों या पेड़ों की घटती दर भी इन्हीं जंगलों में सबसे ज्यादा है। 22 फीसदी पेड़ शीतोष्ण क्षेत्रों में हैं। इस अध्ययन की प्रामाणिकता इसलिए असंगदिग्ध है, क्योंकि इस सामूहिक अध्ययन को बेहद गंभीरता से किया गया है। इसके लिए 15 देशों के वैज्ञानिक समूह बने। इन समूहों ने उपग्रह चित्रों के माध्यम से वन क्षेत्र का आकलन प्रति वर्ग किलोमीटर में मौजूद पेड़ों की संख्या का मानचित्रीकरण में सुपर कंप्यूटर तकनीक का इस्तेमाल करके किया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड में बेहतर भविष्य की संभावनाएं

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद से स्प्रिचुअल टूरिज्म यानी धार्मिक पर्यटन में तेजी आई है। न केवल अयोध्या, बल्कि काशी, मथुरा, उज्जैन और अन्य धार्मिक स्थलों पर कॉरिडोर विकसित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारत स्प्रिचुअल टूरिज्म का वैश्विक केंद्र बनेगा, जो लाखों रोजगार पैदा करेगा। इसी क्रम में स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक करियर विकल्प बनकर उभर रहा है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के सहायक आचार्य पर्यटन डॉ. महेन्द्र पाल बताते हैं, स्प्रिचुअल टूरिज्म में गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे पर्यटकों को धार्मिक स्थलों की आध्यात्मिक गहराई समझाते हैं।

डॉ. महेंद्र पाल सिंह
सहायक आचार्य टूरिज्म
डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

क्या होता है स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड

- स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड वह पेशेवर होता है, जो धार्मिक और आध्यात्मिक स्थलों पर पर्यटकों को गाइड करता है। वे मंदिरों, तीर्थों का इतिहास, पौराणिक कथाएं, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक महत्व बताते हैं। सामान्य टूर गाइड से अलग, ये गाइड आध्यात्मिक अनुभव पर फोकस करते हैं, जैसे ध्यान, पूजा-अर्चना या योग सत्र आयोजित करना। पर्यटन विभाग के अधिकारी संजय सिंह कहते हैं कि ये गाइड पर्यटकों को सुरक्षित और सार्थक यात्रा प्रदान करते हैं, जिससे टूरिज्म बढ़ता है।

योग्यता

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए 12 वीं पास होना जरूरी है, लेकिन पर्यटन में डिप्लोमा या डिग्री होना बेहतर है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, इतिहास-धर्म का ज्ञान और कम से कम दो भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी) का ज्ञान अनिवार्य है। भारत सरकार से टूर गाइड लाइसेंस प्राप्त करना पड़ता है, जो क्षेत्रीय या राष्ट्रीय स्तर का हो सकता है।

आने वाले समय में जॉब अपॉर्चुनिटी एनएलबी सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार धार्मिक टूरिज्म से 4-5 वर्षों में 2 लाख रोजगार सृजित होंगे, जबकि 2028 तक राजस्व 60 अरब डॉलर पहुंचेगा। स्किफ्ट रिपोर्ट कहती है कि 2030 तक स्प्रिचुअल टूरिज्म से 10 करोड़ रोजगार मिलेंगे। अयोध्या जैसे स्थलों पर गाइड, टूर ऑपरेटर, होटल मैनेजमेंट में मौके बढ़ेंगे।

अवध विश्वविद्यालय में कुल सीट
60

छह वर्षों में हर वर्ष
80
प्रतिशत प्लेसमेंट

पढ़ाई और कोर्स की अवधि

आरएमएलएयू में बी.वोक (टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी) 3 वर्ष का कोर्स है, जिसमें टूरिज्म सब्जेक्ट शामिल है। एडमिशन के लिए 12 वीं में 50 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। कोर्स की फीस करीब 20-30 हजार रुपये सालाना है। मास्टर इन टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन (एमटीए) 2 वर्ष का है। पर्यटन विभाग में गाइड, इंफॉर्मेशन ऑफिसर, टूर मैनेजर जैसे पद हैं। सरकारी लाइसेंस प्राप्त गाइड प्राथमिकता पाते हैं।

टूरिस्ट डिपार्टमेंट में सैलरी

अवध विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग के अनुसार औसत सैलरी 16-22 हजार रुपये मासिक है। लाइसेंस्ड गाइड 400-800 रुपये प्रति घंटा कमा सकते हैं। अनुभवी गाइड 3-5 लाख सालाना तक पहुंचते हैं। इसके अलावा सरकारी पदों पर 30-50 हजार रुपये से सैलरी शुरू होती है।

जॉब अलर्ट

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)

- पद का नाम : विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारी
- पदों की संख्या : 103
- योग्यता : कोई भी स्नातक, बी.ए., बी.कॉम, कोई भी स्नातकोत्तर, सीए, एमबीए/पीजीडीएम, पीजी डिप्लोमा
- आयु सीमा : 25 से 50 वर्ष
- आवेदन करने की अंतिम तिथि : 17-11-2025
- वेबसाइट : sbi.bank.in

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन

- पद का नाम : कार्यकारी प्रशिक्षु
- पदों की संख्या : 30
- वेतनमान : 50,000 - 1,60,000 रुपये
- योग्यता : बी.टेक/बी.ई.
- आयु सीमा : 18 - 35 वर्ष
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 17-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : neepco.co.in

राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी)

- पद का नाम : प्रबंधक, महाप्रबंधक व अन्य
- पदों की संख्या : 70
- वेतनमान : 40,000-2,20,000 रुपये
- योग्यता : स्नातक, बी.टेक/बी.ई., सीए, आईसीडब्ल्यूए, एमबीए/पीजीडीएम
- आयु सीमा : 31 से 41 वर्ष
- आवेदन करने की अंतिम तिथि : 16-11-2025
- वेबसाइट : nsic.co.in

एन एस आई सी NSIC

यूनिवर्सिटी में पहला दिन

यहां पर श्रीलंका सा पाया अपनापन

लखनऊ विश्वविद्यालय में मेरा पहला दिन सचमुच अविस्मरणीय रहा। यह मेरा भारत आने का भी पहला अनुभव था, इसलिए उस दिन मैं बहुत उत्साहित थी। साथ ही थोड़ी जिज्ञासा और हल्की घबराहट भी थी। मैं श्रीलंका से हूं और इस विश्वविद्यालय में पढ़ने का अवसर पाकर मैं खुद को भाग्यशाली और आभारी महसूस करती हूं। मैंने विश्वविद्यालय के बारे में पहले पढ़ा था और गूगल पर भी कई बार देखा था, लेकिन उसे अपनी आंखों से देखने का उत्साह अलग ही था। जैसे ही मैं अपनी दोस्तों के साथ विश्वविद्यालय पहुंची, वहां की सुंदर इमारतें और ऐतिहासिक वातावरण देखकर मैं बहुत प्रभावित हुई। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक सभी कर्मचारियों ने हमारा बहुत ही अपनेपन से स्वागत किया। पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया में उन लोगों ने हमारी मदद की, जिससे मेरी घबराहट काफी कम हो गई। भाषा की थोड़ी मुश्किलें जरूर थीं, लेकिन उन्होंने मुझे कभी असहज महसूस नहीं होने दिया। मुझे आज भी याद है, जैसे ही हमारा पंजीकरण पूरा हुआ और हम बाहर निकलने लगे, अचानक बारिश शुरू हो गई। प्रकृति प्रेमी होने के नाते वह पल मुझे बहुत अच्छा लगा। बारिश और विश्वविद्यालय का दृश्य मिलकर एक नई शुरुआत का अहसास दे रहा था। हालांकि घर की याद से थोड़ी उदासी भी थी, लेकिन एक गरम प्याली चाय ने वह उदासी तुरंत मिटा दी। तभी मुझे लगा कि यह जगह मुझे केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि अनमोल अनुभव भी देगी।

धिनुका सुमन कुमारी

स्मार्ट स्टडी प्लान से फर्स्ट अटेंप्ट में क्रैक करें सीटेट परीक्षा

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) भावी शिक्षकों की योग्यता निर्धारित करने के लिए सीबीएससी द्वारा देशभर में आयोजित की जाने वाली परीक्षा है। हाल ही में सीबीएससी ने सीटेट का नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसकी परीक्षा 8 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा पास करने के लिए अभ्यर्थियों को एक मजबूत स्टडी प्लान तैयार करना चाहिए। एक ठोस स्टडी प्लान अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रिपरेशन का एक स्पष्ट मार्ग तैयार करती है। आज हम आपको बताते हैं कि सीटेट की प्रिपरेशन कैसे करें, जिसको फॉलो करके आप फर्स्ट अटेंप्ट में सफल हो सकते हैं।

- नवनीत तिवारी
करियर काउंसलर

परीक्षा के पाठ्यक्रम और पैटर्न को समझें

सीटेट परीक्षा में प्राथमिक और जूनियर स्तर की परीक्षा में 150-150 प्रश्न पूछे जाते हैं। प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा में बाल विकास एवं शिक्षण विधि से 30 प्रश्न, भाषा-1 हिंदी से 30 प्रश्न, भाषा-2 अंग्रेजी/संस्कृत/उर्दू से 30 प्रश्न, गणित से 30 प्रश्न और पर्यावरणीय अध्ययन से 30 प्रश्न पूछे जाते हैं। वहीं उच्च प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा में बाल विकास और शिक्षाशास्त्र से 30 प्रश्न, गणित और विज्ञान/सामाजिक अध्ययन या सामाजिक विज्ञान विषय से 60 प्रश्न, भाषा-1 हिंदी से 30 प्रश्न तथा भाषा-2 अंग्रेजी/संस्कृत/उर्दू से 30 प्रश्न पूछे जाते हैं। न्यूनतम उत्तीर्ण अंक- सामान्य वर्ग - 60 प्रतिशत (90 अंक), आरक्षित वर्ग- 55 प्रतिशत (82 अंक) हैं।

स्टडी प्लान बनाएं

सबसे पहले स्टडी प्लान बनाएं और अपना समय सबजेक्ट वाइज बराबर-बराबर बांटें और उन विषयों पर को ज्यादा समय दें, जिसमें आप कमजोर हैं। खुद को लगातार इंप्रूव करने के लिए स्टडी प्लान को फॉलो करें।

प्रामाणिक अध्ययन सामग्री का उपयोग करें

सीटेट की तैयारी के लिए विश्वसनीय और प्रामाणिक अध्ययन सामग्री का उपयोग करें। एनसीआरटी की पाठ्यपुस्तकों, पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों और विशेष रूप से तैयार की गई स्टडी गाइडेंस को फॉलो करें। एग्जाम से रिलेटेड नवीनतम शैक्षिक विकास और नीतियों से अपडेट रहें।

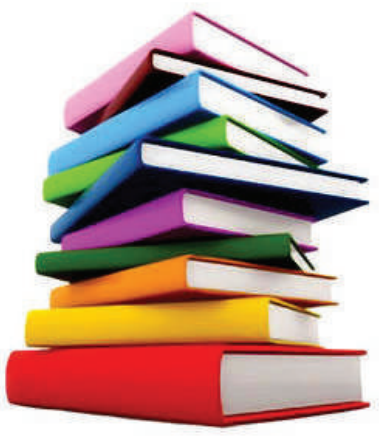

नोट्स बनाएं

किताबों से पढ़ाई करना जरूरी है, लेकिन नोट्स बनाने से याददाश्त और समझ में काफी सुधार हो सकता है। मुख्य कांसेप्ट का सारांश, महत्वपूर्ण सूत्र लिखना और प्रत्येक विषय के महत्वपूर्ण बिंदुओं को हाइलाइट करना, जल्दी रिवीजन और विषय को मजबूत करने में मदद करता है।

मॉक टेस्ट की प्रैक्टिस और एनॉलिसिस करें

एग्जाम के पैटर्न से खुद को परिचित कराने और टाइम मैनेटमेंट में सुधार करने के लिए नियमित रूप से मॉक टेस्ट और सैंपल पेपर हल करें। अपने परफॉर्मेंस का एनॉलिसिस करें, जिन टॉपिक में कमजोर हैं, उसकी पहचान करें और उन्हें मजबूत करने पर फोकस करें। यह प्रैक्टिस आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगी और आपकी समस्या-समाधान क्षमताओं को इंप्रूव करेगी।

शिक्षाशास्त्र और बाल विकास पर ध्यान दें

सीटेट परीक्षा के लिए शिक्षाशास्त्र और बाल विकास बेहद महत्वपूर्ण पक्ष है। बाल मनोविज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों, शिक्षण विधियों और सिद्धांतों को समझें। शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं से संबंधित प्रश्नों को अच्छे से तैयार करें, जिससे बाल विकास को समझने में आसानी होगी।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,997.13	26,053.90
बढ़त	368.97	117.70
प्रतिशत में	0.44	0.45

सोना 1,24,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,51,700 प्रति किलो

अमृत विचार
मुरादाबाद, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एनएलसी इंडिया का मुनाफा 26.2% घटा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड का जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 26.2 प्रतिशत घटकर 724.80 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी का जुलाई-सितंबर, 2024 में मुनाफा 982.41 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय मामूली रूप से घटकर 4,346.72 करोड़ रुपये रह गई जबकि गत वर्ष की इसी तिमाही में यह 4,374.12 करोड़ रुपये थी। कंपनी का व्यय सालाना आधार पर 3,177.40 करोड़ रुपये से 13.7 प्रतिशत बढ़कर 3,615.72 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी सूचना के अनुसार, एनएलसी इंडिया के निदेशक मंडल ने उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एनआईआरएल) में एक या एक से अधिक किस्तों में 666 करोड़ रुपये तक के निवेश को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

एलएंडटी को मिलीं कई बड़ी परियोजनाएं

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने बुधवार को कहा कि उसे सऊदी अरब में 2,500 करोड़ रुपये से लेकर 5,000 करोड़ रुपये के बीच की कई परियोजनाएं मिली हैं। एलएंडटी ने बताया कि पहला ऑर्डर गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन के निर्माण का है। दूसरा ऑर्डर 420 किलोमीटर लंबाई वाले ओवरहेड ट्रांसमिशन लिंक के निर्माण का है। अपने राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम (एनआरईपी) के तहत सऊदी अरब नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ाने के लिए अपने बिजली ग्रिड को उन्नत कर रहा है।

स्टारलिंक करेगी सुरक्षा व तकनीकी परीक्षण

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर (भाषा) एलन मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिंक 30 और 31 अक्टूबर को मुंबई में उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए सुरक्षा और तकनीकी शर्तों के अनुपालन का परीक्षण करेगी। कानून प्रवर्तन एजेंसियों के समक्ष किया जाने वाला यह परीक्षण, स्टारलिंक को आवंटित अस्थायी स्पेक्ट्रम पर आधारित होगा। यह कदम भारतीय उपग्रह ब्रॉडबैंड बाजार में इसके नियोजित प्रवेश से पहले एक कदम होगा। ये परीक्षण स्टारलिंक के लिए सेवाएं शुरू करने से पहले मंजूरी पाने की एक अनिवार्य आवश्यकता है।

एफटीए पर चर्चा जारी रखेगा भारत-यूरोपीय संघ

इस्पात, मोटर वाहन, कार्बन कर मुद्दों पर बात को सहमत, भारत ने की शुल्क-गैर-शुल्क बाधाओं के निवारण की वकालत

- ब्रुसेल्स की यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

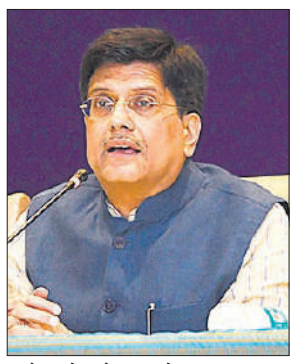

भारत और यूरोपीय संघ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत इस्पात, मोटर वाहन और कार्बन कर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा जारी रखने पर सहमत हो गए हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में यह बात कही।

इसमें कहा गया है कि भारत ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए पारदर्शी एवं पूर्वानुमानित नियामक ढांचे के निर्माण के अलावा समझौते में शुल्क एवं गैर-शुल्क दोनों बाधाओं के निवारण को सुनिश्चित करने की भी वकालत की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की तीन दिवसीय ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफ्कोविक से मुलाकात की और मौजूदा वार्ता को गति दी। मंत्री की आधिकारिक यात्रा 28 अक्टूबर को संपन्न हुई। मंत्रालय ने कहा कि वे इस बात पर भी सहमत हुए कि इस्पात, मोटर वाहन, सीबीएएम (कार्बन सीमा समायोजन तंत्र) और अन्य यूरोपीय संघ के नियमों से संबंधित मुद्दों पर अभी और चर्चा की जरूरत है क्योंकि ये मुद्दे अधिक संवेदनशील हैं। यूरोपीय संघ ने सीबीएएम एवं ईयूडीआर (वन विनाश विनियमन) जैसे नियमों की घोषणा की है जिन पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। सीबीएएम के तहत यूरोपीय संघ को इस्पात, एल्युमीनियम और सीमेंट के भारतीय निर्यात पर 20-35 प्रतिशत तक का शुल्क लग सकता है।

ब्रुसेल्स में हुई वार्ता के दौरान गोयल ने भारत की प्रमुख मांगों (विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों के संबंध में) को तरजीह देने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें कहा गया है, दोनों पक्ष गैर-संवेदनशील औद्योगिक शुल्क लाइन को अंतिम रूप देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। साथ ही गैर-शुल्क उपायों एवं नए यूरोपीय संघ के नियमों पर भारत की चिंताओं पर भी अच्छी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने 2025 के अंत तक प्रस्तावित एफटीए समझौते के लिए वार्ता को पूरा करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। गोयल की यह यात्रा दोनों पक्षों के बीच 6-10 अक्टूबर तक हुई 14वें दौर की वार्ता के समापन के बाद हो रही है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय आयोग (ईसी) के व्यापार महानिदेशक (डीजी-ट्रेड) सबाइन वेयंड से भी बात की थी। भारत और यूरोपीय संघ ने आठ वर्ष से अधिक समय के बाद जून 2022 में व्यापक मुक्त व्यापार समझौते, निवेश संरक्षण समझौते एवं भौगोलिक संकेतकों पर बात फिर से शुरू की। बाजारों को खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण यह बातचीत 2013 में रुक गई थी।

जुझारू आपूर्ति शृंखलाओं, भौगोलिक क्षेत्रों पर निर्भरता कम करने पर जोर

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश के लिए जुझारू आपूर्ति शृंखलाओं, प्रमुख प्रौद्योगिकियों पर नियंत्रण और कुछ भौगोलिक क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता कम करना महत्वपूर्ण है। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना केवल भारत में विनिर्माण, डिजाइन या विकास तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की दीर्घकालिक वृद्धि और संप्रभुता के लिए महत्वपूर्ण है। विदेशी प्रौद्योगिकी, हथियारों, ऊर्जा स्रोतों और महत्वपूर्ण तकनीकों पर निर्भरता कम करना देश की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वास्तव में, इस दशक ने कोविड से लेकर अब तक हमें कई बार सचेत किया है कि जुझारू आपूर्ति शृंखलाओं का होना, अपनी प्रौद्योगिकी का होना, तकनीकों पर नियंत्रण और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आवश्यक आपूर्ति पर नियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने टाईइकॉन कार्यक्रम में कहा कि कुछ क्षेत्रों और कुछ बेहद महत्वपूर्ण विषयों को लेकर कुछ भौगोलिक क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना बहुत महत्वपूर्ण है।

मोबाइल पर कॉलर का नाम दिखाने की सुविधा का परीक्षण शुरू, मार्च तक होगा लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- ट्राई ने एक दिन पहले दूरसंचार विभाग के प्रस्ताव को दी थी मंजूरी

मोबाइल पर आने वाली कॉल में कॉल करने वाले का नाम दिखाने की सुविधा (सीएनएपी) का दूरसंचार कंपनियों ने परीक्षण करना शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि यह सुविधा देशभर में मार्च, 2026 तक लागू हो जाएगी।

दूरसंचार विभाग के सूत्रों ने बुधवार को कहा कि वोडाफोन आइडिया ने हरियाणा सर्किल में सीएनएपी सेवा का पायलट परीक्षण शुरू कर दिया है, जबकि जियो भी जल्द ही इसी सर्किल से परीक्षण शुरू करेगी। इस सुविधा के तहत कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम रिसीवर के मोबाइल स्क्रीन पर प्रदर्शित होता है, जिससे उपयोगकर्ता को कॉल उठाने से पहले पता चल जाएगा की कॉल कौन कर रहा है। परीक्षण सफल रहने पर दूरसंचार विभाग देशभर में चरणबद्ध तरीके से 31 मार्च, 2026 तक इस सुविधा को लागू करेगा।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने एक दिन पहले ही दूरसंचार विभाग के उस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसके तहत यह सुविधा सभी उपयोगकर्ताओं के लिए डिफॉल्ट रूप से सक्रिय रहेगी। हालांकि, इस सुविधा का इस्तेमाल नहीं करने वाले उपभोक्ताओं को इसे निष्क्रिय कराने का विकल्प मिलेगा।

सरकार चीनी निर्यात की अनुमति दे सकती है, एथनॉल के कम उपयोग से अधिशेष बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

- मिलों ने एथनॉल निर्माण में 34 लाख टन चीनी का किया उपयोग अनुमानित 45 लाख टन से कम

सरकार 2025-26 विपणन वर्ष में चीनी के निर्यात की अनुमति देने पर विचार कर रही है क्योंकि एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी के अपेक्षा से कम उपयोग के कारण अधिशेष भंडार जमा हो गया है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि देश की चीनी मिलों ने 2024-25 में एथनॉल निर्माण के लिए केवल 34 लाख टन चीनी का ही उपयोग किया, जो अनुमानित 45 लाख टन से काफी कम है।

उन्होंने कहा कि अक्टूबर से सितंबर तक चलने वाले चालू 2025-26 विपणन वर्ष के लिए शुरुआती भंडार अधिक है। 2025-26 में चीनी उत्पादन 3.4 करोड़ टन तक पहुंचने की उम्मीद है जबकि वार्षिक घरेलू मांग 2.85 करोड़ टन है। निर्यात की अनुमति देने और एथनॉल के लिए अधिक उपयोग की अनुमति देने की उद्योग की मांगों पर चोपड़ा ने कहा कि हमारे पास चीनी का अधिशेष है, हम निर्यात की अनुमति देने पर विचार कर रहे हैं। जल्द ही कोई निर्णय लिया जा सकता है क्योंकि सरकार उद्योग को निर्यात की योजना बनाने के लिए लंबा समय देना चाहती है। इस पर निर्णय लेने के लिए मंत्रियों की समिति अगले सप्ताह बैठक कर सकती है।

भारत ने विपणन वर्ष 2024-25 के दौरान 10 लाख टन के आवंटन के मुकाबले 8 लाख टन चीनी का निर्यात किया। चीनी निर्यात की व्यवहार्यता पर सचिव ने कहा कि वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय कीमतें परिष्कृत चीनी के लिए अनुकूल नहीं हैं। कच्ची चीनी के लिए कुछ निर्यात समता संभव हो सकती है। चीनी का वर्तमान निर्यात मूल्य, 'एक्स-मिल' मूल्य से कम है। उन्होंने कहा कि वे शायद सही समय पर निर्यात करेंगे। शायद कच्ची चीनी का निर्यात हो भी जाए क्योंकि उसमें निर्यात समता है। परिष्कृत चीनी का वैश्विक मूल्य 3,829 रुपये प्रति क्विंटल है।

7% की दर से बढ़ सकती है भारतीय अर्थव्यवस्था

मुंबई, एजेंसी

- सीईए नागेश्वरन बोले- तीन वैश्विक एजेंसियों ने भारत की साख बढ़ाई

देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों का संतोषजनक ढंग से सामना किया है। उन्होंने भरोसा जताया कि 2025-26 में आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

नागेश्वरन ने 'भारत समुद्री सप्ताह' (आईएमडब्ल्यू) में कहा कि साख (रेटिंग) निर्धारण करने वाली तीन वैश्विक एजेंसियों ने हाल ही में भारत की साख बढ़ाई है और यदि देश इसी राह पर आगे बढ़ता रहा तो वह जल्द ही 'ए' रेटिंग श्रेणी में आ सकता है। नागेश्वरन ने कहा कि अर्थव्यवस्था के जुझारूपन ने सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा उठाए गए कदमों के साथ मिलकर भारतीय अर्थव्यवस्था को आरामदायक स्थिति में रखा। इस साल वैश्विक अनिश्चितताओं एवं शुल्क संबंधी घटनाक्रमों से निपटने की भारतीय अर्थव्यवस्था के रुख से हमें काफी संतुष्ट होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आयकर में राहत एवं जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने सहित नीतिगत उपायों ने 2025-26 के लिए वास्तविक रूप से इस वर्ष की आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं को बेहतर बनाकर 7% तक पहुंचा दिया है। नागेश्वरन ने फरवरी में अनुमान लगाया था कि चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.3% तक रह सकती है। अमेरिकी शुल्क के कारण उन्होंने इसे और घटाकर 6% किया था। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की मजबूती और मांग बढ़ाने को उठाए नीतिगत कदमों ने हमें वास्तव में एक बहुत ही आरामदायक स्थिति में ला दिया है।

तेल और गैस की ढुलाई लागत को कम करने के लिए पीएसयू की मांगों को जोड़ा जाएगा : पुरी

मुंबई। सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों (पीएसयू) की ढुलाई मांग को एकसाथ जोड़कर भारतीय जहाजरानी कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अनुबंध सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। इससे पेट्रोलियम उत्पादों की ढुलाई लागत को कम करने में मदद मिलेगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत समुद्री सप्ताह 2025 में कहा कि सरकार घरेलू स्वामित्व बढ़ाने के लिए 'पोत स्वामित्व एवं पट्टा इकाई मॉडल' को भी आगे बढ़ा रही है। पेट्रोलियम विपणन कंपनियां कच्चे तेल के आयात के लिए जहाजों का इस्तेमाल करती हैं। हम जहाजरानी कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अनुबंध सुनिश्चित करने के लिए तेल कंपनियों की ढुलाई मांग को एकसाथ मिला रहे हैं ताकि जहाजों के स्वामित्व के जरिये बार-बार की ढुलाई पर आने वाली लागत को कम किया जा सके।

राष्ट्रीय

लालू बेटे को सीएम व सोनिया बनाना चाहती हैं पीएम, दोनों पद खाली नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कटाक्ष करते हुए विपक्षी महागठबंधन को 'ठगबंधन' दिया करार

पटना/दरभंगा, एजेंसी

बिहार विस चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को महागठबंधन को 'ठगबंधन' करार दिया और कहा कि लालू प्रसाद अपने बेटे तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री और सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं, लेकिन ये दोनों पद रिक्त नहीं हैं।

दरभंगा की चुनावी सभा में शाह ने कहा कि बिहार चुनाव में भाजपा ने कई युवाओं को टिकट दिया, जबकि राजद और कांग्रेस ऐसा नहीं कर सके, क्योंकि लालू बेटे को और सोनिया राहुल को शीर्ष पद पर बैठाना चाहती हैं। उन्होंने दावा किया कि लालू प्रसाद चारा, बिटुमेन और जमीन के बदले नौकरी' घोटालों में लिप्त रहे हैं, जबकि कांग्रेस पर 12 लाख करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं। भाजपा नेता ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि अगर राजद-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी, तो प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के गिरफ्तार सदस्यों को जेल में रखा जाएगा या नहीं? शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने ही पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया और उसके सदस्यों को जेल भेजा। समस्तीपुर की दूसरी रैली में शाह ने कहा कि बिहार चुनाव जंगलराज की वापसी रोकने का चुनाव है। राज्य में राजग पांच पांडव की तरह मजबूत गठबंधन है। उन्होंने विपक्ष पर पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के 'जननायक' सम्मान को छीनने का प्रयास करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि मोदी ने जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर सम्मानित किया। कांग्रेस ने बाबू जगजीवन राम को प्रधानमंत्री बनने से रोका था। शाह ने आरोप लगाया कि लालू और राबड़ी देवी ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया और महागठबंधन राज्य के विकास तथा युवाओं के कल्याण के बारे में सोच ही नहीं सकता। राजग सरकार 8.52 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है, मखाना बोर्ड का गठन किया है और घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली दे रही है। दरभंगा को जल्द ही मेट्रो रेल की सुविधा मिलेगी, हवाईअड्डा बन चुका है और एम्स का निर्माण जारी है।

राज्य को गुंडाराज की जरूरत नहीं : राजनाथ

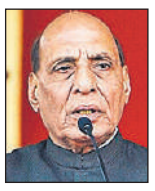

दरभंगा/पटना। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राजग को दो-तिहाई बहुमत मिलना प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। 14 नवंबर को मतगणना होगी और उसी दिन नेहरू की जयंती भी है। पटना जिले के बाढ़ में चुनावी सभा में सिंह ने कहा कि बिहार को गुंडाराज की जरूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के जंगल राज से हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई करने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल बांग्लादेशी घुसपैठियों के वोट सुरक्षित करना चाहता है। भाजपा नेता ने कांग्रेस और राजद पर निर्वाचन आयोग पर हमला करने का आरोप लगाते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम किया जाएगा तो लोकतंत्र कैसे चलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि चुनाव में मुद्दा स्पष्ट है कि राज्य को फिर से जंगलराज की ओर ले जाना है या विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाना है। इससे पहले दरभंगा की रैली में उन्होंने राजद द्वारा हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के वादे को अवास्तविक करार दिया। राजग अपना घोषणापत्र गुरुवार को जारी करेगा और उसमें किए गए हर वादे को पूरा करेगा।

वांगचुक की हिरासत पर केंद्र, लद्दाख से जवाब तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

- जवाब के लिए दिया 10 दिन का समय, अगली सुनवाई 24 नवंबर के लिए निर्धारित की

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सोनम वांगचुक की पत्नी की संशोधित याचिका पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा, जिसमें जलवायु कार्यकर्ता की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत को अवैध, मनमाना कृत्य बताया गया है।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से गीतांजलि जे अंगमो की संशोधित याचिका पर 10 दिन के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा और मामले की अगली सुनवाई 24 नवंबर के लिए निर्धारित की। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल को भी प्रतिउत्तर, यदि कोई हो तो, दाखिल करने की अनुमति दी। संशोधित याचिका में कहा गया है कि हिरासत आदेश पुरानी प्राथमिकी, अस्पष्ट आरोपों और काल्पनिक दावों पर आधारित है। इसमें हिरासत के कथित आधारों से कोई जीवंत या निकट संबंध नहीं है। इस प्रकार इसमें कोई कानूनी आधार नहीं है। ऐहतियाती शक्तियों का ऐसा मनमाना प्रयोग सत्ता का घोर दुरुपयोग है, जो संवैधानिक स्वतंत्रता और उचित प्रक्रिया की बुनियाद पर प्रहार करता है, जिसके कारण हिरासत आदेश को इस न्यायालय द्वारा अमान्य घोषित किया जाना चाहिए। यह पूरी तरह से हास्यास्पद है कि लद्दाख और पूरे भारत में जमीनी स्तर पर शिक्षा, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान के लिए राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीन दशकों से अधिक समय तक सराहे जाने के बाद वांगचुक को अचानक निशाना बनाया गया। अंगमो ने याचिका में कहा कि चुनावों से मात्र दो महीने पहले और एबीएल (एपेक्स बॉडी ऑफ लेह), केडीए (कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस) तथा गृह मंत्रालय के बीच बातचीत से पहले, उन्हें भूमि पट्टा और एफसीआरए रद्द करने, सीबीआई जांच तथा आयकर विभाग से नोटिस भेजे गए। इन कार्रवाइयों से स्पष्ट होता है कि हिरासत का आदेश सार्वजनिक व्यवस्था या सुरक्षा की चिंताओं पर आधारित नहीं है।

न्यायिक अधिकारियों की तरक्की के मुद्दे से निपटने के लिए मानदंडों की आवश्यकता

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देशभर में प्रारंभिक स्तर के न्यायिक अधिकारियों की वरिष्ठता तय करने के मापदंडों में राष्ट्रीय स्तर पर किसी न किसी तरह की एकरूपता जरूरी है, ताकि इन न्यायिक अधिकारियों के करिअर की धीमी और असमान प्रगति की समस्या दूर हो सके। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि उसका न्यायाधीशों के लिए नामों की सिफारिश करने में उच्च न्यायालयों के अधिकारों में हस्तक्षेप करने का कोई इरादा नहीं है। संविधान पीठ में न्यायमूर्ति गवई के अलावा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची हैं। पीठ ने उच्च न्यायिक सेवा (एचजेएस) संवर्ग में वरिष्ठता निर्धारित करने के लिए राष्ट्रव्यापी मानदंड तैयार करने पर मंगलवार को सुनवाई शुरू की थी। पीठ ने गौर किया कि ज्यादातर राज्यों में दीवानी न्यायाधीश (सीजे) के रूप में भर्ती होने वाले न्यायिक अधिकारी अक्सर प्रधान जिला न्यायाधीश (पीडीजे) के पद तक भी नहीं पहुंच पाते है।

नीतीश के चेहरे का इस्तेमाल हो रहा है, रिमोट कंट्रोल भाजपा के हाथ में : राहुल गांधी

मुजफ्फरपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विस चुनाव के लिए प्रचार अभियान का आग़ाज़ करते हुए प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा पर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे का इस्तेमाल हो रहा है, जबकि रिमोट कंट्रोल भाजपा के हाथ में है। उन्होंने मुजफ्फरपुर जिले के सकरा में पहली चुनावी सभा में दावा किया कि प्रधानमंत्री और भाजपा सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं। इस सभा में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और गठबंधन के घटक दलों के कुछ नेता शामिल हुए। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में 20 साल से नीतीश सरकार चला रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए उन्होंने क्या किया? आप ऐसा प्रदेश चाहते हैं जहां कुछ भी नहीं मिले, अडाणी को एक-दो रुपये में जमीन दे दी जाए? हमें वह बिहार चाहिए जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार हो, हम ऐसा बिहार चाहते हैं जहां से लोगों को दूसरे प्रदेशों में न जाना पड़े बल्कि दूसरे राज्यों के लोग यहां आए।

मुजफ्फरपुर की जनसभा में शामिल कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव।

'करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म' से समझौता नहीं, अपराधी होंगे सलाखों के पीछे : तेजस्वी

मुजफ्फरपुर/दरभंगा। महागठबंधन से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी ने कहा कि उन्हें यदि सत्ता में आने का मौका मिला तो करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म (भ्रष्टाचार, अपराध और सांप्रदायिकता) से समझौता नहीं किया जाएगा तथा उनकी परछाई भी गलत काम करेगी तो उसे भी सजा मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी गुजरात में फैक्ट्री खोलते हैं, लेकिन विक्ट्री (जीत) बिहार में चाहते हैं। राजद नेता ने राहुल गांधी के साथ मुजफ्फरपुर और दरभंगा में दो संयुक्त सभाओं को संबोधित किया। तेजस्वी ने दरभाग में कहा कि प्रधानमंत्री की दिलचस्पी गुजरात में फैक्ट्री लगाने में है लेकिन बिहार में विक्ट्री चाहिए। यह नहीं होने वाला है। उन्होंने चुनावी वादों को लेकर कहा कि हम सरकार के संविदाकर्मी कर्मचारियों को स्थायी करेंगे। राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा हाल में उठाए गए कई जनकल्याणकारी कदम उनकी घोषणाओं की नकल हैं।

छत्तीसगढ़ में 51 माओवादियों ने हिंसा त्यागकर किया आत्मसमर्पण

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 51 माओवादियों ने बुधवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि 'पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन' योजना के अंतर्गत मुख्यधारा में लौटने वाले इन माओवादियों में नौ महिला और 42 पुरुष हैं, जिन पर कुल 66 लाख का इनाम घोषित था।

पूर्व सीबीआईसी अधिकारी 27 करोड़ के मारिजुआना के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस ने भारत, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में सक्रिय अंतर्राष्ट्रीय तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सीमाशुल्क विभाग के बर्खास्त अधिकारी को गिरफ्तार किया और उसके पास से 21 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 27 करोड़ बताई गई है। अधिकारी ने बुधवार को बताया कि रोहित शर्मा (35) केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) में पूर्व निरीक्षक रह चुका है। रोहित को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के जनकपुरी इलाके में एक रातभर चली गुप्त कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किया गया। डीसीपी संजीव कुमार यादव ने घटना की पुष्टि की है।

एसआईआर प्रक्रिया के बाद 12 राज्यों में बढ़ेगी मतदान केंद्रों की संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रों के बढ़ाने से मतदाताओं को मतदान करने में लगेगा कम समय
- नए केंद्र ऊंची इमारतों, कॉलोनियों और झुग्गी बस्तियों में बनाए जाएंगे

देश के जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) होगा, वहां इस कवायद के पूरी होने के बाद मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि मतदान के लिए कतारों में कमी आ सके।

बिहार में मतदाता सूची को अद्यतन बनाने की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है और वह देश का पहला राज्य बन गया है जहां हर मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1,200 है जबकि पहले 1,500 थी। इस प्रक्रिया के तहत 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बिहार की तर्ज पर अधिक मतदान केंद्र होंगे। बिहार में पहले 77,895 मतदान केंद्रों थे, जो अब 90,712 है। केंद्रों की संख्या बढ़ाने से मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए कतारों में अपनी बारी का इंतजार करते हुए कम समय बिताना पड़ेगा। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चार नवंबर से एसआईआर प्रक्रिया शुरू होगी, उनके मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए निर्देशों के अनुसार, नए मतदान केंद्र ऊंची इमारतों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन वाली कॉलोनियों और झुग्गी बस्तियों में बनाए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी नए केंद्रों के संबंध में राजनीतिक दलों से परामर्श करेंगे।

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने निर्देश दिया है कि एक परिवार के सभी सदस्यों को एक ही केंद्र पर रखने का विशेष ध्यान रखा जाए। जिन प्रदेशों में एसआईआर शुरू होगी, उनमें अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश व पश्चिम बंगाल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका : संघीय कर्मचारियों को हटाने पर लगी रोक बढ़ाई

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को की एक न्यायाधीश ने सरकारी 'शटडाउन' के दौरान संघीय कर्मचारियों को नौकरी से हटाने पर लगी रोक मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दी। अमेरिकी जिला न्यायाधीश सुसन इल्सटन ने यह फैसला सुनाया। उन्होंने इससे पहले इस मामले में एक अस्थायी आदेश जारी किया था, जिसकी अवधि बुधवार को समाप्त होने वाली थी। डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति रहे बिल क्लिंटन की ओर से नामित न्यायाधीश इल्सटन ने कहा कि उनका मानना है कि साक्ष्यों से पता चल जाएगा कि सामूहिक बर्खास्तगी अवैध और अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

ब्रिटेन: भारतीय महिला से बलात्कार के आरोप में ब्रिटिश गिरफ्तार

लंदन। वाल्सॉल में भारतीय मूल की एक महिला के नस्लवाद से प्रेरित यौन उत्पीड़न के संदेह में गिरफ्तार किए गए एक व्यक्ति पर बलात्कार का आरोप लगाकया गया है और उसे बुधवार को बर्मिंघम मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने कहा कि स्टॉकलैंड ग्रीन के 32 वर्षीय श्वेत ब्रिटिश व्यक्ति जॉन एशबी पर मंगलवार शाम आरोप लगाया गया। बलात्कार का यह आरोप 20 वर्षीय स्थानीय सिख छात्रा पर शनिवार रात वॉल्सॉल के पार्क हॉल क्षेत्र में हुए हमले के बाद लगाया गया है। पुलिस ने कहा, उस पर यौन उत्पीड़न, गला घोंटने, नस्लभेदी हमले के कारण शारीरिक क्षति पहुंचाने और लूटपाट का भी आरोप लगाया गया है।

चीन ने एवरेस्ट चोटी से जुड़ा पर्वतारोहण क्षेत्र बंद किया

बीजिंग। चीन के स्थानीय अधिकारियों ने भारी बर्फबारी और बर्फीली परिस्थितियों के कारण तिब्बत क्षेत्र में स्थित एक लोकप्रिय पर्वतारोहण स्थल को बंद कर दिया जो दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी 'एवरेस्ट' तक जाने वाले मार्ग में है। पर्यटन अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को जारी एक घोषणा के अनुसार, डिंगरी काउंटी में झूफेंग चोटी (जो एवरेस्ट चोटी के चीनी हिस्से के पास स्थित है) तक पर्वतारोहण को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है। इससे पहले अक्टूबर में, चीन के राष्ट्रीय अवकाश, जो पर्यटन का मौसम होता है, के दौरान आए भारी बर्फीले तूफान के बाद सैकड़ों पर्वतारोही कई दिनों तक एवरेस्ट पर फंसे रहे। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान में बुधवार तक बर्फबारी और बर्फीली परिस्थितियों का अनुमान लगाया गया था, जो ऊंचाई पर रहने वाले पर्यटकों के लिए खतरा बन सकता है।

कनाडा में भारतीय मूल के बुजुर्ग व्यवसायी की गोली मारकर हत्या

ओटावा, एजेंसी

● घर के बाहर मारी गोली, पुलिस ने बताया टारगेट किलिंग का मामला

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में 68 वर्षीय भारतीय मूल के व्यवसायी की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस की ओर से इसे लक्षित हत्या (टारगेट किलिंग) का संदिग्ध मामला बताया गया है।

दर्शन साहसी की सोमवार को प्रांत के एबॉट्सफोर्ड शहर में हत्या कर दी गई। एबॉट्सफोर्ड पुलिस ने सोमवार को एक बयान में बताया कि पुलिस को रिजव्यू ड्राइव पर गोलीबारी की सूचना मिली थी, जहां उन्होंने एक वाहन के अंदर साहसी को जख्मी अवस्था में पाया। साहसी को बचाने के प्रयास किए गए लेकिन उनकी मृत्यु हो गई। हालांकि साहसी की पहचान नहीं बताई गई थी, एकीकृत हत्या जांच दल (आईएचआईटी) ने बाद में उनका नाम बताया। मंगलवार को आईएचआईटी प्रवक्ता सार्जेंट फ्रेडा फोंग ने कहा, शुरुआती संकेत बताते हैं कि यह एक लक्षित घटना थी, गोलीबारी में कोई और घायल नहीं हुआ। उन्होंने कहा, जांचकर्ता गोलीबारी के मकसद और हालात का पता लगाने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं।

नस्लीय अपराधों का हो रहे शिकार

वैसे तो दुनिया भर में नस्लीय अपराधों की स्थिति चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है, लेकिन भारत के लिए और भी ज्यादा फिक्रमंद करने की वाली स्थिति यह है कि इन अपराधों का शिकार होने वाले लोगों में भारतीय मूल के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। कई देशों में नस्लीय हिंसा के पीछे सामाजिक पूर्वाग्रह तो कारण है ही, संस्थागत भेदभाव भी कम बड़ी वजह नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में हाल ही में नस्लीय अपराधों में काफी वृद्धि हुई है, इन देशों में अक्सर भारतीयों को निशाना बनाया जाता है। जानकारों का कहना है कि नस्लीय भेदभाव की जड़ें गहरी हैं और इसे केवल कानूनी समाधानों से खत्म नहीं किया जा सकता। कई देशों में नस्ल से प्रेरित घृणा अपराधों में वृद्धि हुई है, जिसमें शारीरिक हमले, उत्पीड़न और मौखिक दुर्व्यवहार शामिल हैं।

दूसरे देशों में भारतीय

नस्लीय हिंसा के कारण

- राजनीतिक कारण प्रमुख है, यूरोप, कनाडा और अमेरिका में दक्षिणपंथी आंदोलनों में अप्रवासी-विरोधी बयानबाजी से शत्रुता बढ़ रही है।
- मेजबान देशों में बढ़ती महंगाई, आवास की कमी और बेरोजगारी से अप्रवासियों के खिलाफ गुस्सा बढ़ता है, उन पर नस्लीय हमले होते हैं।
- कई देशों में घृणा अपराधों को रोकने वाले कानून होने के बावजूद उनका सही से पालन नहीं होता है। इससे हमलावरों को बढ़ावा मिलता है।
- ज्यादातर देशों में रंग, राष्ट्रीयता या जातीयता के आधार पर लोगों के साथ अनुचित व्यवहार करना नस्लीय भेदभाव का मुख्य कारण है।

प्रमुख घटनाएं

- आयरलैंड में हाल ही में भारतीय मूल के लोगों पर कई हमले हुए हैं, जिनमें एक 6 साल की बच्ची और डेटा वैज्ञानिक शामिल हैं।
- ब्रिटेन में भारतीय मूल की महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। हाल में एक महिला के साथ बलात्कार, अगस्त में 4 लोगों पर सशस्त्र हमले।
- यूएसए में भी भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ घृणा अपराधों में वृद्धि हुई है। हाल ही में एक होटल मैनेजर की उसकी पत्नी के सामने हत्या कर दी गई।
- ऑस्ट्रेलिया में वर्ष 2008 से 2025 के बीच भारतीयों पर लगभग 200 नस्लीय हमलों की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़ितों में तमाम छात्र भी शामिल थे।

क्यों बढ़ रही है घृणा की भावना

- विकसित देशों में कुछ समुदाय खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानते हैं। अतीत में अमेरिकी गोरे नीग्रो जाति के लोगों को निम्न समझते थे।
- सामाजिक रूढ़ियां और कुप्रथाएं भी कारण हैं, सामाजिक विभाजन और उच्चता प्रभावित होने से नस्लवाद को बढ़ावा मिला है।
- धर्म में पवित्रता और शुद्धि की अवधारणा, इंटरनेट के जरिए हेट स्पीच और नस्लीय पूर्वाग्रहों को प्रभावी रूप से फैलाया जा रहा है।
- नौकरियों, पदोन्नति और अन्य आर्थिक लाभों से वंचित करने के तरीके उत्पीड़क वर्ग के शक्तिशाली प्रभाव पर आधारित होते हैं।

भारत सरकार की ओर से कदम

- भारत सरकार भारतीय समुदाय के खिलाफ होने वाली नस्लीय हिंसा और घृणा अपराधों के मामले संबंधित देशों की सरकार के समक्ष उठाती है।
- दूसरे देशों में भारतीय मिशन/दूतावास, प्रभावित व्यक्तियों को समर्थन और सहायता देते हैं और स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करते हैं।
- सरकार विदेशों में भारतीयों के जीवन को प्रभावित करने वाले घटनाक्रमों पर नजर रखती है और उनके हितों की सुरक्षा के उपाय भी करती है।
- दूसरे देशों में भारतीय मिशनों और दूतावासों में 24x7 हेल्पलाइन स्थापित की गई हैं ताकि भारतीय नागरिकों को सहायता प्रदान की जा सके।

मोदी बहुत अच्छे इंसान, भारत के साथ व्यापार समझौता करेगा अमेरिका: ट्रंप

व्यापार की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का दावा भी किया

सियोल, एजेंसी

बुधवार को दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में शिखर सम्मेलन को संबोधित करते ट्रंप।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और भारत के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जारी बातचीत के बीच बुधवार को कहा, अमेरिका, भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा है। दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सीईओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसके साथ एक बार फिर व्यापार की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का भी दावा किया।

ट्रंप ने कहा, यदि आप भारत और पाकिस्तान की बात करें तो मैं भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा हूं और जैसा कि आप जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए मेरे मन में बेहद सम्मान एवं स्नेह है, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। इसके बाद व्यापार समझौते के विषय पर अधिक विस्तार से बात किए बिना ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई की शुरुआत में हुए विवाद को सुलझाने का दावा किया। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद दोनों देशों के तनाव कायम हैं। इस 50 प्रतिशत शुल्क में रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है।

भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को 'अनुचित एवं अविवेकपूर्ण' करार दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि विदेश मंत्री जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कुआलालंपुर में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर अपनी बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर सोमवार को व्यापक चर्चा की। इस बात का हालांकि कोई संकेत नहीं मिला कि अमेरिकी पक्ष ने भारत को रूस के साथ ऊर्जा संबंधों के लिए लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क को हटाने का आश्वासन दिया है।

दक्षिण कोरिया में शी से होगी ट्रंप की मुलाकात

ट्रंप एपेक सम्मेलन में शामिल होने से इतर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। ट्रंप ने बुसान हवाई अड्डे पर कहा, चीन के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं। मुझे लगता है कि हमारे और दुनिया के लिए अच्छे परिणाम सामने आएंगे। ट्रंप ने टोक्यो में मंगलवार को कहा था कि अगर चीन फेंटेनाइल बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के निर्यात को सीमित करने पर सहमत हो जाता है, तो अमेरिका चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर शुल्क कम कर सकता है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान मार गिराए गए थे सात ब्रांड न्यू विमान

टोक्यो। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान 'सात ब्रांड न्यू' विमान मार गिराए गए थे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे विमान किस देश के थे। टोक्यो में मंगलवार को कारोबारियों के साथ रात्रिभोज के दौरान ट्रंप ने एक बार फिर 'दो बड़ी परमाणु शक्तियों' के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का दावा किया। कहा, सात ब्रांड न्यू खूबसूरत विमान गिरा दिए गए थे, और दो बड़ी परमाणु शक्तियां आपस में भिड़ रही थीं। ट्रंप ने दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष खत्म कराने के लिए व्यापार का सहारा लिया। उन्होंने कहा, 'मैंने बहुत ही अच्छे और सज्जन प्रधानमंत्री मोदी से और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से कहा कि देखिए अगर आप लोग लड़ते रहेंगे तो हम कोई व्यापार नहीं करेंगे। ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ने तर्क दिया कि युद्ध का अमेरिका के साथ व्यापार से कोई लेना-देना नहीं है। मैंने कहा कि इसका बहुत गहरा संबंध है दो परमाणु शक्तियां हैं। आप सब प्रभावित होते हैं, है ना। और मैंने कहा कि अगर आप लड़ेंगे तो हम कोई सौदा नहीं करेंगे। और लगभग 24 घंटे के भीतर संघर्ष खत्म हो गया। यह वाकई अद्भुत था। गौरतलब है कि 10 मई को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान ने पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमति जताई है। ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को सुलझाने में मदद की। भारत ने लगातार यह स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम पर समझौता दोनों देशों की सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच प्रत्यक्ष बातचीत के जरिए हुआ था।

मुनीर की भी तारीफ

ट्रंप ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की भी तारीफ की और उन्हें बेहतरीन योद्धा और अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'फिर मैंने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल को फोन किया। मैंने कहा कि हम आपके साथ व्यापार नहीं करेंगे क्योंकि आप भारत से लड़ रहे हैं। मुनीर ने कहा कि नहीं, नहीं, आप हमें लड़ने दीजिए। दोनों ने यही कहा। ट्रंप ने दावा किया कि दोनों देशों के नेताओं ने उन्हें दो दिन बाद फोन कर संघर्ष रोकने की बात कही।

गाजा में रात भर जारी रहे इजराइल के हमले महिलाओं-बच्चों समेत 81 लोगों की मौत

● हमलों के बाद इजराइल ने की फिर युद्धविराम लागू होने की घोषणा

दीर अल-बलाह,एजेंसी

गाजा में इजराइल के भीषण हमलों के दौरान चमक साथ सुनाई दी धमाकों की गूंज।

इजराइल की सेना ने गाजा में भीषण हवाई हमले करने के बाद बुधवार को कहा कि संघर्ष विराम फिर से प्रभावी हो गया है। इससे पहले गाजा के अस्पतालों ने बताया कि इजराइली हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 81 लोगों की मौत हुई है।

दस अक्टूबर को संघर्ष विराम लागू होने के बाद से यह सबसे घातक हमले थे। ये हमले संघर्ष विराम के लिए सबसे गंभीर चुनौती माने जा रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास पर संघर्ष विराम के उल्लंघन का आरोप लगाने के बाद कहा कि उन्होंने ही सैनिकों का गाजा में भीषण हमले करने का आदेश दिया था। इसके जवाब में हमास ने कहा कि वह एक और बंधक का शव सौंपने में देरी करेगा। फिलहाल एशिया की यात्रा कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमलों का बचाव किया और कहा कि इजराइल का यह हमला उचित था, क्योंकि हमास ने गाजा के रफह शहर में गोलीबारी के दौरान एक इजराइली सैनिक को मार डाला था। हमास ने उस गोलीबारी में किसी भी तरह की संलिप्तता से इन्कार किया तथा इजराइल पर युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

इस बीच, शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबू सेल्मिया ने कहा कि इजराइली हमलों में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 81 हो गई है। उन्होंने कहा कि अस्पताल को हमलों में मारे गए 21 और लोगों के शव मिले हैं, जिनमें सात महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। सेल्मिया ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि गाजा शहर में स्थित अस्पताल में भर्ती 20 बच्चों समेत 45 घायलों में से कई की हालत गंभीर है।

ट्रंप की ओर से नियुक्त अटॉर्नी अयोग्य घोषित

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने दक्षिणी कैलिफोर्निया के कार्यवाहक अटॉर्नी बिल एसेली को अयोग्य घोषित किया और कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा नियुक्त यह अधिकारी कानून द्वारा निर्धारित अवधि से अधिक समय से अस्थाई पद पर बने हुए हैं। यह निर्णय ट्रंप प्रशासन के उस प्रयास के लिए एक और झटका है, जिसके तहत वह अपने चुने हुए कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यकाल को संघीय कानून द्वारा निर्धारित 120 दिनों की सीमा से अधिक बढ़ाना चाहता है।

अफगान तालिबान को खत्म कर फिर गुफाओं में धकेल देंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी

● शांति वार्ता विफल होने से बौखलाए पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने दी धमकी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को धमकी दी कि भविष्य में उनके देश में कोई भी आतंकवादी हमला होने की स्थिति में वह अफगान तालिबान को खत्म कर देंगे और उन्हें वापस गुफाओं में धकेल देंगे। शांति वार्ता विफल होने के बाद दोनों पड़ोसी देशों के संबंध बेहद खराब हो गए हैं।

इस्तांबुल में चार दिवसीय शांति वार्ता में पाकिस्तान की मुख्य मांग के संबंध में कोई नतीजा नहीं निकलने के तुरंत बाद आसिफ ने सोशल मीडिया पर यह चेतावनी जारी की। इस मुख्य मांग में कहा गया था कि तालिबान को पाकिस्तान में आतंकवाद के लिए अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। आसिफ ने कहा कि मित्र देशों के अनुरोध पर पाकिस्तान ने शांति के लिए बातचीत शुरू की, लेकिन कुछ अफगान अधिकारियों के जहरीले बयान स्पष्ट रूप से तालिबान शासन की कुटिल मानसिकता को दर्शाते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि तालिबान शासन को पूरी तरह से खत्म करने और उन्हें वापस गुफाओं में धकेलने के लिए पाकिस्तान को अपने पूरे शस्त्रागार के एक अंश का भी उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। यदि वे ऐसा चाहते हैं, तो तोरा बोरा में उनकी पराजय के दृश्यों की पुनरावृत्ति निश्चित रूप से क्षेत्र के लोगों के लिए देखने लायक तमाशा होगी। उन्होंने कहा कि तालिबान शासन में युद्धोन्मादी लोगों, जिनके निहित स्वार्थ क्षेत्र में अस्थिरता जारी रखने में हैं, को यह जान लेना चाहिए कि उन्होंने संभवतः पाकिस्तान के संकल्प और साहस को गलत समझा है।

म्यांमार पर संयुक्त राष्ट्र की पक्षपातपूर्ण रिपोर्ट पर भारत ने जताई कड़ी आपत्ति

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने म्यांमार की मानवाधिकार स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में उसके खिलाफ किए गए पक्षपातपूर्ण विश्लेषण की कड़ी निंदा की है। साथ ही, पड़ोसी देश में तत्काल हिंसा रोकने और समावेशी राजनीतिक संवाद शुरू करने की अपनी अपील दोहराई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में मंगलवार को म्यांमार में मानवाधिकार की स्थिति पर संवाद के दौरान भारत की ओर से बयान देते हुए लोकसभा सदस्य दिलीप सैकिया ने कहा कि नई दिल्ली विश्वास को बढ़ावा देने हुए शांति, स्थिरता तथा लोकतंत्र की ओर म्यांमार के आगे बढ़ने के उद्देश्य से सभी पहल का समर्थन जारी रखेगा। हम हिंसा को तत्काल समाप्त करने, राजनीतिक कैदियों की रिहाई, मानवीय सहायता की निर्बाध आपूर्ति और समावेशी राजनीतिक वार्ता का आह्वान करते हैं। मानवाधिकार और मानवीय मुद्दों से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की तीसरी समिति, 2021 के सैन्य तख्तापलट और सैन्य शासन तथा विरोधी बलों के बीच जारी हिंसा के बीच म्यांमार में बिगड़ती स्थिति पर चर्चा कर रही थी।

पूर्वी लद्दाख: भारत-चीन एलएसी पर शांति रखने पर सहमत

नई दिल्ली, एजेंसी

● मोल्डो चुशूल बिंदु पर दोनों देशों के बीच कोर कमांडर स्तर की वार्ता

एक और उच्चस्तरीय सैन्य वार्ता में भारत और चीन ने मौजूदा तंत्र का उपयोग करते हुए पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। कोर कमांडर स्तर की बैठक 25 अक्टूबर को वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय हिस्से में 'मोल्डो-चुशूल' बिंदु पर हुई।

अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के बाद दोनों सेनाओं के बीच यह पहली ऐसी बातचीत थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वार्ता मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने अक्टूबर 2024 में कोर कमांडर स्तर की 22वें दौर की बैठक के बाद से हुई प्रगति पर ध्यान दिया और इस बात पर सहमति जताई कि भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखा गया है। दोनों पक्ष स्थिरता बनाए रखने के लिए सीमा पर किसी भी जमीनी मुद्दे को सुलझाने के लिए मौजूदा तंत्र का उपयोग जारी रखने पर सहमत हुए।

पिछले साल अक्टूबर में भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चार साल से अधिक समय से जारी सैन्य गतिरोध को समाप्त करने के बाद अपने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए पिछले कुछ महीनों में कई उपाय शुरू किए हैं। डेमचोक और देपसांग के अंतिम दो टकराव बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया। गत 19 अगस्त को विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के लिए वांग की नई दिल्ली यात्रा के बाद भारत और चीन ने 'स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी' संबंधों के लिए कई उपायों की घोषणा की, जिनमें सीमा पर संयुक्त रूप से शांति बनाए रखना, सीमा व्यापार को पुनः खोलना और निवेश प्रवाह को बढ़ावा देना शामिल था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 10.06 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

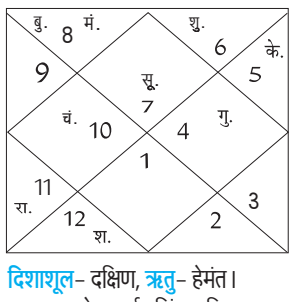

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-श्रवण 18.33 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष आज आर्थिक समस्याओं के समाधान मिलने से आप अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। आपको कोई ऐसे सुखद समाचार मिल सकते हैं, जिनकी आप लंबे समय से प्रतीक्षा करेंगे। परिवार के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आप रचनात्मक कार्यों में रुचि लेंगे।

वृष आज कई दिनों से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान होगा। अपने लक्ष्य को लेकर भ्रमित न हों। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मकता रहेगी। मन में नए-नए विचार पनपेंगे। विद्यार्थी अपनी शिक्षा को लेकर अत्यंत जागरूक रहेंगे।

मिथुन आज अत्यधिक व्यस्तता के कारण स्वास्थ्य की अवहेलना न करें। अपने कार्यों में गोपनीयता रखने की आवश्यकता है। अपने विरोधियों को बिल्कुल भी अनदेखा न करें। अति आवश्यक न हो तो लोगों से अपनी बातें व सूचनाएं शेयर करने से बचें।

कर्क आज साझेदारी संबंधी योजनाओं को आरंभ करेंगे। नई नौकरी की तलाश पूरी हो सकती है। अपने कार्य में आप बहुत ही अच्छे परिणाम प्राप्त करेंगे। समाज कल्याण की योजनाओं में आप धन खर्च करेंगे। कार्यस्थल पर प्रोजेक्ट्स को अच्छी तरह से पूरा करेंगे।

सिंह आज काम की अधिकता के बावजूद ऊर्जावान रहेंगे। लंबे समय से जिन वस्तुओं की प्रतीक्षा कर रहे थे, वो आपको प्राप्त हो जाएंगी। व्यापार में लाभ के अवसरों को चूक सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या आज आपको अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी दूरदर्शी सोच के कारण व्यापार में लाभ मिलेगा। सामाजिक संबंधों में मजबूती आएगी। किसी रिश्तेदार के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। धन के लेन-देन में कुछ परेशानी हो सकती है।

तुला आज अहंकार की वजह से अपने संबंधों को खराब न करें। उच्च अधिकारी आपसे कुपित हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ मतभेद उभर सकते हैं। स्वास्थ्य कुछ नरम हो सकता है, इसीलिए लापरवाही बिल्कुल भी न करें।

वृश्चिक आज आपकी दिनचर्या अत्यंत व्यवस्थित रहेगी। शाम को आपका स्वास्थ्य कुछ कमजोर होगा। आप व्यवसाय की जटिलताओं को सुलझाने में व्यस्त रहेंगे। घर पर उत्सव का वातावरण रहेगा। प्रेमी जन के साथ रोमांटिक समय का आनंद उठाएंगे।

धनु आज मन में सकारात्मक विचार चलते रहेंगे। लंबी दूरी की यात्रा की योजना बना सकते हैं। आप नए व्यवसाय की शुरुआत कर सकते हैं। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा है। काम का दबाव आपके ऊपर से कम होगा।

मकर आज व्यापार विस्तार में कुछ रुकावट आ सकती है। गूढ़ विषयों का आप अध्ययन कर सकते हैं। अपने कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कर लें। विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। होटल कारोबारियों की आय में वृद्धि होगी।

कुंभ आज तकनीक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए समय बहुत ही अच्छा है। लोगों की सहायता करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक ध्यान देना होगा। आलस्य की वजह से आपके काम अधूरे छूट सकते हैं। प्रेम संबंधों में ताजगी कम हो सकती है।

मीन आज आलस्य त्याग कर अपने काम पर फोकस करें। सभी समस्याओं का समाधान होगा। अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाने के लिए आपको पुरस्कार भी मिल सकता है। मित्रों के साथ गंभीर विषयों पर चर्चा करेंगे।

सुडोकू-145

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1	2					
2			3	4				
6		3						
	2		1					
4	8						5	
				5	4		9	
						9	8	3
				9	8			
					6	7		

सुडोकू - 144 का हल

9	1	8	5	6	2	3	7	4
4	7	2	3	8	1	5	6	9
6	5	3	4	9	7	1	8	2
1	8	4	2	5	6	7	9	3
5	2	6	7	3	9	4	1	8
7	3	9	1	4	8	6	2	5
3	9	1	6	2	4	8	5	7
8	4	7	9	1	5	2	3	6
2	6	5	8	7	3	9	4	1

एक खिलाड़ी होने के नाते प्रतिका के साथ जो हुआ, वह अच्छी बात नहीं थी। कोई नहीं चाहता कि किसी खिलाड़ी को ऐसी चोट लगे। ईश्वर ने लेकिन मुझे कुछ अच्छा करने के लिए भेजा है। मैं घरेलू क्रिकेट खेल रही थी और मैं बहुत अच्छी लय में थी। सेमीफाइनल मेरे लिए कोई नई बात नहीं है।
-शेफाली वर्मा

स्टेडियम

मुरादाबाद, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अल्काराज गंवा सकते हैं नंबर वन रैंकिंग

पेरिस : दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने पहला सेट जीतने के बाद लगातार गलतियां की जिसके कारण उन्हें पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में बाहर का रास्ता देखना पड़ा। अल्काराज को गैरवरीय कैमरून नॉरी ने 4-6, 6-3, 6-4 से हराया। इस हार के साथ ही अल्काराज़ का मास्टर्स प्रतियोगिताओं में 17 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी टूट गया। यही नहीं उन्हें नंबर एक रैंकिंग से भी हाथ धोना पड़ सकता है क्योंकि दूसरे स्थान पर काबिज यानिक सिनर यह टूर्नामेंट जीत जाते हैं तो एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाएंगे।

पाकिस्तान पर दक्षिण अफ्रीका की बड़ी जीत

रावलपिंडी : स्टार बल्लेबाज बाबर आजम की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी यादगार नहीं रही और वह खाता भी नहीं खोल पाए। जिससे दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को 55 रन से हरा दिया। पाकिस्तान की टीम 195 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 139 रन पर आउट हो गई।

टिन्नी को हरा अनाहत पहुंची सेमीफाइनल में

टोरंटो (कनाडा) : भारत की 17 वर्षीय उभरती खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बेल्जियम की गत चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त टिन्नी गिलिस को हराकर यहां कनाडा महिला ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अनाहत ने क्वार्टर फाइनल में 3-0 (12-10, 11-9, 11-9) से जीत दर्ज की।

उपकप्तान स्मृति मंधाना।

हरमनप्रीत को खेलनी होगी आठ साल पहले जैसी जादुई पारी

महिला विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में आज भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से

नवी मुंबई, एजेंसी

भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने वाली भारतीय टीम को महिला वनडे विश्व कप के गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा और उसे उम्मीद रहेगी कि कप्तान हरमनप्रीत कौर आठ साल पहले खेली गई जादुई पारी जैसा करिश्मा दिखाने में सफल रहेगी।

हरमनप्रीत की 2017 में इंग्लैंड के डर्बी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 115 गेंदों में नाबाद 171 रन की पारी एक महत्वपूर्ण क्षण था, जिसने महिला क्रिकेट को सुर्खियों में ला दिया था। सात बार के विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर जीत से न केवल भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि आईसीसी खिताब जीतने की उसकी उम्मीदों को भी पंख लग जाएंगे। भारतीय टीम के प्रदर्शन में अभी तक निरंतरता का अभाव रहा है और उसके पास ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को पराजित करने का यह सुनहरा मौका है लेकिन इसके लिए उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

वर्तमान विश्व कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है। पहले दो मैच में जीत के बाद उसे लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन इसके बाद उसने अच्छी वापसी की और सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। लेकिन इस दौरान प्रतीका रावल चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई जो भारतीय टीम के लिए करारा झटका है क्योंकि यह सलामी बल्लेबाज अच्छी फॉर्म में चल रही थी।

समय
दोपहर 3:00 बजे से

अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि भारत अब उन सभी प्रतिद्वंद्वियों के साथ सेमीफाइनल में है जिन्होंने लीग मुकाबलों में उसे पराजित किया था। लेकिन मैदान पर उतरने से पहले भारत को अपनी टीम संयोजन को लेकर कुछ सबसे प्रासंगिक सवालों का सामना करना पड़ेगा। बड़े शॉट लगाने वाली शेफाली वर्मा को टीम में शामिल करना आग में घी डालने जैसा है क्योंकि वह भारतीय योजना का हिस्सा नहीं थी और यही वजह थी कि वह भी रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल नहीं थी। उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ उनका रिकॉर्ड (25 पारियों में 37.20 की औसत से 893 रन) रावल और मंधाना के सलामी जोड़ी के रूप में 23 पारियों में 78.21 की औसत से 1,799 रनों से कमतर दिखता है। क्या भारत को शेफाली को चुनना चाहिए, जिनकी आक्रामक शैली विरोधियों पर दबाव बना सकती है और मंधाना के शानदार फॉर्म की बराबरी कर सकती है।

बेमौसम बारिश के पूर्वानुमान के बावजूद पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल बनी हुई है और बड़े स्कोर का दबाव लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को परेशानी में डाल सकता है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), एलिस पेरी, बेथ मूनी (विकेटकीपर), फोबे लिचफील्ड, जॉर्जिया वोल, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, सोफी मोलिनक्स, एनाबेल सदरलैंड, डार्सी ब्राउन, मेगन स्कुट, जॉर्जिया वेयरहैम।

मुंबई में बारिश बिगाड़ सकती है खेल

मुंबई के मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मैच शुरू होने के बाद बारिश की प्रबल संभावना है और शाम तक बारिश होने की संभावना 40-70% है। इस मैच के लिए एक रिजर्व डे रखा गया है, जो शुक्रवार (31 अक्टूबर) को होगा। हालांकि, उस दिन का पूर्वानुमान और भी भयावह है। शुक्रवार को मैच की शुरुआत में बारिश की प्रबल संभावना है, जिसकी संभावना 70% तक है।

मैं चाहता हूं कि भारत की गेंदबाजी में अतिरिक्त विकल्प हों : बिशप

नई दिल्ली : वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप का मानना है कि मेजबान भारत को बृहस्पतिवार को महिला वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ उतरना चाहिए। भारत और ऑस्ट्रेलिया बृहस्पतिवार को नवी मुंबई में दूसरे सेमीफाइनल में भिड़ेंगे। भारतीय टीम पिछले काफी समय से पांच बल्लेबाजों, एक विकेटकीपर और पांच गेंदबाजों (जिनमें से तीन ऑलराउंडर हैं) के संयोजन के साथ मैच में उतर रही है। विश्व कप से पहले यह संयोजन कारगर दिख रहा था लेकिन दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ लीग चरण की हार में इसकी कमियां उजागर हुईं। भारत को इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने जरूरी मैच में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की जगह विशेषज्ञ तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को लाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

दक्षिण अफ्रीका पहली बार पहुंचा फाइनल में

गुवाहाटी, एजेंसी

- **पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रनों से हराया**
- **कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने खेली 169 रनों की धमाकेदार पारी**
- **दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाज मारिजेन कैप ने लिए पांच विकेट**

कप्तान लॉरा वोलवार्ट के शानदार शतक के बाद मारिजेन कैप की तूफानी गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को यहां सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रन से हराकर पहली बार आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई।

अफ्रीका के 320 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम कैप (20 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 42.3 ओवर में 194 रन पर ढेर हो गई। नेदिन डि क्लर्क ने भी 24 रन देकर दो विकेट चटकाए। कप्तान नैट स्काइवर ब्रंट (64) और एलिस कैप्सी (50) ने अर्धशक जड़ने के अलावा चौथे विकेट के लिए 105 रन भी जोड़े लेकिन इंग्लैंड को लक्ष्य के करीब भी नहीं ले जा सके।

दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले वोलवार्ट की 143 गेंद में 17 चौकों और तीन छक्कों से 169 रन की तेजतर्रार पारी के अलावा ताजमिन ब्रिट्स (65 गेंद पर 45 रन) के साथ पहले विकेट के लिए उनकी 116 और कैप (33 गेंद पर 42 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी से सात विकेट पर 319 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। क्लो ट्रायोन (26 गेंद पर नाबाद 33) और डि क्लर्क (छह गेंद पर नाबाद 11) ने पारी के अंतिम ओवरों में कुछ आक्रामक शॉट खेलकर टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका की टीम लीग चरण में इसी टीम के खिलाफ 69 रन पर ऑल आउट हो गई थी। बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एकलेस्टोन (44 रन पर चार विकेट) और लॉरेन बेल (55 रन पर दो विकेट) ने दक्षिण अफ्रीका के मध्यक्रम को ध्वस्त किया लेकिन वोलवार्ट ने इंग्लैंड के लिए विश्व कप सेमीफाइनल में रिकॉर्ड लक्ष्य सुनिश्चित किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में एक रन के स्कोर तक ही सलामी बल्लेबाजों ऐमी जोन्स और टैमी ब्युमोंट के अलावा हीथर नाइट का भी विकेट गंवा दिया। ये तीनों ही बल्लेबाज खाता खोलने में नाकाम रहीं। कैप ने पारी के पहले ही ओवर में दूसरी और पांचवीं गेंद पर क्रमशः ऐमी और नाइट को बोल्ड किया जबकि अगले ओवर की पहली गेंद पर अयाबोंगा खाका ने ब्युमोंट को विकेटकीपर सिनोलो जाफ्ता के हाथों कैच कराया। स्काइवर ब्रंट और कैप्सी ने चौथे विकेट के लिए 105 रन जोड़कर पारी को संवारा लेकिन 23वें ओवर में सुने लूस ने कैप्सी को डि क्लर्क के हाथों कैच कराके इस साझेदारी तोड़ा दिया। कैप्सी ने 71 गेंद की अपनी पारी में छह चौके मारे। कैप ने इसके बाद स्काइवर ब्रंट को विकेटकीपर जाफ्ता के हाथों कैच कराके इंग्लैंड की जीत की रही सही उम्मीद भी तोड़ दी। स्काइवर ब्रंट ने 76 गेंद का सामना करते हुए छह चौके और एक छक्का मारा। कैप ने सोफिया डंक्ले (02) और चार्ली डीन (00) को विकेट के पीछे कैच कराके पांच विकेट हासिल किए। डि क्लर्क ने लिंसे स्मिथ (27) को लूस के हाथों कैच कराके दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले वोलवार्ट ने ब्रिट्स के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका को शानदार शुरुआत दिलाई।

तूफानी पारी के दौरान शॉट लगातीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका

319/7 (50 ओवर)

लॉरा वोलवार्ट का कैप्सी बो बेल	169
ताजमिन ब्रिट्स बो एकलेस्टोन	45
एनेके बॉश बो एकलेस्टोन	00
सुने लुस बो स्काइवर ब्रंट	01
मारिजेन का डीन बो एकलेस्टोन	42
सिनालो जाफ्ता बो बेल	01
एनेरी डर्कसेन बो एकलेस्टोन	04
क्लो ट्रायोन नाबाद	33
नेदिन डि क्लर्क नाबाद	11

गेंदबाजी : बेल 10-0-55-2, स्मिथ 10-0-69-0, स्काइवर ब्रंट 8-0-67-1, डीन 10-0-67-0, एकलेस्टोन 10-1-44-4, कैप्सी 2-0-15-0

इंग्लैंड

194/10 (42.3 ओवर)

ऐमी जेम्स बो कैप	00
टैमी ब्युमोंट का जाफ्ता बो खाका	00
हीथर नाइट बो कैप	00
नैट स्किवर ब्रंट का जाफ्ता बो कैप	64
एलिस कैप्सी का डि क्लर्क बो लुस	50
डैनी का स्थानापन्न बो डि क्लर्क	34
सोफिया डंक्ले का जाफ्ता बो कैप	02
चार्ली डीन का जाफ्ता बो कैप	00
सोफी का डर्कसेन बो मलाबा	02
लिन्से स्मिथ का लूस को डि क्लर्क	27
लॉरेन बेल नाबाद	09

गेंदबाजी : कैप 7-3-20-5, खाका 8-0-28-1, डि क्लर्क 5.3-0-24-2, मलाबा 8-0-40-1, लूस 6-0-41-1,

पहला टी-20 मैच बारिश की भेंट चढ़ा

बारिश के कारण पैवेलियन लौटते कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल। एजेंसी

कैनबरा, एजेंसी

- **ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिर्फ 9.4 ओवरों का हो सका खेल**
- **भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हासिल की लय**

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव कुछ शानदार शॉट के साथ लय में वापसी करते दिखे, लेकिन खराब मौसम और बारिश के कारण बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच रद्द करना पड़ा। बारिश के कारण 9.4 ओवर के खेल के बाद जब दूसरी बार खेल रोका गया तब सूर्यकुमार 24 गेंद में 39 रन बनाकर नाबाद थे। उन्होंने शानदार लय में चल रहे उपकप्तान शुभमन गिल (20 गेंदों पर नाबाद 37) के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंद में 62 रन की साझेदारी के साथ बड़े स्कोर की नींव तैयार कर दी थी।

भारत ने खेल रोको जाने से पहले एक विकेट पर 97 रन बना लिए थे। भारतीय कप्तान ने कई आकर्षक शॉट लगाये लेकिन बारिश के कारण वह और गिल अर्धशतक पूरा करने से दूर रह गये। इस साल 110 से कम स्ट्राइक रेट से महज 100 रन बनाने वाले सूर्यकुमार ने जोश हेजलवुड की गेंद को अपने चिर-परिचित अंदाज में स्क्वायर लेग के ऊपर से छह रनों के लिए भेज कर यह दिखाया कि वह लंबे समय तक इस प्रारूप के शीर्ष बल्लेबाज क्यों रहे हैं। मनुका ओवल की पिच से गेंद को अच्छी उछाल रही थी और सूर्यकुमार ने इसका फायदा उठाते हुए नाथन एलिस के खिलाफ 10वें ओवर की शुरुआती दो गेंदों पर चौका जड़ा और फिर तीसरी गेंद को दर्शकों के दर्शन कराए। इसके एक गेंद बाद ही हालांकि बारिश फिर से शुरू हो गयी और मैच को रोकना पड़ा। गिल ने दूसरे छोर से आक्रमण और धैर्य का शानदार मिश्रण दिखाया। उन्होंने वामहस्त स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन के खिलाफ काऊ कॉर्नर (डीप मिडविकेट और लांग लेग के बीच में) पर दर्शनीय छक्का जड़ा। गिल ने इस छक्के के अलावा चार दिलकश चौके भी जड़े।

इससे पहले 4.4 ओवर के बाद भी बारिश के कारण खेल को रोकना पड़ा था। बारिश के पहले व्यवधान के बाद जब खेल दोबारा शुरू हुआ तो मैच को 18 ओवर प्रति टीम कर दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया था जिसके बाद अभिषेक शर्मा (14 गेंद में 19 रन) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। एलिस ने हालांकि उन्हें खतरनाक होने से पहले ही चलता कर टीम को पहली सफलता दिलाई।

रोहित पहली बार वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई : पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को अपने शानदार करियर में पहली बार आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस 38 साल के दिग्गज ने सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे और अंतिम वनडे में यादगार शतक (नाबाद 121) की बदौलत दो स्थान ऊपर चढ़कर इतिहास रच दिया। उनकी इस पारी से भारत ने नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। दायें हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली (नाबाद 74) के साथ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपने 33वीं वनडे शतकीय पारी के दौरान 13 चौके और तीन छक्के जड़े।

रोहित ने अपनी इस पारी से अफगानिस्तान के धाकड़ बल्लेबाज इब्राहिम जदरान और भारत के अपने साथी शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया।

टेस्ट मैच की तैयारी | **दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैचों में भारत ए के लिए में खेलेंगे**

ऋषभ पंत पहले से अधिक फिट नजर आ रहे : सुदर्शन

अभ्यास करते ऋषभ पंत। एजेंसी

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत ए के उप कप्तान साई सुदर्शन ने बुधवार को कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अधिक फिट दिख रहे हैं और दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो मैचों की चार दिवसीय सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। भारत ए की कप्तानी करने वाले पंत तीन महीने के अंतराल के बाद वापसी कर रहे हैं। जुलाई में इंग्लैंड में उन्हें पैर में चोट लगी थी। उनके भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैच की टेस्ट श्रृंखला में खेलने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका 14 नवंबर से 19 दिसंबर के बीच भारत में दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेगा।

सुदर्शन ने यहां दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा भारत ए के अभ्यास सत्र के बाद कहा ऋषभ वास्तव में फिट नजर आ रहे हैं। मैं कहूंगा कि वह पहले से अधिक फिट दिख रहे हैं।

- **साउथ अफ्रीका 14 नवंबर से 19 दिसंबर के बीच भारत में दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेगा**

उनके पास अच्छी फिटनेस हासिल करने के लिए समय था। मुझे लगता है कि वो पहले से ज्यादा फिट, मजबूत और हमेशा की तरह निर्भीक नजर आ रहे हैं। पंत अभ्यास सत्र के दौरान अपने चिर परिचित अंदाज में बात कर रहे थे।

मैं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी का योगदान समझने की कोशिश कर रहा हूं

भारतीय टेस्ट टीम में तीसरे क्रम पर अपनी जगह पक्की करने की ओर बढ़ रहे युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा कि वह गेंदबाजों पर दबदबा बनाने के लिए इस बल्लेबाजी क्रम के लिए जरूरी रणनीति को सीख रहे हैं। मैं तकनीकी रूप से अपने फुटवर्क में काफी सुधार कर रहा हूं। पर इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं समझ रहा हूं कि तीसरे नंबर के खिलाड़ी को टीम के लिए क्या करना होता है। मैं इस भूमिका को बेहतर ढंग से समझ रहा हूं और उसे लागू करने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने कहा इसमें ज्यादा तकनीकी अंतर नहीं है, क्योंकि मुझे लगता है कि यह रणनीतिक रूप से बेहतर होने के बारे में है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाज से एक कदम आगे रहने के लिए मजबूत रणनीति होना जरूरी है और मैं इस पर काम कर रहा हूं। सुदर्शन ने कहा कि विरोधी टीम पर रणनीतिक बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है क्योंकि क्रिकेट के शीर्ष स्तर पर आपकी खामियां जल्दी उजागर हो जाती है। उन्होंने कहा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में आप जिसका भी सामना करते है वह अपने देश का सर्वश्रेष्ठ होता है। ऐसे में अगर आपकी बल्लेबाजी में कोई खामी है तो आप उसके साथ ज्यादा दिन तक बने नहीं रह सकते हैं। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि यह सब उन रणनीतिक सुधार पर निर्भर करता है जो आप किसी गेंदबाज की ताकत और कमजोरियों के अनुसार उसके खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी यही सीख रहा हूं, शायद मैं इसे और निखार रहा हूं और भारत के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने का सबसे अच्छा तरीका ढूंढ रहा हूं।